फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वादशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

गुरुवार, 21 मार्च 2024
वर्ष 2, अंक 210, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य-5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा 16

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकतीं हैं माधुरी दीक्षित 15

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 102 सीटों पर नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

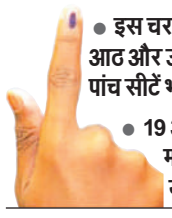

- इस चरण में उप्र की आठ और उत्तराखंड की पांच सीटें भी शामिल
- 19 अप्रैल को होगा मतदान, चार जून को परिणाम

देश में 18वीं लोकसभा के सात चरणों में कराए जाने वाले चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया बुधवार को प्रारम्भ हो गई। चुनाव आयोग ने आम चुनाव के पहले चरण में 17 राज्यों और चार केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल मिलाकर लोकसभा की 102 सीटों के लिए बुधवार सुबह अधिसूचना जारी कर दी।

इसके साथ ही, इन सीटों के लिए प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दाखिल करने का कार्य शुरू हो गया। पहले चरण के मतदान 19 अप्रैल को कराए जाएंगे। पहले चरण में तमिलनाडु की 33, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की आठ, मध्य प्रदेश की छह, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की पांच-पांच, बिहार की चार, पश्चिम बंगाल की तीन, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय की दो-दो सीटें और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अनादमन और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की एक-एक सीट शामिल हैं। इस चरण में बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों में नामांकन 27 मार्च तक भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को की जाएगी और नाम 30 मार्च तक वापस लिए जा सकेंगे। बिहार में नामांकन भरने की अंतिम तिथि 28 मार्च है और नामांकन पत्रों की जांच दो अप्रैल को की जाएगी। लोकसभा की कुल 543 सीटों के लिए आम चुनाव 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में हो रहे हैं। मतगणना चार जून को होगी और चुनाव प्रक्रिया छह जून तक पूरी कर ली जाएगी।

रद की गई बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा

पटना, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद 15 मार्च को दोनों पालियों हुई शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई) को बुधवार को रद कर दिया है। परीक्षा की नई तिथि बाद में घोषित की जाएगी। बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनुभाई ने बताया कि परीक्षा का तीसरा चरण रर कर दिया गया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार टीआरई-तृतीय को रद करने का निर्णय बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा पेश की गई रिपोर्ट का विश्लेषण करने के बाद लिया गया। ईओयू ने प्रश्न पत्र लीक के आरोपों की जांच की थी।

केजरीवाल के वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट से मांगी सुरक्षा

गिरफ्तार न करें तो ईडी के समक्ष पेशी को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

- केजरीवाल की याचिका पर कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति घोटाले के मामले में समन को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने ईडी को दो सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से पूछा कि ईडी के समक्ष पेश क्यों नहीं होते। तो सिंघवी ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह की ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए जवाब दिया कि उन्हें (मुख्यमंत्री केजरीवाल) को आशंका है कि ईडी उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। उन्होंने कोर्ट से कहा कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो वह पेश होने के लिए तैयार हैं।

ईडी का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने सिंघवी की केजरीवाल को राहत देने की दलीलों का विरोध किया।

बिना सुनवाई आरोपियों को हिरासत में नहीं रख सकते

नई दिल्ली। आरोपी के स्वत: जमानत पाने के अधिकार को खत्म करने के लिए धन शोधन मामलों में पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रयासों की निंदा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि किसी आरोपी को बिना मुकदमे के हिरासत में रखना कैद के समान है जो स्वतंत्रता में बाधक है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कथित सहयोगी प्रेम प्रकाश की स्वत: (डिफॉल्ट) जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि हम आपको (ईडी को) नोटिस दे रहे हैं। (कानून के तहत) मामले की जांच पूरी हुए बिना आप किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते।

एक नजर

पारस का इस्तीफा स्वीकार रिजिजु को मिला प्रभार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पशुपति कुमार पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और किरण रिजिजु को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभालने को कहा है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 75 की धारा दो के तहत पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति ने रिजीजु को अपने मंत्रालय के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का कार्यभार संभालने का भी निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि पारस ने बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर नाराजगी व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

आठ लाख रुपये के इनामी नक्सली ने किया समर्पण

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की तेलंगाना सीमा पर सक्रिय रहे आठ लाख रुपए के इनामी नक्सली ने आज पुलिस के समक्ष समर्पण कर दिया। आरोपी नक्सली रोशन सोड़ी ने सुकमा पुलिस के समक्ष समर्पण किया। वह बगैर हथियार के पुलिस के समक्ष पहुंचा। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय रहा यह नक्सली अनेक मुठभेड़ों में शामिल रहा। उस पर अनेक जघन्य घटनाएं करने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने नक्सली का शॉल और श्रीफल भेंटकर स्वागत किया।

एमपीपीसीएस-प्री परीक्षा चुनावों के कारण टली

इंदौर। लोकसभा चुनावों के कारण मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 और राज्य वन सेवा परीक्षा 2024 आगे बढ़ा दी है। अब ये परीक्षाएं 28 अप्रैल की जगह 23 जून को आयोजित की जाएंगी। एमपीपीएससी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनावों के चलते दोनों भर्ती परीक्षाओं का कार्यक्रम बदला गया है और इन परीक्षाओं के प्रवेशपत्र एमपीपीएससी की वेबसाइट से 12 जून से प्राप्त किए जा सकेंगे। सूबे की 29 सीट पर 19 अप्रैल से 13 मई के बीच चार चरणों में लोकसभा चुनाव होना है। मतों की गिनती चार जून को होगी।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में न्यायिक सदस्य आवश्यक नहीं

केंद्र सरकार ने चयन समिति में सीजेआई को न रखने पर किया बचाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- न्यायिक सदस्य की उपस्थिति पारदर्शिता का मापदंड नहीं : केंद्र

केंद्र सरकार ने 2023 के कानून के तहत दो नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति का बचाव करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है। इस कानून के तहत चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को बाहर रखा गया है। केंद्रीय कानून मंत्रालय ने शीर्ष अदालत में दाखिल एक हलफनामे में याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया कि शीर्ष अदालत में सुनवाई से एक दिन पहले दो निर्वाचन आयुक्तों को 14 मार्च को जल्दबाजी में नियुक्त किया गया। न्यायालय में इस कानून को चुनौती दी गई जिसपर सुनवाई होने वाली थी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता जया ठाकुर और 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' सहित कई अन्य द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में यह हलफनामा दाखिल किया गया है। हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का मामला एक भ्रांति पर आधारित है कि किसी भी प्राधिकार में स्वतंत्रता केवल तभी बरकरार रखी जा सकती है जब चयन समिति एक विशेष संरचना की हो। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि निर्वाचन आयोग या किसी अन्य संस्था या प्राधिकार की स्वतंत्रता चयन समिति में न्यायिक सदस्य की उपस्थिति से उत्पन्न नहीं होती है।

सूची विपक्ष के साथ साझा न करने का भी खंडन

केंद्र ने याचिकाकर्ताओं के इस दावे का खंडन किया कि नियुक्त किए जाने वालों की कोई सूची विपक्ष के साथ साझा नहीं की गई थी। केंद्र ने कहा कि खोज समिति द्वारा छह नाम की सिफारिश के बाद अंतिम सूची में नामित व्यक्तियों के नाम 13 मार्च, 2024 को लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को उपलब्ध कराए गए थे। इसलिए, यह कहना पूरी तरह से गलत, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है कि चयन समिति के तीसरे सदस्य को दो सदस्यों के विचार के तहत शॉर्टलिस्ट किए गए नाम दिए गए थे। सभी सदस्यों को एक साथ सूची प्राप्त हुई थी।

सीईसी को मिला है संविधान में संरक्षण, निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम

हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ताओं का यह कहना कि न्यायिक सदस्यों के बिना चयन समितियां हमेशा पक्षपातपूर्ण होंगी, पूरी तरह से गलत है। कहा गया कि नियुक्ति की शक्ति कार्यपालिका के पास होने के बावजूद निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) तटस्थ और प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम रहे हैं। उच्च संवैधानिक पद के नाते मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संविधान में अंतर्निहित संरक्षण प्राप्त है, जो उन्हें निष्पक्ष रूप से कार्य करने में सक्षम बनाता है। अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद निर्वाचन आयोग में दो रिक्तियां हुई थीं। उनके स्थान पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नियुक्त किया गया।

शिव खेलैं मसाने में होरी...

रंगभरी एकादशी पर शिव की नगरी काशी के साथ अयोध्या और मथुरा में जमकर होली हुई, खूब रंग-गुलाल उड़े। काशी में शोभा यात्रा भी निकाली गई जिसमें पालकी में बाबा विश्वनाथ और देवी पार्वती भी विराजमान थीं। चिता की भस्म से भी होली खेली गई। प्रधानमंत्री मोदी ने काशी के लोगों को बधाई दी और खुशहाली की कामना की।

दीपक कुमार ने संभाला कार्यभार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैठकें कर आचार संहिता के अनुपालन को लेकर दिए निर्देश

अमृत विचार : राज्य के नवनियुक्त अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार ने मंगलवार देर रात गृह विभाग पहुंचकर कार्यभार ग्रहण कर लिया। 1990 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार बुधवार को भी लगभग पूरा दिन लोकभवन स्थित गृह विभाग के अपने कक्ष में बैठे रहे और अलग-अलग विषयों को लेकर मीटिंग करते रहे। इस दौरान उन्होंने तमाम सरकारी कामकाज निपटाए। राज्य की सुरक्षा व्यवस्था, चुनाव की तैयारियों और आचार संहिता की गाइडलाइन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश भी दिए।

दीपक कुमार 17 मई 2010 से 14 जून 2012 तक गृह विभाग में सचिव पद पर तैनात रह चुके हैं। अपर मुख्य सचिव गृह दीपक कुमार पर लोकसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने की बड़ी जिम्मेदारी है। दीपक कुमार को ऐन चुनाव के समय गृह विभाग की जिम्मेदारी देने के पीछे उनकी बेदाग छवि मानी जा रही है। 2003 में अयोध्या के जिलाधिकारी रह चुके दीपक कुमार कई बड़े पदों पर रहे व जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है। दीपक कुमार अपर मुख्य सचिव वित्त और माध्यमिक शिक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

रामलला के दर्शन कर धन्य हो गई : प्रियंका

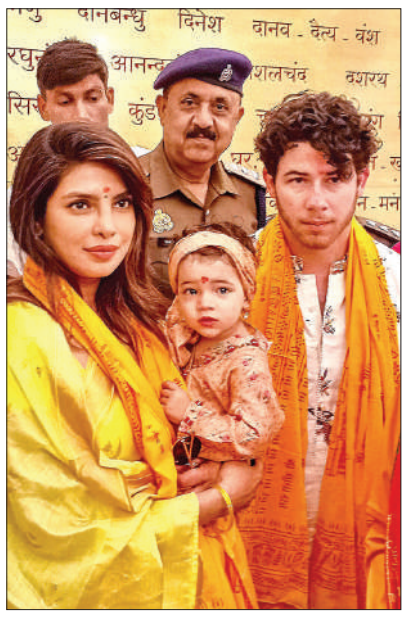

अयोध्या। रामलला के दर्शन पाकर मैं धन्य हो गई हूं। ये बात बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने बुधवार को रामलला के दर्शन के बाद कही। वो पति निक जोनस और बेटी के साथ दर्शन करने आई थीं। राम मंदिर के पुजारी प्रदीप ने प्रियंका व जोनस को तिलक लगाया और ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने रामनामी ओढ़ाकर स्वागत किया। प्रियंका चोपड़ा परिवार के साथ अयोध्या पहुंचीं। भारी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से प्रियंका चोपड़ा को रामलला के दरबार में पहुंचाया गया।

सपा ने छह और प्रत्याशी उतारे, संभल से शफीकुर्रहमान के पोते को टिकट

- मिर्जापुर सीट पर सपा के सामने अपना दल कमेरावादी का प्रत्याशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी ने बुधवार को लोकसभा के छह और उम्मीदवारों की सूची जारी की। गठबंधन में गुटबंदी की चर्चा के बीच गौतमबुद्ध नगर सीट से प्रत्याशी भी बदल दिया। छठी सूची के बाद सपा उम्मीदवारों की कुल संख्या 49 हो गई है। सपा ने गौतमबुद्ध नगर में पहले डॉ. महेंद्र नागर को उम्मीदवार बनाया। महेंद्र नागर को टिकट मिलने के बाद सपा-कांग्रेस गठबंधन में गुटबाजी भी सामने आई थी। प्रत्याशी बदलने के लिए कुछ नेता मंगलवार को लखनऊ में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मिले थे। दिल्ली से सटी इस सीट पर महेंद्र नागर की जगह सपा ने राहुल अवाना को अपना उम्मीदवार बनाया है। नई सूची में संभल से शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर्रहमान बर्क को प्रत्याशी बनाया गया है। बागपत से मनोज चौधरी, पीलीभीत से भगवत शरण गंगवार, घोसी से राजीव राय और मिर्जापुर से राजेंद्र एस बिंद पर दांव लगाया गया है।

पल्लवी पटेल ने अपनी तीन सीटें घोषित कीं

लखनऊ। सपा के सहयोगी दल अपना दल कमेरावादी ने भी तीन सीटों पर लड़ने का एलान किया है। अपना दल की नेता और सपा के सिंबल पर सिराथू (कौशांबी) से विधायक पल्लवी पटेल ने संकेत दिए हैं कि वे सपा से अलग होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। उनकी पार्टी ने प्रदेश की जिन तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है उनमें एक सीट मिर्जापुर भी है जिस पर सपा ने भी उम्मीदवार उतारा है। अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि पार्टी ने फूलपुर, कौशांबी और मिर्जापुर सीट पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। पल्लवी इन्हीं में से किसी सीट पर चुनाव लड़ेंगी।

प्रोन्नति पाने के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज

हाईकोर्ट का आदेश

- 23 अगस्त 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को मिली राहत

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्त हुए अध्यापकों को जूनियर हाई स्कूल में प्रोन्नत करने के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने इस निर्णय के बाद प्राथमिक विद्यालयों में नियुक्त उन सहायक अध्यापकों की जूनियर हाईस्कूल में प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है, जिनकी नियुक्ति 23 अगस्त 2010 से पूर्व हुई थी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने शिवकुमार पांडेय व दर्जनों अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पारित किया है।

प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत सहायक अध्यापकों ने याचिका दाखिल की थी कि राज्य सरकार ने उनकी प्राथमिक विद्यालयों से उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रोन्नति इस आधार पर रोक दी है कि वे सीनियर टीईटी उत्तीर्ण नहीं है जबकि ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। कोर्ट ने प्रोन्नति की प्रक्रिया 6 माह में पूरा करने का निर्देश दिया है।

बदलाव की तैयारी | प्रसार भारती का होगा कायाकल्प, नकारा पेशेवरों की होगी छंटनी

3 माह बाद मन की बात का 111वां एपिसोड होगा कुछ अलग

ज्ञानेंद्र सिंह, नई दिल्ली

अमृत विचार : नरेंद्र मोदी यदि तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उनके 'मन की बात' के 111वें एपिसोड की लोकप्रियता कुछ अलग नजर आएगी। इसके प्रसारण की नोडल एजेंसी 'प्रसार भारती' का तब तक काफी कुछ कायाकल्प हो चुका होगा। अपनी विशिष्ट कार्यशैली से नौकरशाही में खास पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश कैडर के पूर्व नौकरशाह नवनीत सहगल को प्रसार भारती का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उक्त आशय की संभावनाएं प्रबल हुई हैं।

खबरों की दुनिया में भारत के सरकारी जन संचार तंत्र को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र करने के लिए 1997 में प्रसार भारती की स्थापना हुई थी और रेडियो, दूरदर्शन सहित कई सूचना माध्यमों को इसमें जोड़कर आजाद कर दिया गया था। लेकिन प्रसार भारती दिन पर दिन निजी जन संचार माध्यमों के मुकाबले पिटता चला गया। यही वजह है कि देश के कोने-कोने तक सबसे बड़ा नेटवर्क होने के बावजूद आम जनता तक पहुंच में अभी भी काफी पीछे है। प्रसार भारती को पेशेवर मजबूती देने के लिए सरकार ने हाई प्रोफाइल कहे जाने वाले चार पत्रकारों को इसका अध्यक्ष बनाया लेकिन नतीजा शून्य रहा। करंट अफेयर्स के पूर्व संपादक निखिल चक्रवर्ती पहले अध्यक्ष बने थे। उनके बाद 3 वर्ष तक यह पद खाली रहा और सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डा.यूएस राव को इसका अध्यक्ष बनाया। प्रसार भारती की कार्य संस्कृति देखकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। तीसरे अध्यक्ष के रूप में अमेरिका में तैनात टाइम्स आफ इंडिया के पत्रकार एमवी कामथ को नियुक्त किया गया। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अधिकारी अरुण भटनागर को चौथा अध्यक्ष बनाया, वह भी एक वर्ष बाद ही हट गए। उनके बाद एक हिंदी अखबार की संपादक मृणाल पांडे 2011 तक इस पद पर रहीं। पायनियर के सलाहकार संपादक के सूर्य प्रकाश 2020 तक इस पद पर रहे। तब से 4 वर्षों तक अध्यक्ष पद रिक्त था। उपराष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित समिति ने पिछले दिनों सहगल के नाम की सिफारिश की थी, इस समिति में सूचना एवं प्रसारण सचिव व भारतीय प्रेस परिषद की अध्यक्ष भी एक सदस्य हैं। राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति कर दी है और मंगलवार को पहली बार उन्होंने प्रसार भारती मुख्यालय में प्रवेश किया। एक मुलाकात के दौरान सहगल ने काफी सुधार के संकेत दिए हैं, कहा कि पहले अध्ययन करेंगे और फिर फैसले होंगे। सहगल की नियुक्ति के बाद प्रसार भारती के सभी विभागों में हलचल है। यह संकेत मिले हैं कि ऐसे लोगों के कामकाज की समीक्षा की जाएगी और उनसे प्रसार भारती जल्द ही किनारा करेगा।

- चार वर्ष से रिक्त अध्यक्ष पद पर नवनीत सहगल की हुई ताजपोशी

पप्पू यादव की पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली, एजेंसी

- बेटे सार्थक यादव और समर्थकों के साथ ली कांग्रेस की सदस्यता

पांच बार लोकसभा के सदस्य रहे बिहार के प्रमुख नेता पप्पू यादव की जन आधार पार्टी का बुधवार को कांग्रेस में विलय हो गया। कांग्रेस की बिहार की प्रभारी महासचिव मोहन प्रकाश, पार्टी के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस के नेता शकील अहमद ने बुधवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में यादव और उनके पुत्र सार्थक यादव को अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस की सदस्यता दिलाई। यादव के साथ ही उनके कई समर्थक कांग्रेस में शामिल हो गए। मोहन प्रकाश ने कहा कि पप्पू यादव के आने से कांग्रेस मजबूत होगी और इंडिया गठबंधन को भी बिहार में मजबूती मिलेगी।

पप्पू यादव ने कहा कि जनाधार पार्टी सेवा संघर्ष और न्याय पर विश्वास करती है। वह पांच बार सांसद और एक बार विधायक रहे लेकिन उनकी विचारधारा कांग्रेस की रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को एक मजबूत नेता बताते हुए कहा कि वह मोदी सरकार के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज हैं। उन्होंने राहुल गांधी को सबसे सशक्त नेता बताया।

बसपा सांसद दानिश अली कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लोकसभा सदस्य दानिश अली समर्थकों के साथ बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडे तथा पार्टी संचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में उन्हें अंग वस्त्र पहनाकर कांग्रेस में शामिल कराया। उन्होंने कहा कि अमरोहा के सांसद दानिश अली के कांग्रेस में शामिल होने से देश में न्याय की लड़ाई को बल मिलेगा। अली ने कहा कि आज जो देश की परिस्थितियां हैं, वह किसी से छिपी नहीं है।

एक नजर

पांच अपराधियों को किया गया जिलाबदर

कानपुर। कमिश्नरेट पुलिस ने तीन माह के लिए पांच अपराधियों को जिलाबदर किया है। जिसमें अजय कुमार थाना रायपुरवा, बीरू थाना शिवराजपुर, शीलू दिवाकर, नीरज दिवाकर, निखिल गौतम थाना शिवराजपुर सभी अपराधियों पर छह माह के लिए जिलाबदर की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि ये बदमाश जनता में भय फैलाते हैं।

खुलेआम गांजा बेचते महिला गिरफ्तार

कानपुर। काकादेव थानाक्षेत्र में गांजा बेचते महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। डीसीपी सेंट्रल ने मामले का संज्ञान लिया और आरोपी महिला को धर दबोचा। उससे पूछताछ की जा रही है। जीटी रोड पर सड़क किनारे बैठी महिला का गांजा बेचते वीडियो वायरल हुआ। उसके पास में एक युवक और एक नाबालिग खड़ा है जो मादक पदार्थ खरीद रहा है। 27 सेकेंड के वीडियो में महिला के बेचे गए पदार्थ को गांजा बताया जा रहा है। डीसीपी सेंट्रल आरएस गौतम के अनुसार महिला का नाम मुन्नी है। उसके पास से मादक पदार्थ बरामद हुआ है। उससे पूछताछ कर गैंग में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

अब वार्डों में सुबह पांच से आठ बजे तक सफाई

त्योहारों को देखते हुये शासन ने दिये नगर निगम को निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पेयजल और लाइटिंग की व्यवस्था के भी दिये आदेश
- पांच वार्डों को मिलाकर एक अफसर की ड्यूटी लगाई जाए

फाइल फोटो

अमृत विचार। अब वार्डों में सुबह पांच बजे से सफाई कर्मचारी झाड़ू लगाते दिखेंगे। होली नवरात्रि और रामनवमी को देखते हुये शासन ने नगर निगम को सफाई कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिये हैं। इसके तहत कहा गया है कि हर हाल में सुबह 5 बजे से सफाई शुरू हो जाए। मंदिरों के आस-पास और वार्डों में हर हाल में सुबह 8 बजे तक सफाई पूरी कर ली जाए। इसकी मॉनीटरिंग अधिकारी खुद जाकर करें। इसके साथ ही पेयजल और लाइटिंग की भी उचित व्यवस्था के निर्देश दिये हैं।

नगर विकास विभाग की ओर से नगर निगम को पत्र भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि लगातार त्योहार हैं इसलिये हर वार्ड में नियमित रूप में सुबह 5 से 8 बजे तक हर हाल में सफाई कर ली जाए। नालियों की सफाई के लिये पाक्षिक और माइक्रो प्लान बनाकर कार्यवाही की जाये। सफाई के समय एकत्र कूड़े को उसी समय सेनेट्री लैंड फिल साइट पर या उचित सथान पर भिजवाया जाये। किसी भी दशा में एकत्र कूड़े या सिल्ट को सड़क पर नहीं छोड़ा जाये। प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित करते हुये नियमित रूप से एंटी लार्वा एंव स्प्रे का छिड़काव किया जाये। शाम के समय में फॉगिंग कराई जाये। उन्होंने कहा कि 5 वार्डों को मिलाकर एक अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाये। जो सफाई कार्य की मॉनीटरिंग करें।

शासन ने कहा कि सफाई कार्य के साथ ही प्रतिबंधित पॉलिथिन के खिलाफ भी कार्यवाही की जाये। इसके साथ ही अतिक्रमण पर भी रोक लगाएं। पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के साथ ही मंदिरों और वार्डों में मार्गप्रकाश की व्यवस्था भी की जाए।

शांति से मनाएं त्योहार, गड़बड़ी पर होगी कार्रवाई

कानपुर। आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस कमिश्नरेट के चारों जोन सेंट्रल, पूर्वी, पश्चिम और दक्षिण में डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और थानेदारों ने संभ्रात नागिरकों व डिफेंस के वालंटियर सदस्यों के साथ पीस कमेटी बैठक की। सभी को निर्देश दिए गए कि त्योहार को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं। गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

बैठकों में डीसीपी सेंट्रल आर एस गौतम, पूर्वी श्रवण कुमार सिंह, दक्षिण रवींद्र कुमार व पश्चिम विजय ढुल के नेतृत्व में कई थानों के प्रभारी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सभी डीसीपी ने कहा कि माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी। त्योहारों के अवसर पर किसी भी अवांछनीय तत्व की सूचना तत्काल पुलिस को दें। होली और गंगामेला के पर्व के दौरान हुड़दंग मचाकर शांति बिगाड़ने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

नगर निगम ने पार्क से कब्जा हटाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

नगर निगम और तहसील की टीम ने की पैमाइश। अमृत विचार

- नगर निगम अधिकारी प्रवर्तन टीम को लेकर मौके पर पहुंचे और कराई पैमाइश
- डीएम की नाराजगी के बाद हुई कार्रवाई, 1.618 हेक्टेयर जमीन को घेरा

अमृत विचार। कल्याणपुर स्थित नगर निगम इन्क्लेव आवासीय योजना में पार्क की जमीन पर अवैध प्लाटिंग पर बुधवार को कार्रवाई हुई। डीएम राकेश कुमार सिंह से क्षेत्रीय लोगों की ओर से शिकायत की गई थी। जिसके बाद डीएम के निर्देश पर नगर निगम व तहसील के अधिकारी व प्रवर्तन की टीम मौके पर पहुंची और जमीन की पैमाइश की। इसके साथ ही निर्माण को बंद कर जमीन खाली करने के निर्देश दिये।

तत्कालीन महापौर अनिल शर्मा की ओर से 2002 में कल्याणपुर के मोहसिननगर में इन्क्लेव आवासीय योजना लाई गई थी। नगर निगम के मुताबिक संपत्ति विभाग में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक 1.618 हेक्टेअर जमीन पर कब्जा है। आवासीय योजना के ले-आउट में ग्रीन एरिया ही दर्ज है। नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक पहले भी कब्जा हटाने को लेकर प्रयास किए गए, लेकिन आराजकतत्वों के विरोध के आगे नगर निगम को बैकफुट पर आना पड़ा। जोनल अधिकारी-6 राजेश गुप्ता ने बताया कि आराजी संख्या-872 में 2002 में नगर निगम ने आवासीय योजना बसाई थी। इसमें कॉलोनी के बीच में पार्क बनाने के लिए जमीन छोड़ी गई थी। लेकिन बिल्डर द्वारा अवैध तरीके से प्लाटिंग की जा रही है। वहीं, बिल्डर के मुताबिक उसकी भी जमीन वहां पर है। नगर निगम और तहसील की टीमों ने पैमाइश की है। जमीन के चारों तरफ बाउंड्री वॉल बना दी गई है। पैमाइश होने के बाद रिकॉर्ड में जांच करने के बाद नगर निगम की ग्रीन बेल्ट की जमीन को खाली कराया जाएगा। पैमाइश के दौरान नगर निगम प्रवर्तन प्रभारी कर्नल आलोक नारायण व दस्ता मौजूद रहा। अपर नगर आयुक्त प्रथम के निर्देश पर जोनल अधिकारी-6, प्रभारी अधिकारी सम्पत्ति, प्रभारी प्रवर्तन, अधिशाषी अभियंता जोन-6, उद्यान अधीक्षक व नक्शा अधीक्षक मौजूद रहे।

रतनलाल नगर में साईं भक्तों ने डांस भी किया। अमृत विचार

साईं के नौ सिक्कों के भक्तों ने किए दर्शन

कानपुर। श्री साईं बाबा सत्संग समिति की ओर से बुधवार को सातवां वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। दिन में मंदिर में हुए कार्यक्रम के बाद शाम को एक गेस्ट हाउस में भजन संध्या हुई। जहां भक्तों ने साईं के नौ सिक्कों का दर्शन किया।

रतनलालनगर स्थित साईं मंदिर में वार्षिक उत्सव हुआ। शाम को समिति की ओर से एक गेस्ट हाउस में भजन संध्या आयोजित हुई। सांई तेरे चरणों की धूल जो मिल जाए, के बाद अनेक भजनों पर भक्त जमकर झूमे। इसके बाद फूलों की होली खेली गई। शिरडी से आए लक्ष्मी बाई शिंदे के वंशज अरुण गायकवाड़ का स्वागत किया गया। लकी ड्रा भी किया गया। जिसमें विजेता को शिरडी की यात्रा समिति की ओर से कराई जाएगी। समिति की अध्यक्षा सोनिया भाटिया, रेश्मा ऐलानी, सुनीता निगम, रीना पटेल आदि मौजूद रहीं।

चौकी ले जाकर पीटने व अभद्रता का आरोप

कानपुर। चकेरी में पुराने विवाद में एक युवक ने अपने पड़ोसी पुलिस कर्मी पर जबरन उसे चकेरी चौकी ले जाकर मारने पीटने और अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने चकेरी थाने में शिकायत की है। मामले की जांच शुरू की गई है।

सनिगवां कांशीराम कॉलोनी निवासी कमलेन्द्र सिंह ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी सिपाही स्वामीदीन चकेरी चौकी में तैनात है। स्वामीदीन से घर के पानी की निकासी को लेकर विवाद चल रहा है। उनका आरोप है कि मगंलवार को स्वामीदीन ने रास्ते में उनकी साइकिल में टक्कर मारी। फिर उन्हें जबरन पुलिस कर्मियों के साथ चकेरी चौकी ले गये और पीटा। छह घंटे चौकी में बैठाने के बाद उन्हें छोड़ा गया। इस संबंध में एसीपी चकेरी दिलीप सिंह ने बताया कि जांच की जाएगी।

विकास कार्य क्यों रुके, केडीए वीसी ने पूछा तो आया पसीना

निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्याल ने जोनल कार्यालयों का किया निरीक्षण
- आए फरियादियों से पूछीं समस्याएं, जल्द कार्रवाई का दिया भरोसा

केडीए वीसी मदन सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। नवनियुक्त केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने बुधवार को अचानक कार्यालय का निरीक्षण किया। केडीए के जोनल कार्यालयों में जाकर अधिकारियों से उनके कार्यों के बारे में पूछताछ की। इस दौरान कहा कि आखिर काम क्यों रुक रहे हैं तो अधिकारी जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने केडीए में आये हुये लोगों से एक-एक कर समस्या पूछी और आवेदन लिये। अधिकारियों से समय बद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिये।

मदन सिंह गर्ब्याल ने सोमवार को केडीए वीसी के पद पर ज्वाइन किया है। दो दिनों में उनके पास सैकड़ों की संख्या में समस्याएं आ गई है। सुबह से शाम तक लोग अपने काम कराने के लिये एकत्र हो रहे हैं। एक साथ इतनी समस्याओं के पेंडिंग पड़े होने के पीछे का कारण जानने के लिये उन्होंने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक भी की। बुधवार को नामांतरण के लिये कैंप लगता है लेकिन, इस बार आचार संहिता को देखते हुये इसका आयोजन नहीं किया गया। फिर भी बड़ी संख्या में नामांतरण के आवेदन के लिये लोग केडीए पहुंचे। केडीए उपाध्यक्ष को जब इसकी जानकारी हुई तो आवेदकों को स्वयं ही बुलाकर उन्होंने समस्याओं को पूछा और आवेदन लिये। मदन सिंह ने बताया कि अभी मैं केडीए की कार्यप्रणाली को समझ रहा हूं। जो भी समस्याएं हैं उसका आंकलन कर रहा हूं। आम जनता का काम न रुके, उन्हें बेवजह परेशान न किया जाये यह मेरी प्राथमिकता है। केडीए की ओर से लांच रुकी योजनाओं को भी पटरी पर जल्द लाएंगे।

सांवला होने पर पत्नी को पीटकर घर से निकाला

कानपुर। नरवल थानाक्षेत्र के नरौरा गांव में रंग सांवला होने पर पति ने दो साल के बच्चे के साथ पत्नी को पीटकर घर से निकाल दिया। मायके पहुंची महिला ने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बौसर गांव निवासी सुनील द्विवेदी ने अपनी बेटी ललिता की शादी सात साल पहले नरवल के नरौरा गांव निवासी शैलेंद्र शुक्ला से की थी। जिससे एक बेटा है।

महिला का आरोप है कि रंग सांवला होने के चलते उसके पति आए दिन उसके साथ मारपीट और प्रताड़ित करते थे। बताया कि 19 फरवरी को शैलेंद्र ने दोबारा मारपीट की। उसने विरोध किया तो उसके जेवर और मोबाइल छीनने के बाद मारपीट कर बच्चे के साथ उसे घर से निकाल दिया। इस पर वह मायके आ गई। नरवल पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

सिपाही को कंटनेर से रौंदने का प्रयास किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नो इंट्री में रोकने के बाद भी भगाया कंटेनर

अमृत विचार। नो इंट्री में कंटेनर को रोकने पर चालक ने ट्रैफिक सिपाही को रौंदने का प्रयास किया और गाड़ी भगा दी। पीछा करने पर होमगार्ड पर भी गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। किसी तरह घेरकर कंपनी बाग चौराहे पर उसे रोका गया। नवाबगंज पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में रिपोर्ट दर्जकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

बुधवार को जीटी रोड स्थित संकटमोचन मंदिर के पास यूटर्न पर ट्रैफिक कॉन्स्टेबल शिवमोहन ने जरीबचौकी की ओर से आते कंटेनर को रोका तो चालक ने उस पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया और भाग निकला। पीछा करने पर रावतपुर तिराहा पर चालक ने होमगार्ड नसीर अहमद पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। इसके बाद पीछा कर रहे सिपाही ने कंटेनर को टीएसआई मुनेंद्र और भोजराज की मदद से कंपनीबाग चौराहा पर रोक लिया। नवाबगंज पुलिस ने बताया कि चालक की पहचान फर्रुखाबाद निवासी संतोष पाल के रूप में हुई है। सिपाही शिवमोहन ने नवाबगंज थाने में चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

नशेबाजी के विरोध पर युवक को काटा, रिपोर्ट

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र में नशेबाजी का विरोध करने पर एक नशेबाज ने दूसरे युवक का होंठ अपने दांत से काट लिया। जिससे युवक घायल हो गया। चकेरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

चकेरी कंचन बिहार निवासी विपिन कुमार मजदूरी करता है। उसने बताया कि वह 17 मार्च की रात को घर लौट रहा था। रास्ते में इलाके का युवक मानवेंद्र सिंह नशे की हालत में खड़ा था। वह बिना वजह गाली गलौज करने लगा। उसके विरोध करने पर होंठ को दांत से काट कर भाग गया। इस संबंध में चकेरी प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार दुबे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है।

दहेज हत्या में तीन आरोपी बरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चकेरी के केस में एडीजे-7 कोर्ट ने सुनाया फैसला

अमृत विचार। चकेरी थाना क्षेत्र के दहेज हत्या के एक मामले में कोर्ट ने आरोप साबित न होने पर तीन आरोपियों को बरी कर दिया है। एडीजे-7 कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए विवेचना करने वाले आईपीएस अफसर पर घोर लापरवाही बरतने पर तल्ख टिप्पणी भी की है।

2 फरवरी 2022 को थाना चकेरी के रहने वाली कहकशां की मौत हो जाने पर उसके भाई इरफान खान ने उसके पति फजल, सास चुन्नी बेगम, ससुर रईस तथा जेठ पर दहेज की मांग पूरी न होने पर कहकशां की हत्या करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था।

थाना चकेरी में अपराध संख्या 110/2022 धारा 498ए 304बी,3/4 दहेज अधिनियम के तहत चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया।

तत्कालीन छावनी एसीपी मृगांक शेखर ने इस मामले की विवेचना की और तीन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया। अभियोजन ने अपने पक्ष को न्यायालय में रखा और गवाहों को पेश किया।

अभियुक्तों की ओर से एडवोकेट शकील अहमद बुंधेल ने गवाहों से जिरह की और अभियोजन के समस्त आरोपों को गलत साबित करने में सफल रहे। मृतका को अभियोजन द्वारा अस्पताल में अभियुक्तों द्वारा दाखिल करना बताया गया जबकि शकील अहमद बुंधेल एडवोकेट ने न्यायालय को बताया कि मृतका को उसके भाई वादी के जरिये ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसके बाद दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपर जिला जज सप्तम आजाद सिंह की अदालत ने शकील अहमद बुंधेल एडवोकेट की दलीलों को तरजीह दी तथा 19 मार्च को फैसला सुनाते हुए अभियुक्त रईस, चुन्नी बेगम तथा पति फजल को दोषमुक्त कर दिया।

मुकदमे के विवेचक मृगांक शेखर के विषय में अदालत ने कहा कि स्तरहीन विवेचना करके, मात्र औपचारिकता पूरी करते हुए विवेचना के दौरान प्रत्येक स्तर पर लापरवाही करते हुए अपने कर्तव्य का लोप किया।

दबंगों ने पिता-पुत्र को पीटा, अब तक गिरफ्तारी नहीं

कानपुर। बर्रा थानाक्षेत्र में प्लॉट कब्जाने पहुंचे दबंगों ने पिता-पुत्र के सिर पर लोहे की रॉड मारकर मरणासन्न कर दिया। पीड़ितों ने मामले की रिपोर्ट 15 मार्च को दर्ज कराई है लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बर्रा विश्व बैंक कालोनी निवासी आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी मां ने जरौली में में प्लॉट खरीदा था। आरोप है कि कुछ लोग उस पर कब्जा कर रहे थे। इस पर वह भाई चंदन और पिता हरेन्द्रलाल के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि गुजैनी फतेहपुर निवासी अभय सिंह, रोहित उर्फ भट्टी, हर्षित और किरन उनके प्लॉट की बाउंड्रीवाल तोड़कर कब्जा कर रहे थे। उन्होंने विरोध किया तो सिर पर रॉड मारकर लहूलुहान कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर बर्रा पुलिस ने 15 मार्च को रिपोर्ट दर्ज की है। लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है जिससे पीड़ित भयभीत हैं।

सेहत की बात | डाउन सिंड्रोम बीमारी फिजियोथेरेपी और फैमिली सपोर्ट से हो सकती ठीक

अधिक उम्र में गर्भधारण से बच्चे को डाउन सिंड्रोम संभव

विश्व सिंड्रोम दिवस पर विशेष

विकास कुमार, कानपुर

- इन बच्चों में ब्लड कैंसर व थायराइड की होती दिक्कत

डॉ.अरुण कुमार आर्या, डॉ.राहुल कपूर

अमृत विचार। 30 वर्ष के बाद गर्भवती होने पर बच्चे में डाउन सिंड्रोम का खतरा बढ़ता जाता है। यदि महिला की उम्र 35 साल से ज्यादा हो तो गर्भ में पल रहे बच्चे की जांच जरूर करानी चाहिए कि बच्चे में डाउन सिंड्रोम तो नहीं है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.अरुण कुमार आर्या ने बताया कि डाउन सिंड्रोम एक जेनेटिक स्थिति होती है जिसमें व्यक्ति के अंदर एक अतिरिक्त क्रोमोसोम पाया जाता है। आमतौर पर एक बच्चा 46 क्रोमोसोम (गुणसूत्र) के साथ जन्म लेता है, इनमें से 23 मां के और 23 पिता के जीन से मिलते हैं, जो जोड़े में रहते हैं। जब 21वें क्रोमोसोम पर एक अतिरिक्त क्रोमोसोम मौजूद हो तो इसे डाउन सिंड्रोम कहते हैं। बच्चे में 47 क्रोमोसोम आ जाते हैं तो यह एक अतिरिक्त जोड़ा शरीर और मस्तिष्क के विकास को प्रभावित करता है। इसे ट्राइसोमी 21 भी कहते हैं। एक हजार में से एक बच्चे में डाउन सिंड्रोम होने की आशंका होती है। डाउन सिंड्रोम के 30 प्रतिशत मामलों में मानसिक रोग होने की आशंका भी होती है। 30 वर्ष के बाद गर्भधारण करने पर बच्चे में यह खतरा अधिक बढ़ता जाता है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.राहुल कपूर ने बताया कि डाउन सिंड्रोम का पता जन्म से पहले मां के ब्लड टेस्ट और एम्नियोसेंटेसिस नाम के टेस्ट से लगाया जा सकता है। साथ ही अल्ट्रासाउंड भी कराया जाता है। अगर जन्म के बाद इसकी पहचान करनी है तो डाउन सिंड्रोम के बच्चों के चेहरे की एक अलग आकृति से इनकी पहचान की जा सकती है। एक अतिरिक्त क्रोमोसोम होने के कारण बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास सामान्य से अलग हो सकता है, जिससे ये पहचान में आते हैं। वहीं, इनके हाथ में एक ही लकीर होती है, जिसे डॉक्टर व स्टाफ देखकर आसानी से पता लगा लेते हैं।

फिजियोथेरेपी से हो सकते ठीक

फिजियोथेरेपिस्ट सुमित गुप्ता ने बताया कि डाउन सिड्रोम के बच्चे देखने में साधारण बच्चों से भले ही अलग लगें, लेकिन उनमें भी वही बचपना होता है। बस उनको कुछ चीजें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। उन्हें कमजोर समझना गलत है। उनका दिल नाजुक होता है। ऐसे में फिजियोथेरेपी, प्यार और अच्छी देखभाल से ऐसे बच्चों को सामान्य जीवन दिया जा सकता है। फिजियोथेरेपी की मदद से उनका फिजिकल लेवल ठीक हो जाता है और उनको रूटीन के कार्य व चलने-फिरने में दिक्कत पहले के मुकाबले नहीं होती है। उनको मनोरंजन और गाने सुनना भी पसंद होता है।

ये होते हैं मुख्य लक्षण

- नाक और चेहरा चिपटा होना।
- ऊपर की तरफ चढ़ी हुई बादाम जैसी चिपटी आंखें।
- छोटा मुंह जिसके कारण जीभ लंबी दिखना।
- छोटा चेहरा, छोटी गर्दन, छोटे हाथ व पैर।
- छोटी उंगलियां व लंबाई कम होना।
- बच्चे में कम दिमाग या मंदबुद्धि होना।

बच्चे में हो सकतीं ये भी दिक्कतें

- हृदय संबंधी समस्याएं
- आंत में तकलीफ
- देखने व सुनने में परेशानी
- थायरॉयड संबंधी दिक्कत
- रक्त संबंधी समस्याएं
- संक्रमण के प्रति संवेदनशील
- याद करने में दिक्कत
- कमजोर जोड़ और हड्डियां

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

यह कि मै दिनेश कुमार पुत्र श्री रामसेवक सेन्चूरी पल्प एण्ड पेपर लालकुआ जिला नैनीताल में सुरक्षा सुपरवाइजर के पद पर तैनात था। इस पद पर मेरा नाम दिनेश कुमार दर्ज हो गया था जबकि सही नाम दीपक कुमार है। दीपक कुमार के नाम से मुझे जाना जाता है। **दीपक कुमार पुत्र रामसेवक निवासी नथापुर्वा, पोस्ट लोहामढ़, जनपद कन्नौज**

सूचना

सूचित हो कि मेरे दो पुत्र राज नारायण मिश्र उर्फ प्रसून और प्रभु नरायन मिश्र अपने परिवार के साथ मुझसे अलग रहते हैं, मुझसे सरोकार नही रखते हैं न ही देखभाल व सेवा करते हैं। राज नारायण मिश्र उर्फ प्रसून और प्रभु नरायन मिश्र की गलत आदतों से तंग आकर मैंने उन्हें अपनी समस्त संपत्ति से बेदखल कर दिया है। **राम विशाल मिश्र पुत्र राम लखन मिश्र ग्राम व पोस्ट पुरुषोत्तमपुर थाना व तहसील जयसिंहपुर जिला सुलतानपुर**

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में उसका नाम त्रुटिवश MOHAMMED AQIB तथा उसकी माता का नाम त्रुटिवश SHAHNAZ BANO दर्ज है जबकि मेरे पुत्र का सही नाम MOHAMMAD AQIB तथा उसकी माता का सही नाम SHAHNAJ BANO है। अतः मेरे पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में उसका व उसकी माता का सही नाम दर्ज किया जाये। **अब्दुल अलीम पुत्र मोहम्मद नसीम निवासी– छुहियापुरवा, सहारा स्टेट, जानकीपुरम, लखनऊ।**

सूचना

मैं MOHAMMAD SHABBIR ALI ,मैंने अपनी बेटी का नाम ARIBA ,से बदलकर ARIBA KHAN ,रख दिया है अब मेरी बेटी को ARIBA KHAN, के नाम से जाना व पहचाना जाये। D/O- MOHAMMAD SHABBIR KHAN R/O- 117, PALKA BEHTA THANA GUDAMBA, LUCKNOW

सूचना

पहले मेरा नाम MAMUNA SHAHEEN था अब मैने बदलकर अपना नाम MAMUNA SHAHIN रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। Add: MM-4/26, VINAY KHAND, GOMTI NAGAR, LUCKNOW, UTTAR PRADESH- 226010

गुमशुदगी सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पति बसन्त कुमार निषाद करीब 20 वर्षो से लापता हैं। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कहीं पता नही चल सका है। पति बसन्त कुमार निषाद की गुमशुदगी की सूचना मैंने थाने और पुलिस अधीक्षक को दी है। **नौरंगी देवी पत्नी बसन्त कुमार निषाद ग्राम मल्हीपुर थाना चांदा जिला सुलतानपुर**

NOTICE

I declare that my daughter Mariyam Ansari has passed ICSE(Class 10) in 2022 with her UID 7676537 and Index No. 1223834/069 and she is persuing ISC(Class 12) 2024 with her Index No.2241745/039 from Jesus & Mary School and College Balrampur and my correct name is MOHD ASHFAQ ULLAH ANSARI. Mohd Ashfaq Ullah Ansari S/O Abdul Qadir AnsariR/O Shekharpur, Balrampur (U.P.) Mob: 8960633678

आज का मौसम
अगले पांच दिन तक कड़ाके की धूप रहेगी।

30.2⁰	11.3⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 11	सूर्यास्त 06 : 20

रमजान मुबारक

इफ्तार (गुरुवार)	सहरी (शुक्रवार)
सुन्नी-06 :20	सुन्नी-04 :54
शिया-06 :33	शिया-04 :41

नोट : रोजेदारों की सुविधा के लिए सहरी का समय एक दिन आगे का दिया जा रहा है।

शहर में आज

- **प्रतियोगिता :** स्कवैश टूर्नामेंट का आयोजन बृजेंद्र स्वरूप पार्क टीएसएच में सुबह 10 बजे से।
- **ज्ञापन :** कानपुर उद्योग व्यापार मंडल की ओर से चुनाव के संबंध में डीएम कार्यालय में ज्ञापन 11 :15 बजे।
- **कार्यक्रम :** पहल विकलांग पुनर्वास केंद्र समिति द्वारा बाल निकुंज में बच्चों के साथ होली 12बजे।
- **जागरुकता :** भारतीय बाल रोग अकादमी द्वारा विश्व डाउन सिंड्रोम पर जागरूकता कार्यक्रम हैलेट में 1 :30बजे।
- **कथा :** कथा वाचक चंद्रदास महाराज द्वारा आवास विकास नौबस्ता में श्रीमद्भागवत कथा शाम चार बजे से।

एक नजर

बिना पंजीकरण चल रहे तीन अस्पताल सील

कानपुर। कल्याणपुर के सीज अस्पताल शारदा नर्सिंग होम में मरीज भर्ती मिलने के बाद बुधवार को एसीएमओ डॉ .सुबोध प्रकाश ने टीम के साथ निरीक्षण किया। यह बिना रजिस्ट्रेशन के चलता मिला और एक मरीज भी भर्ती पाया गया। एसीएमओ ने मरीज को उर्सला भेजने के बाद शारदा अस्पताल को सील कर दिया। जसलोक अस्पताल भी बिना रजिस्ट्रेशन के मिला। दिव्य हॉस्पिटल के कागजातों में कमी पाई जाने पर एसीएमओ ने अस्पताल बंद करने के निर्देश दिए।

हावड़ा-खातीपुरा एक्सप्रेस सेंट्रल से होकर गुजरेगी

कानपुर। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए होली विशेष ट्रेनों में हावड़ा-खातीपुरा ट्रेन के संचालन का निर्णय लिया है। यह ट्रेन वन-वे होगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि ट्रेन नंबर 03007 हावड़ा-खातीपुरा से वन-वे वाया डानकुनी-हावड़ा से 23 मार्च शनिवार को एक फेरा चलेगी। गाड़ी में स्लीपर के 20 डिब्बे, एसएलआर के दो सहित कुल 22 कोच होंगे। यह ट्रेन हावड़ा से 23 मार्च शनिवार को 14 .15 बजे चलेगी। जो वाया डानकुनी, बर्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, चितरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, पटना, आरा, बक्सर होते हुए प्रयागराज से अगले दिन 8 .20 बजे कानपुर पहुंचेगी। यहां पांच मिनट के ठहराव के बाद टूंडला, आगरा फोर्ट के रास्ते खातीपुरा 17 .00 बजे पहुंचेगी।

घर से लाखों की चोरी

मंगलपुर। थाना क्षेत्र के लौवा का पुरवा गांव निवासी लक्ष्मी देवी ने बुधवार को थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि बीते मंगलवार को वह कानपुर गई थी। पति शिवपाल खेत हुए थे। वापस आने पर देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो अलमारी का ताला टूटा हुआ था और सामान बिखरा हुआ था।

घटना के बाद गांव में रोते-बिलखते परिजन। अमृत विचार

बवाल की आशंका के मद्देनजर तैनात पुलिस बल। अमृत विचार

कमरे में दो मौसेरे भाइयों की जिंदा जलकर मौत

सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के कसिगवां गांव में मंगलवार देर रात हुई घटना, हादसा और हत्या के बिंदु पर हो रही जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर/बिधनू।

अमृत विचार। सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के कसिगवां गांव में मंगलवार देर रात घर में एक चारपाई पर सो रहे दो मौसेरे भाइयों की जिंदा जलकर मौत हो गई। ग्रामीणों ने देर रात घर से लपटें उठती देखीं तो पुलिस को सूचना देकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। कमरे के अंदर पहुंचने पर दोनों के शव जमीन पर विपरीत दिशा में जले पड़े थे और धुआं निकल रहा था। परिवार वालों ने करोड़ों की जमीन के विवाद में हत्या करने का आरोप लगाया। परिजनों ने सेन पश्चिमपारा थाना में हत्या की तहरीर दी है। पुलिस हादसा और हत्या इन दोनों बिंदुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जलकर मौत की पुष्टि हुई है, वहीं बिसरा सुरक्षित किया गया है।

कसिगवां गांव निवासी प्रेम उर्फ बबलू के परिवार में पत्नी गौरा के अलावा तीन बेटे और दो बेटियां हैं। गांव में ही घर से डेढ़ सौ मीटर दूर उनके साढ़ू का बेटा 23 वर्षीय सुनील उर्फ अनिल रहता था। सुनील के माता-पिता का निधन हो चुका है। वह गैस डिलीवरी का काम करता था। उसके नाम करीब पांच करोड़ कीमत की जमीन है। 24 अप्रैल को उसकी शादी थी। प्रेम ने बताया कि उनके मंझले बेटे 21 वर्षीय राज उर्फ छोटू से सुनील की काफी पटती थी। मंगलवार रात तकरीबन साढ़े 11 बजे सुनील ने राज को नींद न आने की बात कह अपने घर बुला लिया था। करीब दो घंटे बाद रात डेढ़ बजे के आसपास ग्रामीणों ने घर से लपटें और धुआं देखा तो शोर मचाया। ग्रामीणों ने सबमर्सिबल और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया। कमरे के अंदर गए तो दोनों के जले शव पड़े थे। परिजनों ने जमीन के विवाद में आग लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। बुधवार सुबह संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) हरीश चन्दर, डीसीपी रविंद्र कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कराए।

पोस्टमार्टम हाउस में बिलखती सुनील की दादी कैलाशी और पिता विजय सिंह। अमृत विचार

मृतक सुनील उर्फ अनिल की मंगेतर उर्वशी रो-रोकर कई बार अचेत हो गई। अमृत विचार

राज उर्फ छोटू।

सुनील उर्फ अनिल।

अनिल के पिता की भी जलकर हुई थी मौत

- पुलिस की जांच में सामने आया है, कि 20 वर्ष पहले अनिल के पिता हरिनाम की भी संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हुई थी। गांव के हर व्यक्ति की जुबान पर बस एक ही बात थी कि 20 वर्ष पहले पिता हरिनाम की भी आग से मौत हुई थी। अब ठीक उसी तरह बेटे की भी मौत हो गई। पूरा वंश ही खत्म हो गया।

अनिल के संरक्षक थे दूसरे पिता

- अनिल के माता-पिता के निधन के बाद उसके संरक्षक उरई निवासी दूसरे पिता विजय सिंह थे। वह जब दो वर्ष का था तब उसके पिता हरिनाम की जलकर मौत हो गई थी। जिसके बाद मां प्रेमदेवी ने दूसरी शादी उनसे की थी। महज दो वर्ष की उम्र में विजय सिंह अनिल को प्रेम देवी के साथ उरई स्थित घर ले गए थे। लेकिन विवाह के दस महीने बाद ही प्रेमदेवी की भी मौत हो गई। जिसके बाद अनिल का पालन-पोषण विजय की मां कैलाशी ने किया। लगभग छह वर्ष पहले अनिल के मामा उसे उसके पहले पिता हरिनाम की संपत्ति का हिस्सा दिलाने के लिये उसके गांव कसिगवां ले पहुंचे थे। जहां वह पिता के हिस्से की जमीन में कच्चा घर बनाकर रहने लगा। रिश्ते में गांव के रहने वाले मौसा विजय ने बताया कि अनिल का उसके ताऊ से विवाद रहता था।

आरोप, दोनों की हत्या की गई

राज के पिता प्रेम कुमार ने बताया कि सुनील ने सालभर पहले रिश्तेदार की बेटी झांसी मोठ निवासिनी उर्वशी से प्रेम विवाह कर लिया था। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से 24 अप्रैल को सार्वजनिक रूप से विवाह होना था। बुधवार को कार्ड बांटने जाना था। परिजनों ने बताया कि सुनील के दो चाचा बदलू और बाबूराम हैं। बदलू के तीन बेटे लाल सिंह, कुंवर सिंह और विनोद सिंह हैं। जिनमें से विनोद गांव में ही रहता है, बाकी अन्य दो दिल्ली में रहते हैं। बताया कि बदलू और उनके बेटे उन लोगों से करोड़ों की जमीन को लेकर विवाद करते रहते थे। इसी विवाद में दोनों की हत्या की गई है।

मारने-पीटने के बाद दिया वारदात को अंजाम

मृतक राज उर्फ छोटू के पिता प्रेम कुमार ने हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मारने पीटने के बाद ज्वलनशील पदार्थ डालकर दोनों को फूंक डाला गया। पिता का आरोप है कि पुलिस हादसे को लेकर तफ्तीश कर रही है। जो गलत है।

राज के पिता ने उठाए सवाल

- राज के पिता ने कहा कि राज घर से रात तकरीबन साढ़े 11 बजे सुनील के यहां सोने के लिए निकला था। डेढ़ घंटे के भीतर ही आग लगने से मौत की खबर मिली। इतनी जल्दी दोनों इतनी गहरी नींद में कैसे सो सकते हैं कि जिंदा जल जाएं?
- आग लगने के बाद कोई शोर शराबा नहीं हुआ। दोनों के शव घर के भीतर पड़े मिले। इसका मतलब आग लगने से पहले दोनों की मौत हो चुकी थी। तभी तो उन्होंने शोर नहीं मचाया।
- क्या साजिश के तहत राज को भी फोन करके बुलवाया गया था ?
- घर में ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाई गई है। इसी के चलते चंद मिनट में ही पूरा घर धू-धू कर जल गया।
- 24 अप्रैल को अनिल की शादी थी। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। क्या शादी से ठीक पहले मौत कोई साजिश है?
- दोनों युवक कोई नशा नहीं करते थे। ऐसे में घर के अंदर शराब और ज्वलनशील पदार्थ मिलना कोई न कोई साजिश है?
- हाल के पास तीन दरवाजे थे, जिसमें से सभी दरवाजे उड़के हुए थे, कोई भी दरवाजा अंदर से बंद नहीं था ?
- अनिल की मंगेतर उर्वशी की मानें तो देर रात उससे बात हो रही थी, उसी दौरान उसने फोन पर चार पांच लोगों के आने की बात कही और फोन काट दिया। आखिर वो लोग कौन थे ?

पांच करोड़ की जमीन का झगड़ा था

- ताऊ के बेटे से सुनील की चल रही थी तनातनी

कानपुर। मृतक सुनील की दादी कैलाशी ने बताया कि सुनील उर्फ अनिल के माता-पिता की मौत हो चुकी है। उसके पास रोड पर तकरीबन पांच करोड़ कीमत की चार बीघा बेशकीमती जमीन थी। आरोप लगाया कि जमीन के विवाद में पारिवारिक लोगों ने ही हत्याकांड को अंजाम दिया। इसको लेकर पूर्व में कई बार विवाद और थाना पुलिस हो चुका है।

अनिल के मौसा ने बताया कि पैतृक प्रापर्टी के बंटवारे को लेकर अनिल का उसके बड़े ताऊ के बेटे से विवाद चल रहा था। कुल नौ बीघा प्रापर्टी है। जिसमें छह बीघा कुमाऊपुरवा में है। तीन बीघा खेत भारू में है।

हरिनाम की मौत के बाद शेष दोनों भाइयों ने प्रापर्टी बराबर बराबर बांट ली थी। अनिल के गांव लौट आने के बाद वह प्रापर्टी अब तीनों में बराबर बंटनी थी।

मौसा ने बताया कि मझले ताऊ रामबाबू ने अनिल को पूरा हिस्सा दे दिया, लेकिन बदलू ने एक बीघा जमीन अपने कब्जे में रख ली। जिसे लेकर बदलू के बेटे से अनिल की कहासुनी भी हुई थी। ऐसे में परिजनों ने अनिल की हत्या कर शव जलाने की आशंका जताई है।

घर के बाहर खड़ी बाइक भी जल गई। अमृत विचार

घर के बाहर खड़ी बाइक तक पहुंच गई आग

- पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आग बुझाने के बाद वह लोग जैसे ही अंदर पहुंचे तो वहां पर पेट्रोल की गंध आ रही थी। बताया कि शव के पास सिगरेट, माचिस की डिब्बी, शराब की बोतल में पेट्रोल भरा था। ऐसे प्रतीत हो रहा था कि चारों तरफ दीवार में पेट्रोल छिड़का गया है। मौसा विजय ने बताया अनिल के घर के बाहर उसकी बाइक खड़ी होती थी। कमरे के अंदर आग लगने की कई संभावनाएं हैं। लेकिन कमरे के बाहर खड़ी बाइक ने आग कैसे पकड़ी यहां जांच का विषय है। अंदर जिस जगह उसका बिस्तर था, वह बाइक से काफी दूर था। आखिर दीवार और उसके बीच खाली जगह के बीच आग बाइक में कैसे लगी। ग्रामीणों के अनुसार अंदर लगी आग से बाइक का आग पकड़ना नामुमकिन है।

फोरेंसिक को मिला कांच की बोतल में पेट्रोल

- **कानपुर।** कसिगवां में घटनास्थल पर कमरे में फोरेंसिक टीम को एक कांच की बोतल मिली है जिसमें पेट्रोल होने की बात सामने आ रही है। कमरे के अंदर फर्श की मिट्टी से भी पेट्रोल की तेज गंध आ रही थी। जली बाइक के पास एक छोटा व एक बड़ा जला हुआ एलपीजी सिलेंडर भी मिला है। मृतक अनिल के कमरे में गृहस्थी के नाम पर एक चारपाई बिस्तर व फर्राटा मिला है। जांच के दौरान पुलिस को दोनों मृतकों अनिल उर्फ सुनील और राज के मोबाइल फोन कमरे में नहीं मिले। दोनों के मोबाइल की पुलिस तलाश कर रही है।

अनिल के साथ होने से राज मर गया

- मृतक राज के परिजनों ने बताया कि अनिल का जमीन को लेकर विवाद चलता था। अनिल ने कहा था कि ताऊ और उनके लड़के हत्या करवा सकते हैं। अनिल के साथ होने से राज भी मर गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जलने से मौत की पुष्टि हुई है। लेकिन कई बिंदु ऐसे हैं, जो साफ हत्या की साजिश की ओर इशारा कर रहे हैं।

फोन पर बात करने के दौरान कौन था कूदने वाला ?

कार्यालय संवाददाता, कानपुर।

अमृत विचार। बुधवार सुबह जैसे ही अनिल उर्फ सुनील के जलने से मौत की जानकारी परिजनों ने झांसी निवासी मंगेतर उर्वशी को दी तो कोहराम मच गया। वह झांसी के मोंठ से परिजनों के साथ सेन पश्चिम पारा थानाक्षेत्र के गांव कसिगवां पहुंचने के लिए निकल पड़ी। वह दोपहर एक बजे करीब गांव पहुंची। वह रो-रोकर कई बार अचेत हो गई।

मंगेतर उर्वशी ने बताया कि मंगलवार रात 10 बजे से लेकर 11 बजे तक उसकी अनिल से फोन पर बात हो रही थी। इसी दौरान अनिल की छत पर गुम्मा गिरने की तेज आवाज आई। जिस पर उसने तुरंत फोन काटकर देखने के लिए कहा। इस पर अनिल ने कहा कि राज उर्फ छोटू भइया आ गए हैं, शायद उनकी आवाज है। फिर अनिल ने कहा कि अब हम फोन काटने जा रहे हैं। मंगेतर ने फिर कहा कि एक बार देखकर तो आओ छत पर कौन है। जिस पर अनिल ने कहा कि ठीक नहीं लगता है छोटू आ गए होंगे। इस पर उसने कहा कि अब बात नहीं करेंगे और फोन काट दिया। उर्वशी ने बताया कि अनिल ने उससे कहा था कि एक दादा हैं, वो उसकी जान के दुश्मन बने हैं। वो अकेले पा लें तो जमीन के पीछे मार डालें।

> कसिगवां गांव में दो युवकों की जलकर मृत्यु हुई है। प्रथम दृष्ट्या ऐसा लग रहा है कि किसी ज्वलनशील पदार्थ से जलने से मृत्यु हुई है। पारिवारिक विवाद की भी जानकारी मिली है। जांच की जा रही है।
> -हरीश चंदर, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था)

उत्साह छह हजार पैकेट आलू जीरा पापड़ का हुआ निर्यात, पहली बार शहर के निर्यातक को मिला है ऑर्डर

जर्मनी की होली पार्टियों का स्वाद बढ़ाएगा शहर का पापड़

राजीव त्रिवेदी, कानपुर

अमृत विचार। होली में इस बार शहर का स्वाद विदेश तक पहुंचेगा। शहर के एक निर्यातक ने जर्मनी और बेल्जियम में पापड़ और गोलगप्पों का निर्यात किया है जो वहां होली पार्टियों में तड़का लगाएंगे। इस ऑर्डर के जाते ही शहर से जाने वाले उत्पादों में दो उत्पाद और जुड़ गए हैं। इसके पहले मसाले, मिठाइयां जैसे उत्पाद शहर से विदेश पहुंचे हैं।

आर्डर मिलने के बाद इन उत्पादों की रवानगी की जा रही है। छह हजार पैकेट आलू-जीरा पापड़ व 15 हजार पैकेट गोल गप्पों 'पानी के बताशे' को अब तक भेजा जा चुका है। पापड़ का एक पैकेट दो सौ ग्राम का है। आलू-जीरा के यह पैकेट वहां पर 1.95 यूरो प्रति आधा किलो के हिसाब से बिकते हैं। गोलगप्पों का पैकेट 0.75 यूरो प्रति 200 ग्राम के अनुसार बेचे जाते हैं। बडी ओवरसीज के एमडी कमलजीत सिंह ने कहा कि यह पहली बार है जब होली से जुड़े बाजार के लिए शहर से कोई उत्पाद विदेश पहुंचा है। विदेश से आए होली के ऑर्डर के साथ उपहार के रूप में थोड़ी मात्रा में ऑग्रेनिक गुलाल को भी भेजा गया है।

यही पैकेट जर्मनी भेजे गए। अमृत विचार

महीनेभर चलती हैं पार्टियां

- निर्यातकों ने बताया कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने विभिन्न क्लब बना रखे हैं। यह क्लब वहां पर होने वाली आम छुट्टियों जैसे रविवार को पर्व से जुड़ी पार्टियां रखते हैं। इन पार्टियों में भारतीयों के साथ वहां के नागरिक भी शामिल होते हैं। इन पार्टियों को आयोजित करने वाले भारतीय उत्पादों की मांग करते हैं। उसी मांग के अनुसार यहां पर ऑर्डर आते हैं।

अन्य देशों पर नजर

- विदेशों में रह रहे भारतीयों के बीच अब त्योहारों पर थीम बेस पार्टियां करने का चलन काफी बढ़ गया है। ऐसे में शहर के निर्यातकों के लिए अब विदेशों में त्योहार से जुड़े उत्पाद का नया बाजार मिलने की संभावना बढ़ गई है। बड़े भारतीय त्योहारों में परोसे जाने वाले पारंपरिक उत्पादों के निर्यात के लिए कारोबारियों ने अमेरिका, रूस, इटली, ब्रिटेन जैसे देशों में बात करनी शुरू कर दी है।

11 वीं के छात्र का सहपाठियों ने सिर फोड़ा, भर्ती

कानपुर। अरमापुर थाना क्षेत्र के केंद्रीय विद्यालय में ग्यारहवीं के छात्र को विद्यालय से निकलते समय चार सहपाठी और कुछ अज्ञात युवकों ने कहासुनी होने पर पीटा और सिर में ईंट मार दी, जिससे वह बेहोश हो गया। ममेरे भाई ने पहुंचकर उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित के पिता ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है।

भीमसेन निवासी शिव कमल पांडे का 15 वर्षीय पुत्र केंद्रीय विद्यालय नंबर दो में कक्षा ग्यारह में पढ़ रहा है। बुधवार दोपहर वह परीक्षा देकर निकल रहा था। तभी कक्षा में पढ़ने वाले चार सहपाठी व दो से तीन बाहरी अज्ञात युवकों ने गाली गलौज की और छात्र को पीटा।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति-पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

The Ano Rectal Clinic
अत्याधुनिक विधि द्वारा
गुदाद्वार में होने वाली बीमारियों का परीक्षण
Dr. Sanjay Kumar Yadav
M.S. (Ano-Rectal Surgeon)

Video Recto Scope
लेज़र विधि एवं DGHAL विधि द्वारा
बवासीर (Piles)
भगन्दर (Fistula)
एवं गुदाद्वार में होने वाली
अन्य बीमारियों का उचित* इलाज

क्लीनिक का पता
एस-80, गोल चौराहा, महानगर कोतवाली के सामने, महानगर, लखनऊ
7388913338
8005423919
www.anorectalclinic.com

एक नजर

आठ वर्षीय बच्चे के साथ युवक ने किया कुकर्म

कानपुर। नौबस्ता थानाक्षेत्र में एक युवक ने आठ वर्षीय बच्चे के साथ कुकर्म की घटना को अंजाम दिया। नौबस्ता पुलिस ने आरोपी व उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया। बिधनू निवासी ऑटो चालक पत्नी और आठ वर्षीय और पांच वर्षीय दो बेटों के साथ किराये के मकान में रहता है। पिता ने बताया कि कक्षा तीन में पढ़ने वाले बेटे से पड़ोस में रहने वाले ई रिक्शा चालक शिवम कश्यप उर्फ गोलू ने कुकर्म किया। आरोपी के बड़े भाई विक्की ने भी अभद्रता की। इस संबंध में नौबस्ता इंस्पेक्टर जगदीश चंद्र पांडेय ने बताया कि आरोपी व उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बाजार में अब डिजिटल मार्केटिंग जरूरी

कानपुर। वीएसएसडी कॉलेज वाणिज्य संकाय की ओर से बुधवार को डिजिटल मार्केटिंग विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में विशेषज्ञ बृजेश कुमार ने बताया कि आधुनिक युग में प्रतिस्पर्धा और समय लागत को ध्यान में रखते हुए डिजिटल मार्केटिंग की महत्ता बढ़ गई है। डिजिटल मार्केटिंग से विभिन्न व्यापारिक संस्थाएं अपने उत्पादों को ग्राहकों के घरों तक पहुंचाना संभव हो रहा है। इसके माध्यम से ग्राहकों को अनेक विकल्प मिलते हैं।

अब जच्चा-बच्चा अस्पताल में अल्ट्रासाउंड भी होगा

सीएसआर फंड से अस्पताल को मिली अत्याधुनिक मशीन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गर्भवतियों को हैलट के चक्कर नहीं लगाने होंगे

अमृत विचार। हैलट के जच्चा-बच्चा अस्पताल में आने वाली गर्भवतियों को अब अल्ट्रासाउंड के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। न ही उनको अल्ट्रासाउंड कराने के लिए जच्चा-बच्चा अस्पताल से हैलट के रेडियोलॉजी विभाग जाना होगा। क्योंकि अब गर्भवतियों का अल्ट्रासाउंड जच्चा-बच्चा ओपीडी के छह नंबर कमरे में ही हो सकेगा। इसकी तैयारी की जा रही है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के जच्चा-बच्चा अस्पताल में आने वाली गर्भवतियों को अभी अल्ट्रासाउंड के लिए हैलट के रेडियोलॉजी विभाग भेजा जाता है। ऐसे में सबसे अधिक दिक्कत उन गर्भवतियों को होती है, जो दर्द के कारण चल नहीं पातीं और उनको स्ट्रेचर से करीब पांच सौ मीटर दूर जांच के लिए जाना पड़ता है। हैलट परिसर की सड़क की स्थिति अच्छी नहीं होने पर गर्भवतियों को अधिक दर्द व तकलीफ होती है। ऐसे में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.नीना गुप्ता ने मरीजों का दर्द समझते हुए उच्चाधिकारियों से जच्चा-बच्चा अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन की मांग की थी। विभागाध्यक्ष के काफी प्रयासों के बाद अब एक अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीन जच्चा-बच्चा अस्पताल में सीएसआर फंड से एचएएल ने उपलब्ध कराई है। वहीं, अस्पताल को अभी एक और अल्ट्रासाउंड मशीन मिलनी हैं। दो अल्ट्रासाउंड मशीनें होने पर अस्पताल में अपने वाली महिला, युवती, किशोरी व गर्भवतियों को अल्ट्रासाउंड के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। विभागाध्यक्ष डॉ.नीना गुप्ता ने बताया कि सीएसआर फंड से एचएएल ने अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध हुई है, जिसको ओपीडी के कमरा नंबर छह में लगाया जाएगा, जहां पर एएनसी जांच के लिए आने वाली गर्भवतियों को अल्ट्रासाउंड की सुविधा तुंरत मिलेगी।

आईआईटी का 'रोबो डॉग' चर्चा में आया

तकनीक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रोबोट को हाल ही में अभिव्यक्ति में किया गया था प्रदर्शित
- कुत्तों के बीच रोबोट की चहलकदमी का वीडियो वायरल

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर का 'डॉग रोबोट' चर्चा में आ गया है। हाल ही में इस रोबोट को संस्थान में चल रहे कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति' में प्रदर्शित किया गया था। अब कुत्तों के बीच चहल-कदमी करते हुए रोबोट का वीडियो वायरल होते ही लोगों का कौतूहल बढ़ गया है।

आईआईटी कानपुर के बीटेक और एमटेक की पढ़ाई करने वाले छात्र आदित्य प्रताप सिंह ने इस अनोखे 'डॉग रोबोट' को तैयार किया है। इस रोबोट की खासियत यह है कि दूर से अंधेरे में देखने पर यह किसी जानवर जैसा दिखाई देता है। रोबोट में कैमरे लगाकर इसे किसी क्षेत्र की जासूसी के लिए आसानी से भेजा जा सकता है। रोबोट में सुविधा के अनुसार कैमरों की संख्या घटाई और बढ़ाई जा सकती है। इस रोबोट में 360 डिग्री छोटे कैमरों को भी आसानी से फिट किया जा सकता है।

ऐसे हुआ वायरल

आईआईटी में तकनीक कार्यक्रम 'अभिव्यक्ति' के दौरान इस रोबोट को रात में सड़क पर उतारा गया। उस वक्त संस्थान परिसर में मौजूद कुत्तों ने अपनी तरह दिखने वाले इस रोबोट पर भौंकना शुरू कर दिया। रोबोट की चहल-कदमी और कुत्तों की उस पर प्रतिक्रिया लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रही है।

सार-संक्षेप

गीतकार विनोद श्रीवास्तव सम्मानित किए गए। अमृत विचार

गीतकार विनोद श्रीवास्तव सम्मानित

कानपुर। गीत की विधा में कानपुर का परचम देशभर में फहराने वाले नव गीतकार विनोद कुमार श्रीवास्तव को प्रयागराज में कहकशां फाउंडेशन की ओर से एक साहित्य समारोह में 'उमाकांत मालवीय कविता सम्मान-2024' प्रदान किया गया। इस मौके पर डॉ. शिव ओम अम्बर, यश मालवीय, डॉ. ओम निश्चल और संस्था प्रमुख आनंद कक्कड़ उपस्थित थे। विनोद श्रीवास्तव के तीन गीत संग्रह 'भीड़ में बांसुरी', 'अक्षरों की कोख से' और 'जल में बिम्ब एक ही तिरता' प्रकाशित हो चुके हैं। विनोद श्रीवास्तव के तीन गीत संग्रह 'भीड़ में बांसुरी', 'अक्षरों की कोख से' और 'जल में बिम्ब एक ही तिरता' प्रकाशित हो चुके हैं।

सड़क पर बिखरी बजरी हटाई

सड़क की यह हालत है।

कानपुर। शहर में कई प्रमुख सड़कों पर नगर निगम व पीडब्लूडी की ओर से किए गए पेचवर्क उखड़ने लगे हैं। जिससे सड़कों पर बजरी बिखर गई है। बिखरी बजरी की चपेट में आकर दो पहिया वाहन फिसलकर गिर रहे हैं। जिससे राहगीर चोटहिल हो जा रहे हैं। इसको देखते हुये समाजसेवी चंदन राय गर्ग ने फूलबाग पुलिस चौकी के बाहर कुछ स्वयंसेवकों की मदद से बिखरी बजरी को साफ करने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से रिजर्व बैंक के सामने की सड़क, आईएमए और सोमदत्त प्लाजा के बीच की सड़क, फूलबाग पुलिस चौकी के बाहर की सड़क पर फैली बजरी को हटाया जायेगा।

कृष्ण जन्मोत्सव में भजनों पर झूमे भक्त

चंद्रदास महाराज।

कानपुर। आवास विकास नौबस्ता में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में बुधवार को कथाव्यास ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया तो मौजूद भक्त तालियां बजाते हुए नाचने लगे। मौजूद महिलाओं ने भजन गाकर श्रीकृष्ण की महिमा का बखान किया। पूरा पांडाल जयकारों से गूंज उठा। श्रीमद्भागवत कथा में कथाव्यास चंद्रदास महाराज ने कहा कि पृथ्वी पर जब-जब अत्याचार और अन्याय बढ़ता है। तब-तब प्रभु अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। उन्होंने कथा के दौरान श्रीराम के चरित्र और श्रीकृष्ण के जन्म का मनोहारी वर्णन किया। कंचन शुक्ला, संजीव द्विवेदी, विजय बाजपेई, महावीर शुक्ल, अरविंद बाजपेई, दीपक श्रीवास्तव, दीपू मिश्रा, संदीप सिंह, अजय कुमार, विद्यानंद पांडेय, देवेंद्र शुक्ल आदि मौजूद रहे।

भक्तों ने श्याम ध्वजा यात्रा निकाली। अमृत विचार

श्याम ध्वजा लेकर नाचते-गाते निकले भक्त

कानपुर। फागुन की ग्यारस पर रंग-बिरंगी पताकाओं को लहराकर भक्तों ने श्याम ध्वजा निकाली। श्याम ध्वजा लिए भक्त जब नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरे तो जनसमूह श्याममय दिखा। जयकारों से पूरा माहौल गूंज उठा। खाटू श्याम का फागुन मेला इन दिनों खाटूधाम राजस्थान में चल रहा है। जिसमें लाखों श्याम भक्त प्रभु के दर्शन करने आते हैं। यह श्याम के भक्तों की आस्था है कि प्रतीकात्मक स्वरूप श्याम ध्वजा शोभायात्रा अपने शहरों में भी निकालते हैं। इसी कड़ी में बुधवार को श्रीश्याम महिमा प्रचार मंडल की ओर से श्रीश्याम प्रभु की निशान यात्रा धूमधाम से निकाली गई। श्याम ध्वजा शोभायात्रा हनुमान मंदिर तपेश्वरी से शुरू होकर बिरहाना रोड, काहू कोठी आदि प्रमुख मार्गों से होते हुए निकाली। यात्रा में भारी संख्या में श्याम भक्त रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर पताकाओं को लहराते हुए भजन गाते और नाचते हुए निकले। भजन गायकों ने अनेकों भजनों पर भक्तों को झुमाया। मनमोहक भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। फागुन की ग्यारस पर आयोजित होने वाली इस 19वीं शोभायात्रा में फूलों की होली भी खेली गई और भक्तों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। शोभायात्रा में श्रीश्याम महिमा प्रचार मंडल के अध्यक्ष अर्पित कनोडिया, महामंत्री संजय कनोडिया, अनूप गुप्ता, बसंत अग्रवाल, सुरेंद्र कनोडिया, पीयूष मित्तल, अनीश अग्रवाल, मनोज शर्मा, राजेंद्र खेमका, नंदकिशोर सोनी, योगेश सिंघल, पंडित अशोक शर्मा, देवा सोनी, प्रदीप सक्सेना, नीरज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बाबा श्याम के साथ भक्तों ने फूलों की होली खेली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सजा श्याम बाबा का दरबार।

अमृत विचार। रंग रंगीला फाल्गुन एकादशी उत्सव पर श्री भोलेश्वर श्याम मंदिर किदवई नगर की ओर से बुधवार को विशाल भजन कीर्तन का आयोजन हुआ। श्री श्याम प्रभू खाटू वाले का का श्रृंगार कलकत्ते के विशेष फूलों से किया गया। बाबा श्याम के आलौकिक श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों भीड़ उमड़ पड़ी।

उत्सव की शुरुआत शाम 7 बजे मंडल के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने श्री श्याम प्रभु की ज्योति जलाकर की। उत्सव में दिल्ली से पधारी भजन गायिका अंजना आर्या ने भजनों की रसधार बहाई जिससे भक्त नाच उठे। उत्सव में भक्तों ने बाबा श्याम के साथ फूलो की होली खेली और इत्र की वर्षा की। इस दौरान पवन गुप्ता (महाराज जी), सतीश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, अभिषेक मालपानी, महेन्द्र शर्मा, विवेक जैन, पदम कुमार मित्तल, अजय शर्मा, रामनाथ गुप्ता, गोविंदा अग्रवाल, संचित अग्रवाल, नरेश गुप्ता, अजय नागरिया, अंकित अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, योगेश कृपलानी, सरवन मिश्रा, दिलीप शाहू रहे।

200 तरह की पिचकारियों की बाजार में धूम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

होली का बाजार सज गया है। अमृत विचार

- होली पर बाजार में छाईं कार्टून कैरेक्टर की पिचकारियां भी

अमृत विचार। होली का बाजार पूरी तरह से सज चुका है। इस बार बाजार में लगभग दो सौ तरह की पिचकारियों ने दस्तक दी है। छोटे बच्चों की कार्टून कैरेक्टर की पिचकारियां बाजार में छायी हुई है। होरियारों के बीच पारंपरिक पिचकारी की मांग कायम है। बड़ी पिचकारी की भी मांग अधिक है। इसकी खासियत यह है कि यह एक बार में दो मंजिल पर खड़े लोगों को भी सराबोर करने में सक्षम है।

शहर में होली का बाजार मुख्य रूप से मेस्टन रोड, बिसात खाना, चौक सहित अन्य स्थानों पर सज गया है। इसी तरह आर्य नगर, स्वरूप नगर, अशोक नगर, गुमटी, शास्त्री नगर में भी खरीदारी तेज हो गई है। गोविंद नगर व लाल बंगला में भी होली के बाजारों में भीड़भाड़ बढ़ गई है। पिचकारी के थोक कारोबारी मोहम्मद हारिस ने बताया कि इस बार चार सौ रुपये की पिचकारी बाजार में आई है। प्लास्टिक की इस पिचकारी में एक बार में लगभग ढाई लीटर रंग भर जाता है।

छोटे बच्चों की पिचकारी में उनके फेवरेट कार्टून कैरेक्टर की भी पिचकारी बाजार में उपलब्ध है। इनमें डोरोमॉन, सुपरमैन, स्पाईडरमैन जैसे कैरेक्टर सबसे लोकप्रिय है। मास्क भी बड़ी संख्या में आएं हैं।

होरियारों के लिए टी-शर्ट

बाजार में होली खेलने वाले होरियारों के लिए टी-शर्ट की भी खरीदारी शुरू हो गई है। ये टी-शर्ट 150 रुपये से तीन सौ रुपये के बीच बाजार में मिल रहीं हैं। इसके अलावा क्वालिटी के हिसाब से अलग रेट भी हैं।

बच्चों ने की जमकर मस्ती

कानपुर। लिटिल शेफ में आयोजित होली किड्स कार्निवल में बच्चों ने जमकर मस्ती की। होली कार्निवल का आयोजन अल्पना शुक्ला की ओर से किया गया। जिसमें बच्चों के मनोरंजन भरे खेल, मनमोहक संगीत, स्वादिष्ट भोजन, ड्राइंग व पेंटिंग प्रतियोगिता भी हुई। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ अभिभावक भी मौजूद रहे। अल्पना शुक्ला ने बताया कि पहली बार यह आयोजन किया गया है। जिसका मकसद बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करना था। होली कार्निवल को सफल बनाने में गोल्डी मसाले, मधुराज हॉस्पिटल, एलन हाउस, ब्राइट किया, मयूर ग्रुप का सहयोग रहा

होली कॉर्निवाल में बच्चों ने मचाई धूम। अमृत विचार

भक्तों ने बिहारी जी से खेली होली

कानपुर। श्री आनन्द बिहारी धाम आवास विकास हंसपुरम में रंगभरी एकादशी के उपलक्ष्य में ठाकुर जी को छप्पन भोग महाप्रसाद आरती आदि समर्पित कर अबीर गुलाल एवं फूलों से होली खेली गई। धाम के मुख्य आचार्य अंकित शुक्ला ने भक्तों को अबीर गुलाल से रंग दिया। इस मौके पर श्री बिहारी जी पचासा का पाठ सुनाया गया। आयोजन में मुनीश तिवारी, मदन शुक्ला, विवेक दीक्षित, सरोजनी शुक्ला, आशा त्रिवेदी, गीता शुक्ला, नेहा त्रिपाठी, निवेदिता शुक्ला, मनमोहन झा, सूरज अवस्थी गुड्डन श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

बिहारी जी मंदिर में होली मनाई गई। अमृत विचार

युवाओं ने स्टार्टअप की खूबी बता लूटी वाहवाही

आईआईटी में जुटे युवा और विशेषज्ञ। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आईआईटी में हुआ तकनीक और विकास का संगम
- स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम में नामी कंपनियों ने की शिरकत
- विशेषज्ञों ने युवाओं को स्टार्टअप के भविष्य के बारे में भी बताया

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर में बुधवार को युवाओं ने अपने स्टार्टअप से जुड़ी खासियतों को गिनाया। 'स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम' के तहत नामी कंपनियों ने युवाओं के नवाचारों को सुना और निवेश संबंधी नियमों पर भी चर्चा की। इस दौरान विशेषज्ञों ने युवाओं को स्टार्टअप के भविष्य और विश्व में उसके बढ़ते बाजार और मांग से भी अवगत कराया।

स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के सहयोग से मेटी स्टार्टअप हब 'एसएसएच' ने स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम आयोजित किया। इस दौरान आईवीकैंप, आरटीएएफ, एचपीसीएल, सिडबी, बीआईओआरएक्स, सांची कनेक्ट, कमिंस इंडिया, इंडियन एंजेल नेटवर्क, डानाज़िर वेल्थ मैनेजमेंट, सिंघानिया एंड कंपनी, लॉसिखो और स्किल आर्बिट्रेज सहित अन्य कंपनियां शामिल हुई। इन कंपनियों के सामने स्टार्टअप्स ने अपने विचारों और बिजनेस मॉडल का प्रदर्शन किया।

इनमें निवेशकों ने बाजार के रुझान, निवेश के अवसरों और स्केलिंग रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दोरान प्रोफेसर प्रभारी, स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर, आईआईटी कानपुर के प्रो अंकुश शर्मा ने कहा कि इस स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम के आयोजन में एमएसएच के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं। स्टार्टअप-इन्वेस्टर कनेक्ट प्रोग्राम" का समापन आईआईटी कानपुर-ला ट्रोब यूनिवर्सिटी रिसर्च अकादमी के निदेशक प्रो. सुरेश श्रीवास्तव के व्याख्यान के साथ हुआ।

सेमीफाइनल में पहुंची सुपीरियर स्प्रिट टीम

कानपुर। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) से संबद्ध खेरापति एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर आयोजित राजेंद्र कुमार कुरील स्मारक टी-20 मुकाबले में बुधवार को जीत दर्ज कराकर सुपीरियर स्प्रिट ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एसएस क्लब ने 18.4 ओवर में 114 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम के खिलाड़ी आदित्य मौर्य ने सर्वाधिक 45, अनंत नंदन ने 25 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपीरियर स्प्रिट टीम ने 13.4 ओवर में एक विकेट के ही नुकसान पर 115 रन बना लिए।

धोखाधड़ी और रंगदारी में नौ के खिलाफ रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। फर्जी दस्तावेजों से धोखाधड़ी, षडयंत्र रचने और रंगदारी मांगने में पीड़ित ने नौ आरोपियों के खिलाफ स्वरूप नगर थाने में कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

सिविल लाइंस निवासी मोहम्मद रजीउद्दीन ने बताया कि उनकी कंपनी मेसर्स रहमान इंडस्ट्रीज सरकारी और निजी कंपनियों को जूते सप्लाई करती है। रजीउद्दीन के अधिवक्ता गोपी गोपाल ने बताया कि महाराष्ट्र अहमद नगर की कंपनी के निदेशक और सदस्यों मुरलीधर, दीपक, अप्पा साहेब, कोडाजी और गीताबाई समेत नौ लोगों ने कहा कि उनकी कंपनी का खाता एनपीए हो गया है। उनके पास आर्डर तो है लेकिन रुपये नहीं है उन्होंने आफर रजीउद्दीन को आफर दिया कि वह उनकी कंपनी को टेकओवर कर ले तो कंपनी को फायदा होगा। रजीउद्दीन का आरोप है कि उन्हें पता चला कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों की धोखाधड़ी करते हुए एमओयू की शर्तों का उल्लंघन किया। आरोपियों ने रंगदारी न देने पर कंपनी का संचालन नहीं करने दिया। इस संबंध में इंस्पेक्टर राजेश शर्मा ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों से धोखाधड़ी, रंगदारी, षडयंत्र रचने और धमकाने में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जानकारी ऑनलाइन बिलिंग सिस्टम के उच्चीकरण से उपभोक्ताओं को हो रही दिक्कत

बिल जमा करने को न हों परेशान, है समाधान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केस्को ने सर्वर और नया बिलिंग साफ्टवेयर लागू किया है, जिससे उपभोक्ताओं के कनेक्शन नंबर यानी अकाउंट नंबर बदल गए हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में दिक्कत हो रही है। लेकिन घबराने की बात नहीं है। uppcl.online.com साइट पर जाएं। साइट खुलने पर 'know your account number' पर क्लिक करें। डिस्कॉम में केस्को चुनकर पुराना अकाउंट नंबर व कैप्चा डाले। व्यू पर क्लिक करने पर पुराना और नया अकाउंट नंबर नाम के साथ स्क्रीन पर दिखने लगेगा।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) के पांच डिस्काम हैं, जिसमें पूर्वांचल विद्युत वितरण कंपनी, मध्यांचल विद्युत वितरण कंपनी, दक्षिणांचल विद्युत वितरण कंपनी, पश्चिमांचल विद्युत वितरण कंपनी और कानपुर बिजली आपूर्ति कंपनी यानी केस्को है। केस्को को छोड़कर चारों डिस्काम की बिलिंग यूपीपीसीएल के केंद्रीय सर्वर से होती है। इनमें से केस्को अपने सर्वर पर ही बिलिंग करता था। इसलिए यूपीपीसीएल ने केंद्रीय व्यवस्था लागू करने के लिए केस्को के सर्वर और बिलिंग सिस्टम को कुछ दिनों पहले अपग्रेड कराया है, जो शहर में 14 मार्च से लागू हो चुका है। केस्को का सर्वर और नया बिलिंग साफ्टवेयर लागू होने से उपभोक्ताओं के अकाउंट नंबर 10 अंकों के हो गए हैं। जबकि अभी तक यह नंबर छह से आठ अंकों के थे। नंबर बदलने की वजह से उपभोक्ताओं को बिल जमा करने समेत आदि दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए उपभोक्ताओं को जानकारी करने के लिए सबस्टेशनों और केस्को मुख्यालय की दौड़ भी लगानी पड़ रही हैं।

इस संबंध में केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला ने बताया कि उपभोक्ताओं की सहूलियत के लिए नए के साथ छह माह तक पुराने अकाउंट नंबर से भी बिल जमा होंगे। केस्को के प्रबंध निदेशक ने उपभोक्ताओं के घर जाकर अकाउंट नंबर बताने की जिम्मेदारी मीटर रीडर को दी है।

नहीं हो रहा है ऑनलाइन भुगतान

सर्वर व बिलिंग साफ्टवेयर के उच्चीकरण समेत अन्य कार्य की वजह से वर्तमान में केस्को में ऑनलाइन बिल जमा करने की सुविधा बंद पड़ी है, इस कारण भी उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में दिक्कत हो रही है। बिल न होने पर घर की बिजली न कट जाए, इसकी भी चिंता उनको सता रहीं है। केस्को मीडिया प्रभारी के मुताबिक सिस्टम में कार्य चलने की वजह से ऑनलाइन भुगतान नहीं हो रहा है। अभी तीन से चार दिन कार्य करने में लगेगा। तब तक यूपीपीसीएल की वेबसाइट uppcl.online.com पर उपभोक्ता भुगतान कर सकते है।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष बने दुर्गेश चक

कानपुर। अधिवक्ता दुर्गेश चक को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति पर प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। दुर्गेश चक क्राइस्टचर्च कालेज से छात्र नेता हैं, कचहरी की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। दुर्गेश के मनोनयन पर आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई, प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव युवजन सभा वरुण यादव, पार्षद रजत बाजपेई, हरीओम पांडेय, प्रशांत मोहन जायसवाल, चंकी गुप्ता, वेद सिंह, गगन, आकाश यादव आदि मौजूद रहे।

नेता जी! आपने जाम के लिए कुछ नहीं किया

जनता का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की रणभेरी बजने के साथ ही आम लोगों भी अपने मुद्दों के तहत मतदान का मन बना लिया है। बुधवार को शहर के गण्यमान्य लोगों ने अपने मुद्दों की खुल बात की। कहा कि शहर का सबसे बड़ा मुद्दा यहां की लचर यातायात व्यवस्था है। खराब यातायात व्यवस्था के चलते शहर का विकास भी छिप जाता है। पिछले 40 सालों में शहर का यातायात सुधारने के कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। सुबह शाम के बाद अब तो कई इलाकों में दोपहर में भी जाम लगने लगा है। सैकड़ों बाजार वाले इस शहर में एक भी बाजार में पार्किंग नहीं है। खरीदारी करने जाएं तो वाहन कहां खड़ा करें। शहर का जनप्रतिनिधि ऐसा होना चाहिए जिसके पास यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कंक्रीट प्लान हो। जो जाम, पुल, अंडरपास, पार्किंग व सड़क की समस्याएं दूर कर सके।

अमृत विचार के संवाद में बुधवार को सर्वोदय नगर के नागरिक शामिल हुए। इनमें सीए, कारोबारी, प्रोफेशनल, बैंकर सहित अन्य लोगों ने अपने विचार रखे। सीए सिमरनजीत सिंह, मृत्युंजय सिंह, मनीष तिवारी, मुजीब हैदर खान, आशीष वर्मा, अभिषेक मल्होत्रा, प्रांजल त्रिपाठी, शिव गुप्ता, मानव तुर्केल व प्रतीक सिंह ने बताया कि जनप्रतिनिधियों ने शहर में विकास तो कराया है। इसके बावजूद यातायात व्यवस्था आज भी जस का तस है। यह एक ऐसी समस्या है जिससे लाखों लोग प्रभावित हैं। घर से निकलते गंतव्य तक जाते हुए लाखों लोगों को परेशान होना होता है। यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए 40 सालों से कोई भी बेहतर प्लान नहीं आया। न सड़कें चौड़ी हुईं और न ही वैकल्पिक मार्ग बनें। कुछ पुल बने लेकिन वे भी अब पर्याप्त नहीं हैं। मेट्रो की खोदाई की वजह से दो सालों में स्थितियां और खराब हो चुकी हैं। इस चुनाव जनप्रतिनिधियों के लिए उनके पास यह बड़ा मुद्दा है।

बैठक में चर्चा करते स्थानीय लोग। अमृत विचार

बरसात में जलभराव से दिक्कत

- लोगों ने बताया कि बरसात में शहर में चारों तरफ जलभराव की वजह से वाहन चलाना मुसीबत बन जाता है। इस बरसात में जूही खलवा पुल पर एक युवक की डूबकर मौत तक हो गई थी। जलभराव भी बारिश के समय शहर की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर देता है। बरसात के मौसम में शहरियों को अपने घर या ऑफिस जाने में मुसीबत का सामना करना होता है।

शहर की ब्रांडिंग होनी चाहिए

- संवाद के दौरान यह भी कहा गया कि शहर में ऐतिहासिक धरोहरों का भंडार है। बिठूर, भीतरगांव सहित अन्य स्थानों में बेहतर पर्यटन क्षेत्र का विकल्प खुला हुआ है। वहां पर आम लोगों का जाना भी आसान हो गया है। डिफेंस कॉरिडोर के आने के बाद शहर की ख्याति काफी बढ़ गई है। ट्रेन व हवाई यातायात से पहले के मुकाबले बेहतर जुड़ाव हो गया है। ऐसे में शहर की ब्रांडिंग की जरूरत है। ब्रांडिंग से यहां पर अन्य राज्यों से लोग आएंगे इससे विकास हो सकेगा।

सड़कों की स्थिति सुधारें

- लोगों ने कहाकि कुछ सड़कों को छोड़ दिए जाए तो अन्य सड़कों के बीच गड्ढे यातायात को धीमा कर देते हैं। हादसे होते हैं। सड़के बनती हैं तो दोबारा खोद दी जाती हैं। विभागों में कोई समन्वय नहीं है। खराब सड़कों के आम शहरवासियों को भारी दिक्कत होती है पर जनप्रतिनिधि कुछ नहीं करते।

आउटडोर स्पोर्ट्स फील्ड बने

- शहर में युवाओं के लिए खेल के मैदान का मुद्दा भी उठा। कहा गया कि एक समय था जब शहर के सभी मोहल्लों के पास एक मैदान होता था जहां पर युवा खेलते थे। अब मैदानों पर कब्जा है। जो मैदान बचे भी हैं वे बदहाल हैं। आज एक भी मैदान ऐसा नहीं है जहां पर निशुल्क 'आउटडोर गेम' खेले जा सकें। जनप्रतिनिधियों को इस ओर भी ध्यान देनेकी जरूरत है।

पार्किंग की जगह नहीं

- लोगों ने कहा कि शहर की किसी भी बाजार में पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। सड़कों तक दुकानें लगी हैं। वहां पर खरीदारी करने आने वाले लोगों को वाहन खड़े करने की सहूलियत नहीं है। चौपहिया तो दूर, दोपहिया वाहन भी बाजारों में खड़े नहीं हो सकते। इससे लोग ऑनलाइन खरीदारी की ओर भाग रहे हैं। बाजारों के आस-पास पार्किंग जरूर बनाई जानी चाहिए।

शिक्षा सस्ती होनी चाहिए

- सस्ती शिक्षा का मुद्दा भी संवाद में उठा। कहा गया कि स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक सरकार को फीस कम करनी चाहिए। कोरोनाकाल के बाद निजी स्कूलों की फीस कम होने का मुद्दा सामने आया था लेकिन उस पर क्या हुआ यह आज तक कोई नहीं जानता। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे उनकी बात को सरकार तक पहुंचाएं। इससे हर व्यक्ति सीधेतौर पर प्रभावित है।

'शक्ति' विरोधी कांग्रेसी बयान का भाजपाई देंगे जवाब

भाजपा महिला मोर्चा 21 से 24 अप्रैल तक चलाएगी हम भी शक्ति अभियान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शक्ति, सनातन संस्कृति को डेंगू मलेरिया कहने वाले इंडी गठबंधन के नेताओं को देश की मातृ शक्ति सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। राहुल गांधी के शक्ति विरोधी बयान का हम भी शक्ति अभियान से जवाब देंगे। शुरू होने वाला अभियान 21 से 24 अप्रैल तक चलेगा। यह बात बुधवार को कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने महिला मोर्चा की क्षेत्रीय बैठक में कही। इस दौरान तय हुआ कि भाजपा के प्रत्येक बूथ पर 9 कन्याओं का पूजन भी किया जाएगा।प्रकाश पाल ने कहा कि कांग्रेस के नेता पता नहीं क्यों हमारी शक्ति और संस्कृति से घबरा रहे हैं। कभी इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन संस्कृत के खिलाफ बोलते हैं तो कभी खुद राहुल गांधी, यह हमारी संस्कृति से इतना क्यों डरते हैं हमें नहीं पता है। भाजपा हमेशा से अपनी मातृ शक्ति को सिर माथे रखती है।

तीन दिवसीय हम भी शक्ति अभियान के अंतर्गत कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी शक्ति केंद्रों पर महिलाओं, बहनों (शक्ति) को तिलक लगाकर सम्मानित करेंगे। इस दौरान महिला अधिवक्ता, उद्यमी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, शिक्षकाएं आदि समाज को दिशा दिखाने वाली मातृ शक्ति का अभिनंदन करते हुए मां शक्ति की आराधना की जाएगी।

महिला मोर्चा की क्षेत्रीय बैठक में योजना बताते क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल। अमृत विचार

शक्ति होली मिलन कार्यक्रम होगा

- बैठक में यह भी तय हुआ कि महिला मोर्चा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र अपने सभी 254 मंडलों में शक्ति होली मिलन के कार्यक्रम करेगी। शक्ति होली मिलन 26 मार्च से 31 मार्च तक होगा। बैठक में महिला मोर्चा की क्षेत्रीय प्रभारी अनीता गुप्ता, क्षेत्रीय महामंत्री पूनम द्विवेदी, पुष्पा तिवारी, मोना शुक्ला, मनु सिंह व क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी मौजूद रहे।

सपा के कई नेता भाजपा के संपर्क में

कानपुर। मतदान चुनाव घोषित होते ही दल बदलने का खेल जारी है। समाजवादी पार्टी के कई बड़े नेता भी भाजपा नेताओं से संपर्क किया है ताकि उन्हें पार्टी में शामिल होने का मौका मिल जाए। इसमें कई जिला स्तरीय पदाधिकारी भी हैं तो कुछ जिला पंचायत के सदस्य भी। पार्टी के पदाधिकारी अभी उनकी स्क्रीनिंग कर रहे हैं ताकि यह पता चल सके कि उनके विरुद्ध किसी तरह का कोई आपराधिक मुकदमा तो नहीं है। उनके चाल चलन के बारे में भी पदाधिकारी जानकारी कर रहे हैं। ताकि ज्वाइनिंग के बाद किसी तरह की फजीहत न हो।

भाजपा, कांग्रेस को एक-दूसरे के प्रत्याशी का इंतजार

विशेष संवाददाता, अमृत विचार

कानपुर। भाजपा और कांग्रेस का प्रत्याशी कौन ? कानपुर-बुंदेलखंड की दस में से नौ लोकसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित होने और कानपुर को होल्ड पर रखने के निर्णय के दूसरे दिन ही सांसद सत्यदेव पचौरी दिल्ली में डेरा डाले हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस ब्राह्मण नेताओं में बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ नेता नरेश चंद्र त्रिपाठी एडवोकेट और शिक्षाविद कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी आलोक मिश्रा दावा कर रहे हैं।

ब्रजेश पाठक, महाना, नीतू अजय, मालिनी अवस्थी के नाम चर्चा में

कानपुर। कानपुर संसदीय सीट से भाजपा में टिकट दावेदार कतारबद्ध होकर दिल्ली में डट गए हैं। पहली सूची में सत्यदेव पचौरी का नाम न आने के बाद अब आठ बार के विधायक विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का नाम भी लिया जा रहा है। ब्राह्मण दावेदारों में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व दिनेश शर्मा का नाम चर्चा में है। हाल ही में भाजपा में शामिल हुए तीन बार के विधायक अजय कपूर भी चर्चा में हैं।

नरेश त्रिपाठी, आलोक मिश्रा और पवन गुप्ता में होड़

कानपुर। सपा-कांग्रेस गठबंधन में टिकट के दावेदारों में यूं तो कई हैं पर प्रमुख रूप से आलोक मिश्रा, नरेश चंद्र त्रिपाठी, पवन गुप्ता का नाम चर्चा में हैं। गठबंधन प्रत्याशी का नाम भी गुरुवार या शुक्रवार तक फाइनल किया जा सकता है। मदन मोहन शुक्ला, हरप्रकाश अग्निहोत्री, शरद मिश्रा का भी नाम है पर आलोक और नरेश की दिल्ली दौड़ रंग ला सकती है। भाजपा से अगर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारा गया तो पवन गुप्ता को लगता है कि उनका टिकट पक्का हो सकता है। 2012 के मेयर चुनाव में वैश्यों का खासा वोट पाकर भाजपा के मुकाबले करीबी लड़ाई में आए पवन गुप्ता का यही आधार है कि कानपुर का ढाई लाख वैश्य का उन्हें समर्थन मिल सकता है। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष नरेश चंद्र त्रिपाठी एडवोकेट तेजतर्रार नेता माने जाते हैं। आलोक मिश्रा दो बार कल्यानपुर विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी रह चुके हैं। दोनों बार उन्हें भाजपा से हार मिली।

कार्यसमिति की बैठक में प्रकाश पाल, दीपू पांडे और अनूप अवस्थी का सम्मान हुआ।

किसानों के घर जाकर दें योजनाओं की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति की बैठक

अमृत विचार। भाजपा उत्तर की किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति की बैठक बुधवार को मसवानपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में हुई। इस दौरान क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है। किसान मोर्चा लोकसभा चुनाव 2024 में एक-एक किसान के घर तक पहुंचकर पीएम मोदी की जनकल्याणकारी योजनाएं एवं योगी सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाएं को बताएगी। ट्यूबवेल के लिए बिजली फ्री, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किए गए कार्यों को मोर्चा घर तक ले जाएगा।

उत्तर के जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने कहा कि किसानों को सही में सम्मान भाजपा ने ही दिया। गन्ना किसानों को अब तक का उच्चतम एफआरपी की मंजूरी दे दी गई है। किसानों की नवीन योजनाओं के लिए 3 करोड़ 70 लाख की नई योजनाओं को भी मंजूरी दे दी गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनुज दीक्षित ने की, इस दौरान अनूप अवस्थी, विजय मिश्रा, प्रमोद विश्वकर्मा, दीपक शुक्ला, रवि सिंह, अशोक तिवारी रहे।

विपक्षी नेताओं पर सपा नहीं करेगी कमेंट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सपा जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को दूसरे दलों के नेताओं का नाम लेकर कमेंट न करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि बिना अनुमति के बाइक जुलूस नहीं निकाले जाएंगे।

नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में बुधवार को सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के 275 बूथ प्रभारियों और किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के 350 बूथ प्रभारियों व युवा नेताओं की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष हाजी फजल महमूद और वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू ने चुनाव आचार संहिता का पालन करने का पाठ पढ़ाया।

- सपा जिलाध्यक्ष ने कार्यालय में हुई बैठक में बोली यह बात
- प्रशासन की अनुमति के बिना बाइक जुलूस नहीं निकलेगा

जिलाध्यक्ष ने कहा कि सीसामऊ व किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र में 72 फीसदी से अधिक मतदान होगा। बाइक जुलूस निकालने की अनुमति एसीएम तृतीय मजिस्ट्रेट से लेकर ही निकाला जाएगा।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों को लेकर अभियान भी चलाया जाएगा। दूसरे दलों के नेताओं का नाम लेकर कोई कमेंट नहीं किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ल , महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, सीसामऊ विधानसभा अध्यक्ष वरुण जयसवाल व आसिफ कादरी, प्रदीप तिवारी, सत्यनारायण गहरवार, हाजी अयूब आलम, अल्तमस सिद्दीकी, सुनील भारती व इमरान खान आदि लोग मौजूद रहे।

निर्दलीय पार्षद की भाजपा में वापसी

कानपुर। नगर निगम चुनाव के समय पार्टी के विरोध में चुनाव लड़कर निर्दलीय रूप से जीतकर पार्षद बने डॉ. अखिलेश बाजपेई की बुधवार को घर वापसी हो गई। भाजपा दक्षिण पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने अखिलेश का निष्कासन रद कर उन्हें दोबारा पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही पार्टी के बर्रा मंडल मंत्री ओम पाठक, सेक्टर संयोजक सुनील त्रिवेदी, सत्येंद्र तिवारी, रामेंद्र त्रिपाठी, दिलीप त्रिपाठी, प्रखर शुक्ला, विपिन त्रिवेदी को भी पार्टी का पटका पहनाकर पुनः वापसी कराई।

उपवास, हवन करके तिलकहाल जाएंगे शंकरदत्त

विशेष संवाददाता, अमृत विचार

कानपुर। कांग्रेस के दफ्तर तिलकहाल में तीन दिन के ड्रामा का पटाक्षेप हो गया। परदा गिर चुका है। कांग्रेसियों को पता था कि शहर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वयोवृद्ध दादा शंकरदत्त मिश्रा की तिलकहाल न जाने की सौगंध कोई भीष्म प्रतिज्ञा नहीं है। बिना तिलकहाल जाए उनका मन ही नहीं लगेगा। वही हुआ। बुधवार को मानमनौव्वल के बाद दादा शंकरदत्त तिलकहाल आने को राजी हो गए। उनके मुताबिक उन्होंने पंडित जी से कसम उतारने का उपाय पूछा तो बताया गया कि दिन भर उपवास रखें और शाम को हवन करें। उसके बाद तिलकहाल जाकर अपनी कुरसी पर विराजमान हो जाइए। गुरुवार को विधिविधान से पूजा-पाठ के बाद तिलकहाल में शाम से वह बैठने लगेंगे।

कानपुर से कांग्रेस का प्रत्याशी घोषित हुआ नहीं और झमेले शुरू, बड़े नेताओं में पाला खिंचा

कांग्रेस के 'दादा' ने तिलकहाल छोड़ा, फुटपाथ पर बैठेंगे

- परदा गिरा और तिलकहाल में गुटबाजी का ड्रामा खत्म
- चार पूर्व विधायक शहर अध्यक्ष ने उनके घर जाकर मनाया

शहर कांग्रेस के एक उपाध्यक्ष लल्लन अवस्थी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकरदत्त मिश्र में गरमागरम बहस के दौरान शहर अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी की चुप्पी दादा को अखर गयी। तमतमाकर कुरसी से उठे और तिलकहाल कभी भी न आने की सौगंध लेते हुए अपने घर को चल दिए। इसके बाद वह मेस्टन रोड फुटपाथ पर बैठे लगे। इस बीच गुटबाजी के चलते कुछ लोग उनकी नाराजगी को हथियार बनाकर शहर अध्यक्ष पर हमला की कोशिश करते रहे। पर वरिष्ठ नेताओं भूधर नारायण मिश्रा, नेकचंद पांडे, गणेश दीक्षित, संजीव दरियाबादी (सभी पूर्व विधायक) व शहर कमेटी के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी समेत पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता शंकर दत्त मिश्रा के घर गए और मानमनौव्वल की। फिर बोले अपने पंडित जी से पूछ लें कि सौगंध कैसे तोड़ी जाए। भूधरनारायन मिश्रा ने बताया गुरुवार शाम को शंकरदत्त मिश्रा का तिलकहाल में स्वागत किया जाएगा। जिला कांग्रेस कानपुर ग्रमीण अध्यक्ष अमित पांडे भी शंकरदत्त को मनाने पहुंचे।

दिशा-निर्देश | रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष एक बार नामांकन पत्र के साथ प्रत्याशी की मौजूदगी अनिवार्य

पार्टी प्रत्याशी को एक, निर्दलीय को 10 प्रस्तावक होंगे जरूरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में ऑनलाइन नामांकनपत्र भरने की व्यवस्था है, लेकिन रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नामांकनपत्र के साथ एक बार मौजूदगी अनिवार्य है। प्रत्याशी की जमानत धनराशि 25 हजार रुपये होगी। नामांकनपत्र को चार भागों में बांटा गया है। जिसे भरने में चूक हुई या चालाकी की तो नामांकन पत्र रद्द हो सकता है। किसी राजनीतिक दल के प्रत्याशी को एक प्रस्तावक और निर्दलीय को 10 प्रस्तावकों की आवश्यकता होगी।

नामांकनपत्र के चार भाग में अलग-अलग जानकारी देनी होगी। पहले भाग में प्रत्याशी की व्यक्तिगत जानकारी, दूसरे में चल-अचल संपत्ति, फिर आपराधिक इतिहास और चौथे में शैक्षिक योग्यता भरनी होती है। प्रत्येक भाग को अनिवार्य रूप से भरना है। नहीं तो नामांकनपत्र रद्द हो सकता है। नामांकनपत्र जमा करने जाते समय साथ में भीड़ नहीं जाएगी। सिर्फ प्रस्ताव ही साथ में होगा। इसके साथ ही नामांकन स्थल के एक निर्धारित दायरे में वाहन ले जाने की अनुमति का भी ध्यान रखना होगा। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कमल किशोर ने बताया कि कितने वाहन निर्धारित दायरे में जा सकते हैं, यह स्थितियों पर निर्धारित करता है। फिलहाल तीन से अधिक वाहन लाने की अनुमति नहीं होगी। इस बार चुनाव आयोग की ओर से जारी एप के माध्यम से प्रत्याशियों को काफी सहूलियम मिलने वाली है। ऑनलाइन नामांकनपत्र भरने के साथ केवाईसी एप से नामांकन के दौरान दिया गया हलफनामा भी अपलोड किया जा सकता है।

क्या होती है जमानत धनराशि

- संसदीय चुनाव में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी को चुनाव आयोग के पास एक निश्चित सुरक्षा राशि जमा करनी पड़ती है। लोकसभा चुनाव में यह राशि 25,000 रुपये निर्धारत है। यदि प्रत्याशी कुल वोटों का छठा हिस्सा प्राप्त करने में असफल रहता है तो यह जमानत धनराशि जब्त होकर राजकोष में चली जाती है।

नामांकन के लिए जरूरी

- नामांकनपत्र दाखिल करने के लिए उक्त को भारतीय नागरिक होना जरूरी है। इसके अलावा वोटर लिस्ट में नाम हो और एक बार उसने अपनी नागरिकता के आधार पर मतदान किया हो। यदि उम्मीदवार किसी पार्टी का प्रत्याशी है तो वह खुद के सिंबल पर नामांकन दाखिल कर सकता है। निर्दलीय है तो चुनाव आयोग सिंबल देता है।

चाहिए जरूरी कागजात

- नामांकनपत्र दाखिल करने के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, पैन कार्ड, मूल निवास प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र जैसे कागजात की अमूमन जरूरत पड़ती है। इसके अलावा चुनाव आयोग को आपराधिक मुकदमों की लिस्ट, चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा, पत्नी और आश्रित बच्चों का आय-व्यय और लोन की जानकारी भी साझा करनी पड़ती है।

नाम वापसी के लिए देना होगा घोषणापत्र

- जैसे चुनाव लड़ने के लिए नामांकनपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। इसी तरह कुछ लोग नामांकन करने के बाद नाम वापस कर लेते हैं। इसके लिए भी चुनाव आयोग से निर्धारित प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। जैसे नाम वापसी के लिए चुनाव आयोग एक समय सीमा निर्धारित करता है। उसी समय सीमा में नामांकन वापस होगा। साथ ही इसके लिए प्रत्याशी को हलफनामा पर घोषणापत्र जमा करना पड़ता है। तब जाकर प्रत्याशी की नाम वापसी होती है और वह चुनाव नहीं लड़ पाता है।

कौन सा प्रारूप लेना होगा

- सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कमल किशोर ने बताया कि नामांकन के लिए प्रारूप दो-क फार्म लेना पड़ता है। इसी तरह हलफनामा के लिए प्रारूप 26 लिया जाता है। इन दोनों फार्मों के साथ प्रत्याशी को जरूरी कागजात जमा करने पड़ते हैं।

भ्रामक खबरें फैलाईं तो होगी सख्त कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- संवेदनशील और अति संवेदनशील क्षेत्रों में मार्च

अमृत विचार। चुनाव और त्योहारों के मद्देनजर बुधवार को पुलिस कमिश्नर, संयुक्त पुलिस आयुक्त, डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारियों ने क्षेत्रों में पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। पुलिस को निर्देश दिए कि हर छोटी-बड़ी घटना की शिकायत को गंभीरता से लेकर उसका हल निकाला जाए। अति संवेदनशील और संवेदनलशील इलाकों पर खास सतर्कता बरतें। किसी ने भ्रामक खबर फैलाई तो कड़ी कार्रवाई होगी।

बुधवार सुबह से लेकर रात तक जेसीपी, चारों जोन के डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी, थानेदारों ने पैरामिलेट्री फोर्स के साथ क्षेत्रों में पैदल मार्च किया। वाहनों की चेकिंग की गई। पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने कहा कि पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। अगर किसी को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उसे अवगत करा दें। जिम्मेदार नागरिकों से अपील है कि वह पुलिस और प्रशासन का सहयोग करें। गड़बड़ी की सूचना पुलिस को दें, उसका नाम गुप्त रखा जाएगा। लोकसभा चुनाव से पहले कानपुर पुलिस को 600 से अधिक ट्रेनी दरोगा मिले हैं। जेसीपी हरीश चंदर ने सभी दरोगाओं को चारों जोन में तैनाती दे दी है।

पेट्रोल उधार देने से मना किया तो पंप मालिक पर हमला

बाइक से आए दबंगों ने की वारदात, तमंचे की बट से सिर फोड़ा

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। बिठूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंधना बिठूर पर स्थित नायरा पेट्रोल पम्प पर दो युवकों ने पेट्रोल पंप मालिक पर हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि उधार पेट्रोल न देने पर यह हमला किया गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर एक हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक बर्रा-2 के रहने वाले अभिषेक शुक्ला का बिठूर क्षेत्र में पेट्रोल पंप है। मंगलवार रात वे पंप पर मोबाइल से बातचीत कर रहे थे। तभी शादीपुर निवासी रामजी मिश्रा व उसका साथी शिवम पाण्डेय पेट्रोल भराने आए। पेट्रोल

अभिषेक शुक्ला। अमृत विचार

भराने के बाद उन्होंने पैसे नहीं दिए और सेल्समैन को गाली देने लगे। तभी मालिक अभिषेक शुक्ला वहां आए तो दोनों ने उन्हें डंडो व तमंचे की बट सर में मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। शोर सुनकर पम्प पर कार्यरत अन्य कर्मचारी आ गए, जिनको देख दोनों भाग निकले।

कर्मचारियों ने अभिषेक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। अभिषेक के सिर में 9टांके आये है। पेट्रोल पंप मालिक ने बताया कि ये लोग आये दिन अपने वाहनों में उधार तेल भरवाने के लिए आते थे इसलिए उन्हें मना कर दिया गया। इसी कारण इन लोगों ने जान से मारने की नियत से हमला किया था। इंस्पेक्टर बिठूर जितेंद्र सिंह ने बताया की पीड़ित की तहरीर के अनुसार मुकदमा दर्ज कर आरोपी रामजी मिश्रा गिरफ्तार कर लिया गया है। एक आरोपी शिवम पाण्डेय अभी भी फरार है जल्द उसकी भी गिरफ्तारी की जाएगी।

चूल्हे की चिंगारी बन गई आग का गोला

संवाददाता, घाटमपुर

- घर में खड़ी मोटरसाइकिल समेत गृहस्थी का सामान जलकर हुआ राख

अमृत विचार। घाटमपुर के बरनाव में चूल्हे की चिंगारी से छप्पर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की चपेट में आने से छप्पर ने नीचे खड़ी बाइक समेत गृहस्थी का समान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया है। आग की चपेट में आने से हजारों रुपए का गृहस्थी का समान जलकर राख हो गया।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के बरनाव निवासी राजन ने बताया की बुधवार दोपहर में उनकी पत्नी खाना बनाने के बाद खाना लेकर खेत चली आई थी। इस दौरान घर पर कोई नही था, तभी चूल्हे की चिंगारी से घर में रखे छप्पर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। ग्रामीणों ने फोनकर आग लगने की सूचना परिजनो और पुलिस को दी।

जानकारी मिलते परिजन खेत से आनन फानन घर पहुंचे। पड़ोसियों की मदद से पास लगे हैंडपंप से पानी डालकर आग बुझाना शुरू किया। इसी बीच मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आने से छप्पर के नीचे खड़ी युवक की बाइक समेत गृहस्थी का समान जलकर राख हो गया।

घाटमपुर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाई है। चूल्हे की चिंगारी से आग लगने की बात प्रकाश में आई है।

बच्चों के साथ खाना खाते अधिकारी। अमृत विचार

शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के साथ खाया खाना, एमडीएम की जांचीं गुणवत्ता

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर विकासखंड के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय जाजपुर गांव में पहुंचकर खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुशवाहा ने बच्चों के साथ बैठकर दोपहर में बनने वाला एमडीएम के तहत खाना खाया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी ने भोजन की गुणवत्ता भी परखी। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिवकुमार ने बताया कि विद्यालय में कुल 43 बच्चों का नामांकन है जिसके सापेक्ष 31 बच्चे उपस्थित थे।

वहीं खंड शिक्षा अधिकारी ने जुरैया गांव पहुंचकर उच्च प्राथमिक विद्यालय व प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण दौरान उन्होंने वहां भी बच्चों के साथ बैठकर खाना खाया और एमडीएम की गुणवत्ता को परखा। एचडी एमडीएम के अंतर्गत बच्चों को मिलने वाले खाने को लेकर खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुशवाहा ने शिक्षकों से कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण व मीनू के अनुसार बच्चों को भोजन दिया जाए। एवं सभी शिक्षक विद्यालय समय से पहुंच कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इस दौरान ब्लॉक संसाधन केंद्र के कार्यालय सहायक रोहन शर्मा सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

युवती का गला दबा कर हत्या करने का प्रयास

संवाददाता, घाटमपुर

- दबंगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

अमृत विचार। पतारा चौकी के अंतर्गत एक दलित परिवार के घर में दबंगों ने जमकर अभद्रता की और परिवार के मुखिया सहित अन्य परिजनों के साथ मारपीट भी की गई। बचाने आई बेटी का भी गला दबाकर मारने का प्रयास किया गया। पिटाई से परिवार के कई लोगों के चोटें आईं हैं। युवती ने घर में घुसकर मारपीट व परिजनों को पीटने का मुकदमा दर्ज कराया है। विवाद के चलते युवती का भाई एयरफोर्स की परीक्षा देने नहीं जा सका।

पतारा निवासी राकेश वर्मा की बेटी कोमल ने कोतवाली में पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि मंगलवार को वह घर पर थी। पिता भाई कपिल को एयरफोर्स की परीक्षा दिलाने जा रहे थे। तभी गांव के गौरव व धर्मेंद्र व दो अन्य अवैध असलहा लेकर उसके घर के बाहर आए और जाति सूचक गालियां दी। पिता व भाई ने विरोध किया तो तीनों ने उसके भाई व पिता सहित उसको पीटना शुरू कर दिया। पिता व भाई के अंदर भेज तो आरोपी घर के अंदर घुस आए युवती कोमल ने बीच बचाव किया तो उसका भी गला दबा दिया।और जान से करने का प्रयास किया। पड़ोसियों ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया तो उनको धमकाते हुए उक्त आरोपी भाग निकले। इस बाबत इंस्पेक्टर घाटमपुर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों ने कपिल से उसकी मां को लेकर अपशब्द कहे थे इसी से विवाद शुरू हुआ था। तहरीर पर चारों खिलाफ मारपीट व दलित एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर- लोकसभा चुनाव और पर्वों के करीब आते ही कानपुर पुलिस कमिश्नरेट प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। बुधवार को सड़कों पर पुलिस अर्धसैनिक बलों के साथ उतरी। पुलिस और अर्ध सैनिक बलों ने पैदल मार्च किया. पुलिस केंद्रीय बलों की टीम के साथ रूट मार्च करती हुई नजर आई।

आगामी लोकसभा चुनाव, होली और रमजान को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने फ्लैग मार्च किया. लाउडस्पीकर के माध्यम से अराजक तत्वों को चेतावनी दी गयी. बता दें कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस मुस्तैद है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

गाड़ियों की सघन चेकिंग भी चली : एसीपी बिल्हौर अजय कुमार त्रिवेदी की अगुवाई में गाड़ियों की सघन चेकिंग भी चल रही है। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराने की जिम्मेदारी सेंट्रल फोर्स और पुलिस के कंधों पर होती है।

पैरामिलिट्री के जवानों ने संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया. पुलिस अधिकारी भी जवानों के साथ कदमताल करते नजर आए. अचानक से अधिक संख्या में पुलिस बल को देखकर लोग चकित रह गए. अधिकारियों ने लोगों की जिज्ञासा को दूर किया. उन्होंने बातचीत के क्रम में सुरक्षा का भरोसा दिया. पुलिस अधिकारियों ने रमजान और होली पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की।

ककवन, बिल्हौर,नदीहा, विषधन, आदि कस्बों मे निकाला गया मार्च। पुलिस अफसर भी सड़क पर उतरे। अमृत विचार

आईटीबीपी ने भी किया कदमताल

अर्धसैनिक बल के एक जवान ने बताया कि पुलिस का काम आम लोगों को सुरक्षा का एहसास कराना है। अपराधियों के दिल में पुलिस का डर पैदा होने से अपराध पर काबू पाया जा सकता है। इसलिए पुलिस और आईटीबीपी को संयुक्त रूप से सड़क पर उतारा गया है। फ्लैग मार्च के दौरान अफवाहों से दूर रहने की नसीहत दी गयी। आह्वान किया गया कि संदिग्ध मामला संज्ञान में आने की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उप्रदवियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा . पुलिस गश्त बढ़ाने के साथ महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त चौकियां स्थापित करने पर भी काम कर रही है। इस मौके पर ककवन सब इंस्पेक्टर अबरार खान ,शैंकी त्यागी ,कमल सिंह, कृष्णकांत विनीत कुमार यादव समेत थाना पुलिस का फोर्स मौजूद रहा

पति की हादसे में मौत के बाद पत्नी ने दी तहरीर

घाटमपुर। पतारा चौकी के क्षेत्र के खगानीपुर की सोनी के पति सत्येन्द्र 2 मार्च शाम को पतारा से साइकिल से अपने घर खगानीपुर आ रहे थे। जैसे ही वह मन्दिर के पास पहुंचे कि तभी पीछे से आ रही वैगन आर के चालक ने साइकिल मे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सत्येन्द्र की मौके पर ही मौत हो गई । हादसे के बाद उक्त कार का चालक कार समेत मौके से भाग गया।

घटना की जानकारी वहां से निकल रहे क्षेत्रीय लोगों ने परिवार को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। बुधवार को मृतक की पत्नी ने कार नंबर सहित चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दी। घाटमपुर पुलिस का कहना है कि कार नंबर के आधार पर मालिक का पता लगा कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

दूसरों को जीवन देने को घाटमपुर कोतवाली में लगा रक्तदान शिविर

रक्तदान महादान

घाटमपुर, संवाददाता

अमृत विचार। घाटमपुर कोतवाली में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन एसीपी रंजीत कुमार सिंह ने किया। जहां पर कुल 35 लोगों ने रक्तदान किया। जिसमें 25 घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस के जवान शामिल रहे। इसके अलावा दुर्गा वाहिनी व विश्व हिंदू परिषद की भी महिलाओं ने रक्तदान किया। घाटमपुर के सभासद सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी रक्तदान किया है। उक्त कार्यक्रम गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक की देखरेख में संपन्न हुआ। जिसमें घाटमपुर नगर पालिका परिषद के सभासद सत्यम चौहान सहित घाटमपुर कोतवाली पुलिस के दीवान व दरोगा सहित चौकी से आए पुलिस कर्मियों ने रक्तदान किया। दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजक सौम्या गोस्वामी व विहिप की मातृशक्ति वर्षा गोस्वामी ने भी रक्तदान किया।

रक्तदान करने वाले जवानों को सर्टिफिकेट दिए गए। अमृत विचार

- पुलिसकर्मियों, दुर्गा वाहिनी विहिप व नगर पालिका सदस्यों ने किया रक्तदान

ईंट-भट्ठा पर मजदूर ने फांसी लगा कर जान दी

संवाददाता, भीतरगांव

- छत्तीसगढ़ के जिला बिलासपुर का निवासी था
- घटना के बाद बच्चे, पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल

अमृत विचार। साढ़ थाना क्षेत्र के बारीगांव स्थित ईंट-भट्ठा पर मंगलवार की रात मजदूर ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण पत्नी से विवाद होना बताया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

छत्तीसगढ़ के जिला बिलासपुर स्थित थाना जांजगीर चाम्पा के पेवमा गांव निवासी निवासी सुभेंद्र केवट (25) साढ़ क्षेत्र के बारीगांव स्थित राजेंद्र सिंह के ईंट भट्ठा पर पत्नी संतोषी और तीन मासूम बच्चों के साथ रहकर मजदूरी करता था। चौकी भीतरगांव प्रभारी नवनीत सिंह चाहर ने बताया कि मंगलवार रात किसी बात को लेकर पत्नी से झगड़ा हो गया था। इसके बाद रात करीब आठ बजे कच्चे ईंटों से बने घर के अंदर कपड़े की रस्सी से फंदा लगा लिया पत्नी के शोर मचाने पर अन्य साथियों ने उसे नीचे उतार कर भीतरगांव सीएचसी लेकर पहुंचे। चिकित्साधीक डॉ मनीष तिवारी ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी साढ़ सुधीर सिंह ने बताया प्राथमिक जांच में पत्नी से विवाद कर आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। इभी किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है।

गायब होती गौरैया को बचाना कर्तव्य

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हमारे जीवन और संस्कृति में व्याप्त गौरैया को गायब होते देखना परेशान करने वाला और चिंता का कारण है। इंसान और गौरैया के बीच का रिश्ता बहुत पुराना है। लेकिन अब गौरैया नजर नहीं आती हैं। हमें गौरैया को बचाने के लिए घरों में घोसले बनाकर रखना चाहिए। क्योंकि गौरैया हमारे जीवन संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह बातें संयुक्त विकास आयुक्त नरेंद्र सिंह ने गौरैया दिवस पर कहीं।

बिठूर स्थित सांई दरबार मंदिर के पास संतुलन सोसाइटी ने गौरैया दिवस पर गोष्ठी और गौरैया संवर्धन के लिए घोसला वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया। ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि संस्था ने गौरैया दिवस पर 50 घोंसले वितरित किए हैं। कवि जयराम सिंह ने कविताओं के माध्यम से गौरैया की पीड़ा को उकेरा।

लोगों को घोसले बांटे गए। अमृत विचार

प्रभात मिश्रा, प्रोफेसर रामपाल सिंह, डीबीएस कॉलेज की डॉ.नीलम शुक्ला ने कहा गौरेया संवर्धन बहुत जरूरी है। रश्मि सिंह, सर्वेंद कुमार सिंह ने विनोद त्रिपाठी, प्रो.आरसी कटियार, राजेन्द्र पाल सिंह, नरेंद्र सिंह, रश्मि सिंह, अर्चना सचान, अंजू शुक्ला, लता यादव, संगीता मिश्रा, शालिनी मिश्रा, पारुल यादव आदि लोग मौजूद रहे।

घोसले बांट रहे

अभी दो दशक पहले की बात है। जब गौरेया आपके आंगन तक आ जाती थी, लेकिन अब वैसा नहीं है। हालात ऐसे हो गए हैं कि गौरेया को संरक्षित करना समय की बड़ी जरूरत है। इसके लिए शहर में ही तीन स्वयंसेवी संस्थाओं ने पहल की है। वे जगह-जगह स्टाल लगाकर गौरेया के लिए घोसले बांट रहे हैं।

जिमखाना, ग्रीनपार्क व आदर्श क्लब विजयी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित केडीएमए क्रिकेट लीग मुकाबले में बुधवार को तीन मैच खेले गए। जिसमें साउथ जिमखाना, ग्रीनपार्क व आदर्श क्लब विजयी रहा।

लीग मुकाबले का पहला मैच कानपुर साउथ-ए मैदान पर खेला गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्रिंस क्लब ने 28.5 ओवर में 123 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम के खिलाड़ी विनीत नागर ने 39, विनोद नागर ने 19 रन, कृष्ण बाली ने 15 रनों का योगदान दिया। जवाब में उतरी साउथ जिमखाना ने 22.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 124 रन बनाए। टीम के अमरजीत ने नाबाद 64 रन, अभय यादव ने नाबाद 35 रन, विजय भान ने 37 रन का योगदान दिया। इस तरह साउथ जिमखाना टीम ने छह विकेट से अपनी जीत दर्ज कराई। दूसरा मुकाबला ग्रीनपार्क में खेला गया। जिसमें कैंट लायंस ने 38 ओवर में 189 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम के प्रांजुल तिवारी ने 39, मानिक मौर्य ने 29, रंजीत बाजू ने 24 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्रीनपार्क टीम ने 24.4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए। टीम के हर्षवर्द्धन ने 71, तनिष राठौर ने 43, भास्कर सिंह ने 30 रनों की पारी खेली। इस तरह ग्रीनपार्क ने सात विकेट से मैच जीत लिया। आखिरी मैच रामलखन भट्ट मैदान पर खेला गया। बल्लेबाजी करने उतरी आदर्श क्लब ने 40 ओवर में 257 रन बनाकर ऑल आउट हुई। जवाब में उतरी श्रीबाबे लालू जसराई टीम 34 ओवर में 181 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम के खिलाड़ी हिमांशु शर्मा ने 64, दीपक कुमार ने 42 रन बनाएं, बाकी खिलाड़ी कुछ खास नहीं कर सके। आदर्श क्लब 76 रनों से जीता।

समारोह | पूर्णा एजुकेशन सेंटर के वार्षिकोत्सव में विधायक ने बच्चों का बढ़ाया मनोबल

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने जमाया रंग

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बा स्थित पूर्णा एजूकेशन सेंटर का वार्षिकोत्सव बुधवार को धूमधाम से बनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने कहा कि बच्चे, कच्चे घड़े के समान कोमल होते हैं, इन्हें जैसा चाहें उसी रूप में ढाल सकते हैं। शिक्षकों को चाहिए कि वह बच्चों को डांटने व डराने के बजाय प्यार से समझाएं। इस दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कस्बा स्थित पूर्णा एजुकेशन सेंटर के वार्षिकोत्सव का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि बच्चों का मन बेहद कोमल व सरस होता है, ऐसे में बच्चों को पढ़ाते वक्त बेहद धैर्य व प्यार की आवश्यकता है। संवेदनशील और भावनात्मक रूप से प्रबल बच्चे बहुत ही जल्दी भावुक हो जाते हैं। अतः इनके साथ कोई ऐसा व्यवहार न करें जिससे इनके कोमल मन पर गलत असर पड़े । इस दौरान उन्होंने विद्यालय के मेधावी बच्चों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया।

वहीं विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख चौबेपुर राजेश शुक्ला ने कहा कि कुछ बच्चे बहुत शांत स्वभाव, अंतर्मुखी और कम बोलने वाले होते हैं। शिक्षकों को उनके साथ घुल मिलकर उनके मन की बात को समझना चाहिए। साथ ही कहा कि अच्छी शिक्षा के साथ समय-समय पर खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों से उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। विद्यालय प्रबंधक अंगन लाल गुप्ता व पूर्णेंद्र गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रधानाचार्य रमा गुप्ता, पूनम शुक्ला, संध्या चौरसिया ,सृष्टि व नैना द्विवेदी आदि शिक्षिकाओं के साथ बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

डांस करते छोटे-छोटे बच्चे। अमृत विचार

विधायक का स्वागत। अमृत विचार

सार-संक्षेप

गाली गलौज का विरोध करने पर पिता-पुत्र को पीटा

भीतरगांव। रातेपुर निवासी राम शंकर ने साढ़ पुलिस को तहरीर दी है कि वह बीती शाम अपने दरवाजे पर बैठे थे। तभी पड़ोसी हजारी अपनी पत्नी तथा मौसी के साथ आया और गाली गलौज करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर लात-घूंसों व डंडों से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार जब उसने शोर मचाया तो उसका पुत्र श्याम बचाने पहुंचा। जिसके साथ भी उन लोगों ने मारपीट की। थाना प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेज कर अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही।

सात वारंटियों को भेजा जेल

चौबेपुर। विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे सात अपराधियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेजा। प्रभारी निरीक्षक रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि बीती रात मुखबिर की सूचना पर दिलीप नगर निवासी अशोक मिश्रा, नारामऊ के वीरेंद्र उर्फ मोनू, मेघनीपुरवा के अमित यादव, कीरतपुर के विपिन व अरविंद और सुक्खा निवादा की राजश्री व रीता को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया। सभी अपराधियों के खिलाफ विभिन्न स्थानों मुकदमे में पंजीकृत हैं। यह लंबे समय से पुलिस पकड़ से दूर बने थे।

पागल सांड़ के हमले से डेढ़ दर्जन लोग घायल

घाटमपुर। रेवना कस्बा में एक पागल सांड़ ने डेढ़ दर्जन लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। ग्राम प्रधान की सूचना पर एसडीएम घाटमपुर ने एसीएमओ व अन्य अधिकारियों को मौके पर भेजा और पागल सांड़ को ग्रामीणों की मदद से पकड़ा गया और उसे गौशाला भेजा गया। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के रेवना कस्बा में एक सांड़ लोगों को देखकर उन्हें मार रहा था और कस्बा के डेढ़ दर्जन लोगों पर हमला किया। जिसकी सूचना ग्राम प्रधान अरविंद कपाड़िया ने एसडीएम घाटमपुर यादवेंद्र सिंह को दी। ग्रामीणों ने सांड़ को पकड़ कर गौशाला भेजा है।

स्कूल पढ़ने गई नाबालिग छात्रा लापता

चौबेपुर। मंगलवार को क्षेत्र के एक गांव से छात्रा पढ़ने के लिए कस्बा चौबेपुर स्थित विद्यालय में आई थी। जहां से शाम तक घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों के यहां पता न लगने के बाद थाना पुलिस को जानकारी दी।

सरैयां गांव में कई बीघा फसल अन्ना जानवर कर गए साफ

बुधवार सुबह गेहूं के खेतों में ठूंठ खड़े देखकर किसान फफक कर रो पड़े

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। सिकंदरपुर सरोसी व कर्ण ब्लॉक के दर्जनों गांवों के किसानों की गेंहू की फसल तैयार हो रही है। रातों में जागकर किसान खेतों की रखवाली कर रहे हैं। इसके बावजूद मौका पाते ही मवेशियों झुंड खेतों में घुस कर फसलों को चट कर रहे हैं। सरैयां गांव में कई खेतों में अन्ना जानवरों का झुंड घुस गया। जहां कई बीघे गेंहू की फसल मवेशी चट कर गये। सुबह खेतों में ठूंठ खड़े देख किसानों की आंखे भर आई।

प्रदेश सरकार ने ब्लॉक स्तर, पालिका प्रशासन को अन्ना मवेशी पकड़ने के निर्देश दिये थे। इसके बावजूद सैकड़ों की संख्या में नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में मवेशी घूम रहे हैं। जो सरकार के मंसूबों पर पानी फिर गया न तो अन्ना मवेशियों पर अंकुश लग सका और न ही पालतू जानवरों पर। आज भी पशु पालक अपने जानवरों को छुट्टा छोड़ रखा है। जिससे सैकड़ों मवेशियों का झुंड खेतों में पहुंच कर तैयार हो रही फसल को चट कर रहे। सरैयां गांव के पास तैयार हो रही गेंहू की फसल में अन्ना जानवरों का झुंड घुस गया। जहां मवेशियों ने सुरेन्द्र पाल की डेढ़ बीघा गेंहू, धर्मेन्द्र पाल की दस बिस्वा गेंहू, सरैयां के मोतीलाल, मेवालाल के डेढ़ बीघा गेंहू, राजू यादव के एक बीघा, वहीं मनसुख खेड़ा के जीवनलाल, राजकुमार, बहादुर के एक-एक बीघा और गगनी खेड़ा के मोहित के डेढ़ बीघा गेंहू अन्ना गौवंश चर गये। वहीं अंबरपुर के विनोद पाल एक बीघा गेंहू, एक बीघा बरसीन, एक बीघा आलू जंगली सुआरों ने बर्वाद कर दी। सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे। खेतों पर ठूंठ खड़े देख वह फफक कर रो पड़े।

सरैयां गांव में गेहूं की फसल चट कर गये छुट्टा जानवर। अमृत विचार

अब कैसे चलायेंगे परिवार

जिन किसानों की फसल अन्ना जानवर चर गये, वह सिर पर हाथ रखकर यही कहते रहे कि इसी फसल के सहारे पूरे साल परिवार चलाते थे। अब कैसे परिवार चलायेंगे।

रात-रात भर जाग कर हो रही रखवाली

नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में सैकड़ों की संख्या में मवेशी घूम रहे हैं, जरा सा चूकने पर गेंहू के अलावा अन्य फसलों को चट कर जा रहे हैं। ऐसे में किसान पूरी रात जागकर खेतों की रखवाली कर रहे हैं।

मुंबई ले जाने से किया मना तो पत्नी ने की आत्महत्या

संवाददाता पुरवा उन्नाव

- पति से साथ चलने की जिद करने पर हुई थी कहासुनी

अमृत विचार। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के रसीदपुर गांव में पति से हुई कहासुनी के बाद नाराज पत्नी कमरे की छत में लगे कुंडे में दुपट्टे के सहारे फंदे से लटक गई। पति ने दरवाजा तोड़कर उसे नीचे उतारा और एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताते हैं कि पत्नी पति के साथ मुंबई में रहने की जिद कर रही थी। पति के इंकार करने पर उसने खुदकशी कर ली।

रसीदपुर गांव निवासी रिंकू यादव की रायबरेली जिले के गांव सुरसना निवासी रेशमा (27) से सन-2023 में शादी हुई थी। रिंकू मुंबई में चाट का ठेला लगता है। एक सप्ताह पहले वह गांव लौटा था। बुधवार को उसे लौटना था। पत्नी भी मुंबई साथ चलने की जिद करने लगी। जिस पर रिंकू ने मना कर दिया।

इससे नाराज होकर वह कमरे का दरवाजा बंद कर छत में लगे कुंडे में दुपट्टे के सहारे फंदे से लटक गई। जानकारी होने पर पति ने परिजनों की मदद से दरवाजा तोड़कर उसे फंदे से नीचे उतारा और उन्नाव स्थित एक निजी अस्पताल ले गया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे सीओ सोमेंद्र विश्वास व नायब तहसीलदार आशुतोष पांडेय ने जांच की और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रेशमा की मौत से पति रिंकू, बेटा उदय प्रताप, ससुर राजाराज रो-रोकर बेहाल रहे। एसएचओ कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि परिजनों ने आत्महत्या की तहरीर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वार्षिक परीक्षा परिणाम में स्कूल के बच्चों को दिया गया उन्नति प्रमाण पत्र

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। बुधवार को राजधानी मार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल ओरिएण्टेशन एवं कन्वोकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान किडजोन के बच्चों को शैक्षित परिणाम घोषित किया गया। स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को उन्नति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अंबिका स्कूल में ओरिएण्टेशन एवं कन्वोकेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां स्वागत गीत गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। जिसके बाद किडजोन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को उन्नति प्रमाण पत्र देकर प्रबंधक अजय त्रिवेदी, मुख्य अतिथि संजय बाजपेई ने पुरस्कृत किया।

इस दौरान प्रधानाचार्या डेफनी लेम्यूर ने बताया कि आने वाले शैक्षिक सत्र के बारे में अभिभावकों को अवगत कराया तथा सरकार की नई शिक्षा प्रणाली एनईपी को पूर्ण रूप से लागू करने की बात कही। प्रबंधक और प्रधानाचार्या ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उन्नति प्रमाण पत्र के साथ स्कूल के बच्चे व मौजूद प्रबंधक। अमृत विचार

परिषदीय स्कूलों के बच्चों ने कला में दिखाई प्रतिभा

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। बुधवार से गंगाघाट क्षेत्र के सभी परिषदीय विद्यालयों में परीक्षाएं शुरू हुई। जहां पहली पाली में गणित और दूसरी पाली में कला की परीक्षाएं संपन्न हुई। गणित के पेपर में बच्चे जोड़, घटाने, गुणा भाग में उलझे रहे। वहीं होनहारों ने समय से पहले प्रश्नपत्र को हल किया।

सिकंदरपुर कर्ण और सरोसी ब्लॉक के परिषदीय विद्यालय में बुधवार से परीक्षाएं शुरू हुई। जहां पहले दिन प्रथम पाली में सुबह सवा नौ बजे से कक्षा दो में हिंदी, कक्षा तीन में समाजिक विषय व कक्षा चार से आठ तक में गणित का पेपर हुआ। इस दौरान छात्र-छात्राएं विद्यालय में पहुंचे और गणित का पेपर दिया। कुछ बच्चों के लिये पेपर सरला रहा तो कुछ को कठिन लगने पर वह इधर उधर झांकते रहे। वहीं दूसरी पॉली अपरान्ह सवा बारह बजे से पौने तीन बजे के बीच में कला का पेपर संपन्न कराया गया।

सरैयां स्कूल में कला का पेपर देते छात्र-छात्राएं।

खेत में किसान को जहरीले कीड़े ने काटा, रेफर

नवाबगंज। खेत में गेंहू की फसल में सिंचाई कर रहे किसान की अंगुली में जहरीले कीड़े ने काट लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे नवाबगंज सीएचसी लाये। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। असोहा थानाक्षेत्र के गोकुल खेड़ा गांव निवासी कल्लू पुत्र नन्हकू (40) गांव में बटाई खेत लेकर खेती करता है। बुधवार को वह गेहूं की फसल में पानी लगा रहा था तभी उसकी अंगुली में किसी जहरीले कीड़े ने काट लिया। इससे बाद उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे नवाबगंज सीएचसी लाए। जहां से चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मन पवित्र न हो तो भागवत कथा का लाभ नहीं मिलता

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार। संकट मोचन धाम गांव उनवा में चल रही 12वीं श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन कथा व्यास पं. आचार्य विनोद तिवारी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि कुबेर के पुत्र नल कूबर व मणिग्रीव को कर्म बस वृक्ष योनि में जाना पड़ा। देवता से जड़ योनि प्राप्त हुई। समय आने पर भगवान ने पुनः अपनी बाल लीला के माध्यम से ओखल में बंधकर दोनों का उद्धार किया।

आचार्य विनोद तिवारी ने कहा कि संसार के हर प्राणी में ईश्वर का दर्शन ही सच्ची साधना है। श्रीकृष्ण ने भगवत गीता के माध्यम से बुराई व सदाचार के बीच अंतर बताया है। ईश्वर को धन दौलत व यज्ञों से कोई सरोकार नहीं है। वह तो केवल स्वच्छ मन से की गई आराधना के अधीन होता है। ईश्वर जात-पात व धर्म नहीं जानते। वह तो भक्ति मात्र के प्रेम को जानते हैं। महाराज ने कहा कि समय-समय पर भगवान को भी अपने भक्त की भक्ति के आगे झुककर सहायता के लिए आना पड़ा है। कहा कि जब तक भक्त का मन पवित्र नहीं होगा तब तक भागवत कथा सुनने का लाभ नहीं मिल सकता। इस दौरान रामबिलास कुशवाहा, हरिश्चंद्र, राजेश राठौर, पप्पू, मान सिंह, हरिपाल सिंह आदि भक्त मौजूद रहे।

कथा सुनाते कथा व्यास। अमृत विचार

क्रिकेट ट्रायल की आवेदन तिथि बढ़ी

उन्नाव। डीसीए (जिला क्रिकेट एसोसिएशन) के महामंत्री पीके मिश्र ने बताया कि यूपीसीए (उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन) ने अलग-अलग आयु वर्ग की ट्रायल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए पंजीकरण के लिए आवेदन तिथि 22 मार्च 2024 तक बढ़ा दी है।

इसलिए अब तक पंजीकरण नहीं करा सका क्रिकेटर अपना चयन कराने के लिए बढ़ी हुई तिथि तक पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए उन्हें यूपीसीए की वेबसाईट पर जाकर निर्धारित आवेदन पत्र पर मांगी जाने वाली जानकारियों सहित प्रपत्र अपलोड करने होंगे।

आवेदन करते समय प्राप्त होने वाला प्रपत्र व तय शुल्क 400 रुपए भी आईबीपी चौराहा के पास स्टेशन रोड स्थित गुलाबी को में संचालित डीसीए कार्यालय भी जमा करने होंगे।

रोजेदारों ने फल व मेवों से तोड़ा रोजा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शहर के छिपियाना मोहल्ला में जाकिर के यहां नौवें रोजे पर इफ्तार पार्टी आयोजित हुई। जिसमें रोजेदारों ने पार्टी में परोसे गए फल व ड्राई फ्रूट्स सहित अन्य खाने-पीने की सामग्री का जायका लेते हुए रोजा तोड़ा। कार्यक्रम में आसपास मोहल्लों के मुवज्जिज लोग शामिल रहे।

नौवें रोजा की इफ्तारी के लिए तय समय से करीब आधा घंटा पहले से ही रोजदारों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पार्टी के मेजबान जाकिर सहित परिवार के लोगों ने आने वालों का इस्तकबाल कर बैठाना शुरू कर दिया। इफ्तार की शुरुआत को तय समय से पहले ही कार्यक्रम स्थल भर गया। तय समय पर परंपरागत ढंग से मौके पर मौजूद सभी रोजेदारों ने खजूर को हलक से नीचे उतारते हुए इफ्तार शुरू किया। इस मौके पर सभासद आफाक, मुजीब, जुबैर अख्तर व रिजवान सहित बड़ी तादात में रोजेदार मौजूद रहे।

रईश छीपियों की बस्ती है छिपियाना: छिपियाना शहर की पुरानी आबादी में शामिल मोहल्ला है। छीपी बहुलता वाली इस बस्ती में कुछ दशकों पहले तक हैंडलूम की जनानी धोतियों (साड़ियां) की छपाई (प्रिंटिंग) होती थी। हैंडलूम धोतियों के प्रचलन से बाहर होने पर कपड़ों की छपाई करने वाले कारोबारियों ने रजाई की फर्द तैयार करनी शुरू की, लेकिन कंबल के व्यवसाय ने फर्द कारोबार को किनारे लगा रखा है, जिससे अधिकांश कारोबारी आमदनी के जरिया के तौर पर मच्छरदानियां तैयार करते हैं। हालांकि यह कारोबार यहां धोती व फर्द कारोबार की तरह फल-फूल नहीं पा रहा है। पेशा बदलने की हिचकिचाहट के चलते कारोबारी छीपी परिवार ओडीओपी में शामिल जरी-जरदोजी की ओर अपने कदम नहीं बढ़ा पा रहे हैं।

इफ्तार पार्टी में शामिल रोजेदार। अमृत विचार

सार-संक्षेप

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

नवाबगंज। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव दुंदपुर निवासी प्रेमचंद की पत्नी सरोज (52) ने संदिग्ध परिस्थिति में फांसी लगाकर बुधवार देरशाम अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। ग्रामीणों में चर्चा है कि मृतका काफी समय से गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। इससे परेशान होकर उसने फांसी लगाकर खुदकशी कर ली है। पुलिस ने फिलहाल घटना की जानकारी से इनकार किया है।

मनाया गया वीरांगना का 166वां बलिदान दिवस

पुरवा। पुरवा-उन्नाव मार्ग स्थित नहर कोठी के पास बने कार्यालय में उत्तम चंद्र लोधी ने सन-1857 की क्रांति की प्रणेता, प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाली रामगढ़ की महारानी अमर शहीद वीरांगना अवंती बाई लोधी के 166वें बलिदान दिवस पर वीरांगना अवंती बाई लोधी प्रेरणा स्थल पुरवा में साथियों के साथ वीरांगना का बलिदान दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान केके वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष गंगा प्रसाद वर्मा, पूर्व चेयरमैन योगेंद्र द्विवेदी, देवीशंकर फौजी, सज्जन लोधी, मोतीलाल लोधी, डा. अनिल, रामचंद्र लोधी, डा. रामसेवक, बेचेलाल राजपूत, कुलदीप अवस्थी, धर्मेंद्र यादव, विजय पाल लोधी, अंकित साहू, सचिन राजपूत, अनूप लोधी, कुलवीर लोधी, रमाकांत लोधी, अनुज यादव, डा. बाल मुकुंद लोधी, राधेश्याम लोधी, पंकज लोधी, पिंटू लोधी, कमलराज लोधी, अंकित लोधी, सौरभ सिंह, देव लोधी, रामनरेश राजपूत, कुलदीप लोधी, मनोज लोधी, ओमप्रकाश आदि ने महारानी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किये।

वीरांगना के चित्र पर पुष्प अर्पित करते लोग।

पुलिस ने अर्धसैनिक बल के साथ किया मार्च

फतेहपुर चौरासी। लोकसभा चुनाव व आगामी त्योहारों को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। बुधवार को क्षेत्र की सड़कों पर थाना पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के साथ पैदल मार्च किया। पुलिस ने कस्बा सहित भड़सर नौशहरा, ऊगू, तकिया सहित कई गावों में रूट मार्च करते हुए लाउडस्पीकर से अराजक तत्वों को चेतावनी भी दी। लोगों को बताया कि संदिग्ध लोगों व गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। वाहनों की सघन चेकिंग भी चल रही है। क्षेत्र में अचानक भारी पुलिस बल देख लोग चकित रह गए। अधिकारियों ने लोगों की जिज्ञासा को दूर करते हुए सुरक्षा का भरोसा दिया। पुलिस अधिकारियों ने रमजान व होली पर्व को शांतिपूर्ण मनाने की अपील भी की।

दबंगों ने महिला, पति व बेटी को पीटा, दी तहरीर

गंजमुरादाबाद। बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत गांव सिरधर पुर गैर एहतमाली निवासी महरुन पत्नी पच्चू ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि बीती मंगलवार रात गांव निवासी मुनीश व मुख्तियार उसके दरवाजे पर आकर गालीगलौज करने लगे। विरोध करने पर उन लोगों ने उसकी लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। यह देख उसका पति पच्चू व बेटी रिहाना बचाने दौड़े तो उन लोगों ने पति व पुत्री को भी जमकर पीट दिया। इसमें वह और उसके पति व पुत्री घायल हो गए। पीड़िता ने पुलिस से दबंगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में दीं जानकारियां

गंजमुरादाबाद उन्नाव। ब्लाक सभागार में बुधवार को संचारी रोग नियंत्रण अभियान के संबंध में बैठक हुई। इसमें कार्यक्रम से संबंधित सभी विभागों से सहयोग की अपील की गई। बैठक में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डा. धीरेंद्र कुमार ने बताया कि साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के साथ लोगों को इस संबंध में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि दिमागी बुखार व अन्य वेक्टर जनित, जल जनित व ऊष्ण मौसम से संबंधित रोगों की रोकथाम व साफ-सफाई के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जन प्रतिनिधियों का संवेदीकरण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मच्छरों को घरों व आसपास न पनपने दें। शुद्ध पेयजल का ही प्रयोग करें। इस दौरान अन्य विभागों के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को उनके दायित्व के बारे में बताया गया। बैठक में पशु चिकित्साधिकारी डा. राहुल सचान, सहायक विकास अधिकारी कृषि शरीफ अहमद, शिक्षा विभाग से अरुण कुमार, स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय से कार्यालय सहायक फजलुर्रहमान, ब्लॉक कर्मचारी अरमान खां आदि उपस्थित रहे।

प्रशासन का चुनाव कंट्रोल रूम संचालित

उन्नाव। जिला कार्यक्रम अधिकारी/कंट्रोल रूम प्रभारी ने बताया कि डीएम गौरांग राठी ने कलक्ट्रेट भवन के कक्ष-60 में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए कंट्रोल रूम स्थापित कराया है। इसलिए चुनाव संबंधित शिकायत व सुझाव देने वाले कंट्रोल रूम में संपर्क कर सकते हैं। साथ ही डिस्ट्रिक्ट कांट्रेक्ट सेंटर (डीडीसी) में संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा मतदाता हेल्प लाइन नंबरों 1950, 05152820638, 05152970879 व 05152970898 पर चौबिसों घंटे संपर्क किया जा सकता है।

सैनिक बंधु की बैठक आज, शामिल होने की अपील

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सैनिक बंधु की बैठक होगी। जिला पूर्व सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने सभी सेवारत, पूर्व सैनिक व पूर्व सैनिकों के आश्रितों से दोपहर तीन बजे से जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय पहुंच कर बैठक में शामिल होने की अपील की है, जिससे समस्याओं व शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया जा सके।

श्री श्याम रसोई का भक्तों ने चखा प्रसाद

शुक्लागंज उन्नाव। बुधवार को एकादशी को देखते हुये श्याम प्रेमियों ने राजधानी मार्ग पर श्री श्याम रसोई भंडारे का आयोजन किया। जहां आने जाने वाले लोगों ने भंडारे का प्रसाद चखा। भंडारा दोपहर से शाम तक अनवरत चलता रहा। श्री श्याम रसोई परिवार के तत्वावधान में बुधवार को राजधानी मार्ग स्थित सब्जी मंडी के पास श्री श्याम रसोई भंडारे का आयोजन किया गया। जहां पदाधिकारियों ने विधि विधान से श्याम बाबा की पूजा अर्चना की। जिसके बाद बाबा को भोग लगाया और भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कराने वाले श्याम प्रेमियों ने बताया कि माह की प्रत्येक एकादशी को श्री श्याम रसाई परिवार द्वारा भंडारे का आयोजन होता है।

रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

बांगरमऊ। स्थानीय तहसील बार एसोसिएशन के सदस्यों ने बुधवार को तहसीलदार साक्षी राय को सौंपे ज्ञापन में तहसील हसनगंज के एक निजी वाहन चालक द्वारा अधिवक्ता से मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कर चालक के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। अधिवक्ताओं ने डीएम को संबोधित ज्ञापन में कहा कि हसनगंज तहसील में नायब तहसीलदार के निजी वाहन चालक ने अधिवक्ता सुधीर सिंह से मारपीट की और उल्टे नायब तहसीलदार द्वारा अधिवक्ता पर फर्जी रिपोर्ट भी दर्ज करा दी गई।

मिलावट का खेल | डॉक्टरों का कहना है रंग बिरंगी चिप्स पापड़, चूरी में मानक से अधिक रंग मिलाया जा रहा

रंग-बिरंगे चिप्स, पापड़ बिगाड़ सकते सेहत

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। होली के त्योहार को देखते हुये राजधानी मार्ग से लेकर पोनी रोड के अलावा गली चौराहों में चिप्स, पापड़ और कचरी की भी दुकानें लगी हुई हैं। अभी होली के त्योहार में समय है, जिस कारण बाजार में ग्राहकों की संख्या कम देखने को मिल रही है। दुकानदारों का कहना है कि होली त्योहार के एक दो दिन पहले से खरीददारी जमकर होगी। वहीं बाजारों में रंग बिरंगी चूरी, पापड़ सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में ब्रांडेड पापड़ का ही त्योहार पर प्रयोग करें। जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहे।

होली के त्योहार पर मेहमानों के अलावा आस पास के लोगों को त्योहार पर लोग घर बुलाकर उनकी मेहमान नवाजी करते हैं। त्योहार को देखते हुये पोनी रोड, फोरलेन, ऋषि नगर, अंबिकापुरम, गोपीनाथपुरम, ऋषि नगर, मिश्रा कॉलोनी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में चिप्स, पापड़ आदि त्योहारों में प्रयोग होने वाली सामग्री की दुकानें सज गई हैं। बाजार में साधारण आलू के चिप्स 200 रुपये किलो जबकि ब्रांडेड चिप्स 240 रुपये प्रतिकिलो हैं। इसके अलावा अरारोट व मैदा से बने पापड़ 220 से 250 रुपये तक है। गार्लिक, जीरा चिप्स, साबूदाना पापड़ आदि 200 से 250 रुपये और उड़द की दाल के पापड़ 250 से 300 रुपये तक बेचे जा रहे हैं। आलू और साबूदाने का लच्छा भी लोगों की पसंद बन रहा है। वहीं इस समय बाजारों में अभी रौनक नहीं है। दुकानदारों का कहना है कि होली के दो दिन पहले से बाजारों में रौनक आएगी।

पोनी रोड पर सजी चिप्स, पापड़ की दुकान। अमृत विचार

डॉक्टर की सलाह

बाजार में बिकने वाले रंग बिरंगी चिप्स पापड़, चूरी में मानक से अधिक रंग मिलाया जा रहा है। इन्हें खाने से लीवर, आंत, पेट की बीमारी इसके साथ ही कैंसर भी हो सकता है।

-डा. रवि प्रकाश सचान, प्रभारी चिकित्साधिकारी न्यू पीएचसी शुक्लागंज

ब्रांडेड देखकर ही खरीदें उत्पाद

होली को देखते हुये बाजार रंग बिरंगी चुर्री पापड़ से सज गये हैं। डॉक्टरों की मानें तो फूड ग्रेड मार्का को देखकर ही खरीदें। जिनमें यह मार्का नही है वह खाने से सेहत के लिए हानिकारक है इससे पेट में सूजन के साथ ही लीवर, किडनी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। कोशिश करें कि ब्रांडेड माल ही खरीदें।

दूसरी महिला रखने के विरोध पर पत्नी को पीटा

बांगरमऊ उन्नाव। महिला का पति लुधियाना शहर में एक अन्य महिला को अपने साथ रखने लगा। पत्नी ने जब इसका विरोध किया तो उसने पत्नी की पिटाई कर दी और उसे आठ माह की बेटी के साथ जबरन लुधियाना स्टेशन पर छोड़ गया। पीड़िता ने पति के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव खैरहन निवासी चुन्नीलाल की बेटी सोनी ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में कहा कि दो साल पहले पिता ने उसकी शादी बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव खंभौली निवासी मोंटी पुत्र रामबाबू से की थी। शादी के बाद मोंटी उसे लेकर काम करने को लुधियाना चला गया। उसके एक आठ माह की बेटी है। इसी दौरान पति अपने साथ एक अन्य महिला को रखने लगा। विरोध करने पर पति ने नशे में उसे पीट दिया।

डीसीएम चालक की संदिग्ध हालात में मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हृदयाघात से मौत की पुष्टि

अमृत विचार। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के परियर कस्बा स्थित एक ढाबे से खाना खाकर निकला डीसीएम चालक अपने वाहन में चढ़ते समय अचानक अचेत होकर नीचे गिर गया। ढाबा संचालक की सूचना पर पुलिस पहुंची लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जामातलाशी में मिले मोबाइल से सफीपुर पुलिस ने कानपुर देहात निवासी उसके परिजनों को सूचना दी। उनके आने पर बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें हृदयाघात से मौत होने की बात सामने आई।

कानपुर देहात जिले के रनियां थानाक्षेत्र के गोधन पुरवा गांव निवासी शिवबहादुर सिंह (50) पुत्र हुबलाल डीसीएम चालक था। कानपुर से शीतलपेय लोडकर वह हरदोई जिले के संडीला कस्बा गया था। मंगलवार शाम वह खाली बोतलें लेकर कानपुर लौट रहा था। तभी सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के परियर कस्बा स्थित एक ढाबा पर उसने गाड़ी रोककर खाना खाया। इसके बाद डीसीएम में चढ़ने के दौरान अचानक वह अचेत होकर नीचे गिर गया। ढाबा संचालक ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सफीपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी जेब में मिले मोबाइल से पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। बड़े भाई बम्ब बहादुर सिंह सोलंकी ने बताया कि वह तीन भाईयों में दूसरे नंबर का था। उसकी मौत से पत्नी सुदामा व परिजन बेहाल रहे।

पानी को लेकर हुए विवाद में महिला का सिर फटा

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली के चंपापुरवा इलाके में बुधवार सुबह पानी को लेकर सास-बहू में विवाद हो गया। जिस पर सास ने आधा दर्जन से अधिक लोगों के साथ मिलकर बहू को लाठी डंडों से जमकर मारा पीटा। जिससे उसकी सिर फट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिये भेजा और आधा दर्जन से अधिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बुधवार सुबह करीब नौ बजे चंपापुरवा निवासी अनिल की पत्नी नेहा निषाद का सास से विवाद हो गया। इस दौरान सास ने आधा दर्जन से अधिक लोगों के साथ मिलकर नेहा पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। काफी देर तक मारपीट होती रही। मारपीट में नेहा का सिर फट गया। मारपीट की सूचना गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी गई।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाले युवक को 20 साल की सजा

वर्ष 2017 में रिश्तेदारी में आए युवक ने घर में घुस कर किशोरी से किया था दुष्कर्म

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। माखी थानांतर्गत एक किशोरी से दुष्कर्म के मामले की सुनवाई बुधवार को विशेष पाक्सो कोर्ट-1 में पूरी हुई। शासकीय अधिवक्ता की दलीलों व प्रस्तुत साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 साल की सजा के साथ 40 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसमें 10 हजार पीड़ित परिवार को दिए जाएंगे।

बता दें कि माखी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी की मां ने एक युवक पर घर में घुसकर बेटी से दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने माखी पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 2 दिसंबर-2017 करीब एक बजे दोपहर के बाद अपने बेटे की ड्रेसिंग कराने गई थी। पति की आंख का आपरेशन हुआ था। इसलिए वह अपने भाई के यहां लखनऊ में थे। घर पर कक्षा सात में पढ़ने वाली उसकी

● उन्नाव के माखी थाना क्षेत्र के एक गांव में 2 दिसंबर-2017 को हुई थी वारदात

13 वर्षीय बेटी अकेली थी। इसका फायदा उठाकर पड़ोसी मुन्ना माली के घर आया उसका साला प्रिंशु उर्फ अवधेश पुत्र राजेंद्र सैनी निवासी आटा बंथर घर में जबरन घुस आया और बेटी से दुष्कर्म किया।

इसमें वह अचेत हो गई थी। करीब ढाई बजे वह लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद था। खटखटाने पर प्रिंशू ने दरवाजा खोला और बाहर भाग गया। अंदर बेटी निर्वस्त्र हालत में अचेत पड़ी थी। होश में आने पर उसने मां को पूरी घटना बताई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की और आरोपी को छह दिसंबर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जांच के बाद आईओ डीपी शुक्ला ने एक जनवरी-2018 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तबसे मामला कोर्ट में विचाराधीन था। पीड़िता के कलमबंद बयान, मेडिकल करने वाले डाक्टर व अन्य गवाहों और प्रस्तुत साक्ष्य व शासकीय अधिवक्ता डा. राजीव कुमार अवस्थी व प्रदीप श्रीवास्तव की दलीलों के आधार पर एडीजे जयवीर सिंह नागर ने प्रिंशु को दुष्कर्म का दोषी करार देते हुए 20 साल कठोर कारावास के साथ 40 हजार के जुर्माने के निर्देश दिये। जिसे अदा न करने पर उसे छह माह और सजा भुगतनी होगी।

गोकशी समेत अन्य मामलों में चार को तीन-तीन साल कैद

उन्नाव। फास्ट ट्रैक कोर्ट ने गोकशी, हत्या के प्रयास, चोरी व आर्म्स एक्ट के चार आरोपियों को बुधवार को अंतिम सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोषी ठहराते हुए तीन-तीन साल कारावास के साथ तीन पर 29- 29 हजार व एक पर 28 रुपए का जुर्माना लगाया। बता दें कि तत्कालीन एसओ आसीवन रामलखन पटेल ने एक मार्च-2016 को फोर्स के साथ मुखबिर की सुचना पर थानाक्षेत्र के बाग में छापा मारकर पर मौके से गौकशी करते हुए शाह आलम, आसिफ व सलीम निवासीगण आसीवन पश्चिम व सद्दाम निवासी सदाखेड़ा थाना औरास को पकड़ा था। रिपोर्ट दर्ज कर सभी को कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें जेल भेज दिया था। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। इसमें शासकीय अधिवक्ता दीपक मिश्रा द्वारा पेश किए गए साक्ष्यों व दलीलों को सुनने के बाद एफटीसी के न्यायाधीश रविप्रकाश साहू ने आरोपी शाह आलम, आसिफ, सलीम व सद्दाम को गोवंश संरक्षण अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत दोषी पाते हुए तीन-तीन साल कारावास और जुर्माने के निर्देश दिये।

नकदी और जेवर समेत पार किया लाखों का माल

शुक्लागंज उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के आजाद नगर मोहल्ला में मंगलवार रात अज्ञात चोर छत का जाल तोड़कर घर मे घुस गए। जहां चोरों ने कमरे व आलमारी का ताला तोड़कर नगदी और जेवर समेत लाखों का माल पार कर दिया। पीड़ित ने चोरी की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी।

आजाद नगर ठाकुर खेड़ा निवासी कार्मेंद्र मौर्य ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि मंगलवार रात वह परिवार के साथ कुछ काम से घर से बाहर गए हुए थे। इस दौरान उनके घर में कोई नहीं था, सूना घर में चोर छत के रास्ते से जाल को तोड़कर अंदर घुसे। जहां चोरों ने कमरे और अलमारी का ताला तोड़ दिया। अलमारी में रखी 2 लाख की नकदी व तीन लाख के जेवर पार कर दिए। वापस आने पर कमरे का बिखरा सामान देख उनके होश उड़ गए। चोर छत पर औजार छोड़कर भाग निकले। उन्होंने जानकारी गंगाघाट कोतवाली पुलिस को दी। इस बाबत कोतवाली प्रभारी रामफल प्रजापति ने बताया कि जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

पुलिस व वन विभाग के अफसरों की शह पर काटे जा रहे हरे प्रतिबंधित पेड़

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। वन विभाग व पुलिस की उदासीनता के चलते क्षेत्र में प्रतिबंधित हरे व फलदार पेड़ों की कटान लगातार जारी है। जिससे एक ओर जहां कानून की धज्जियां उड़ रही हैं वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संतुलन की भी क्षति हो रही है। नगर व क्षेत्र के समाज सेवियों ने जिला प्रशासन से हरे, औषधीय व फलदार वृक्षों के कटान पर रोक लगाने की मांग की है।

क्षेत्र में करीब आधा दर्जन स्थानों पर प्रतिबंधित पेड़ों की कटान धड़ल्ले से जारी है और लगातार हो रही अवैध कटान से विभाग अनजान है। बीते एक पखवारे के दौरान बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव ब्योली इस्लामाबाद जाने वाले मार्ग स्थित एक निजी महाविद्यालय के पास बाग में कई हरे आम के पेड़ों को काटा जा चुका है। इसी प्रकार कोतवाली बांगरमऊ अंतर्गत गांव ईसेपुर मार्ग होते हुए गांव फतेहपुर खालसा संपर्क मार्ग से 500 मीटर दूर लकड़कट्टों द्वारा आम के बाग से भी करीब डेढ़ दर्जन हरे व

पेड़ काटने के बाद बचे ठूंठ। अमृत विचार

● हरे पेड़ काटने से पर्यावरण संतुलन की क्षति हो रही

फलदार पेड़ों को काटकर उनकी लकड़ी सरेआम वाहनों में लादकर मंडियों में भेजी जा चुकी हैं। सूत्रों के अनुसार लकड़कट्टों द्वारा एक सप्ताह पूर्व कोतवाली क्षेत्र के ही गांव मुस्तफाबाद के पास दर्जनों प्रतिबंधित पेड़ काट डाले गए। गांव नेवल के पास जकटापुर हार नामक स्थान से बेखौफ लकड़कट्टों द्वारा हरे पेड़ों का कटान धड़ल्ले से किया जा चुका है। वहीं, कोतवाली से मात्र दो किमी दूर लखनऊ मार्ग स्थित गांव मऊ के पास से भी दर्जनों हरे पेड़ काटकर ले जाए जा चुके हैं। बड़ी बात यह है कि क्षेत्र में लगातार जारी प्रतिबंधित पेड़ों की कटान से विभागीय जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं। इस संदर्भ में क्षेत्रीय वन कर्मी राजीव कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष का अंतिम माह मार्च होने के कारण विभागीय कार्यों में व्यस्तता रही है। प्रतिबंधित पेड़ों के कटान स्थलों को चिंहित कर दोषी लकड़ी ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

जंगल में पड़ा मिला अधेड़ का शव

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में डहन संपर्क मार्ग स्थित यूके लिप्टस के जंगल में एक युवक का क्षत-विक्षत शव पड़ा देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर ग्रामीणों से शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। जानकारी पर सीओ पहुंचे और घटना के संबंध में लोगों से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा दिया है।

बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के बिल्हौर मार्ग से जिरिकपुर के मजरा डहन को गए संपर्क मार्ग पर यूके लिप्टस का घना जंगल है। जंगल के बीच झाड़ियों में ग्रामीणों ने बुधवार सुबह एक युवक का शव पड़ा देखा। जंगल में शव पड़े होने की खबर फैलते ही आसपास के

मौके पर जांच करती पुलिस टीम। अमृत विचार

● तीन से चार दिन पुराना लग रहा शव, पुलिस जांच में जुटी

गावों में सनसनी फैल गई। सूचना पर एसएचओ राजकुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास के ग्रामीणों से उसकी शिनाख्त के प्रयास किये। लेकिन, कोई उसे पहचान नहीं सका। जानकारी होने पर सीओ अरविंद कुमार ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की। युवक जींस व टी-शर्ट पहने था। उसकी उम्र 45 से 50 वर्ष के बीच है। शव में कीड़े पड़ चुके हैं और जंगली जानवर उसका एक हाथ नोच ले गए हैं। इससे उसके करीब दो से तीन दिन पुराना होने के कयास लगाए जा रहे हैं। जाहिरा तौर पर शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। इससे उसे कहीं से लाकर फेंके जाने की चर्चा लोगों में रही। फिलहाल पुलिस सोशल मीडिया के जरिए शव की शिनाख्त कराने में जुटी है। सीओ अरविंद कुमार ने बताया कि शव कई दिन पुराना लग रहा है। उसकी शिनाख्त के लिए आसपास के थानों से भी संपर्क किया जा रहा है।

तीन ओवरलोड डंपर पकड़े, एक लाख का जुर्माना

पुरवा। ओवरलोड वाहनों पर प्रशासनिक अमला शिकंजा करने में जुट गया है। बुधवार को खनन निरीक्षक प्रांजुल सिंह ने चेंकिग अभियान चलाकर तीन ओवरलोड मौरंग के डंपरों का आनलाइन चालान कर एक लाख का जुर्माना लगाया।

डीएम के निर्देश पर खनन निरीक्षक ने टीम के साथ पुरवा-सोहरामऊ रोड पर फतेहगंज के पास चेकिंग अभियान चलाकर वहां से निकल रहे मौरंग लदे ओवरलोड तीन डंपर पकड़े। पपत्र जांचने पर खनन निरीक्षक को मौरंग मानक से ज्यादा लदी मिली। जिस पर उनका आनलाइन चालान कर एक लाख का चालान किया गया। खनन निरीक्षक ने बताया कि ओवरलोड मौरंग लदे डंपरों में पपत्र के मानकों से अधिक मौरंग लदी पाई गयी है।

होली पर सभी को साबित करना चाहिए भाईचारा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में बुधवार को शांति कमेटी की बैठक हुई। जिसमें धर्म गुरुओं व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित संभ्रांत नागरिकों से डीएम ने शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में सकुशल भाईचारे का त्योहार होली मनाने की अपील की। कहा कि परस्पर सद्भावना के त्योहार पर सभी को मिलकर भाईचारे की भावना को साबित करना चाहिए।

डीएम ने कहा कि होली पर होने वाले फाग जुलूसों, मेलों व होलिका दहन स्थलों पर आपसी भाईचारा बना रहना चाहिए। सभी नगर निकायों के ईओ व डीपीआरओ को परंपरागत होलिका दहन व मेला स्थलों की साफ-सफाई कराकर अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जरूरत के अनुसार

शांति कमेटी की बैठक को संबोधित करते डीएम गौरांग राठी। अमृत विचार

● एसडीएम व सीओ को दिए संयुक्त रूप से सभी क्षेत्रों में भ्रमण करने के निर्देश

रास्तों की मरम्मत भी कराई जाए। सभी एसडीएम, सीओ, कोतवाली व थाना प्रभारियों को जूलुस मार्गों व मेला स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। जिससे अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को होलिका स्थलों के आसपास से गुजरने वाली विद्युत लाइनों को चेक कराने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहार पर 24 घंटे आपूर्ति सुनिश्चित कराने को भी कहा। निकाय व जल निगम अधिकारियों को पर्याप्त जलापूर्ति कराने को कहा। सीएमओ व सीवीओ को राजकीय अस्पतालों व पशु चिकित्सालयों पर चिकित्सकों की उपलब्धता बनाए रखने को कहा। इससे पहले उन्होंने लोगों से सुझाव लिए और उन पर अमल कराने का भरोसा भी दिलाया। बैठक में सीडीओ प्रेम प्रकाश मीणा, एडीएम वित्त एवं राजस्व नरेंद्र सिंह, एडीएम (न्यायिक) विकास सिंह, एएसपी अखिलेश सिंह, ज्वांइट मजिस्ट्रेट राम मोहन मीणा व हिमांशु गुप्ता, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, सभी एसडीएम व सीओ के अलावा समाजसेवी नासिर अहमद खान रहे।

एलटी लाइन का तार टूटा तीन मोहल्ले की बत्ती गुल

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। बुधवार सुबह विद्युत आपूर्ति चालू होने के कारण प्रेम नगर में एलटी लाइन का तार स्पार्किंग के साथ टूट गया। जिससे तीन मोहल्लों की छह घंटे तक बिजली गुल रही। सूचना पर पहुंचे बिजली कर्मियों ने मरम्मत कार्य किया। जिसके बाद आपूर्ति चालू हो सकी।

सुबह करीब नौ बजे विद्युत आपूर्ति के दौरान प्रेम नगर मोहल्ले में एलटी लाइन का तार स्पार्किंग के साथ टूट गया। जिससे वहां से गुजर रहे लोग बाल बाल बच गये। तार टूटने की जानकारी क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग को दी। सूचना पर पहुंचे बिजली कर्मियों

टूटे तार की मरम्मत करते बिजली कर्मी।

ने मरम्मत कार्य किया। इस दौरान सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक प्रेमनगर, इन्द्रानगर और शक्तिनगर मोहल्ले के सैकड़ों घरों की बिजली गुल रही। बिजली न आने से लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ी।

दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के आरोपी को भेजा जेल

पुरवा। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पिता ने अपनी 17 वर्षीय बेटी को भगा ले जाने का मामला 6 फरवरी को कोतवाली में सुरेंद्र कुमार गांव पांडेयपुर थाना बीघापुर के विरुद्ध पाक्सो, एसटीएससी व बहला-फुसलाकर भगाने की रिपोर्ट दर्ज की थी। जिस पर पुलिस ने 12 मार्च को किशोरी को आरोपी के घर से सकुशल बरामद कर किशोरी के परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। कोतवाली प्रभारी कुंवर बहादुर सिंह ने कहा कि किशोरी के न्यायालय में हुए बयान के आधार पर आरोपी सुरेंद्र के विरुद्ध दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई है। आरोपी को बाजीखेड़ा गांव के पास से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

शिविर में दी बाल अधिकारों की जानकारी

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अमृत विचार। क्षेत्र के गांव नसिरापुर स्थित ब्लॉक संसाधन केंद्र में विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्षों व प्रधान शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में खंड शिक्षाधिकारी देवेंद्र सिंह पटेल ने उन्हें बाल अधिकारों के संदर्भ में जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि ग्राम प्रबंध समितियां विद्यालयों के प्रगति हेतु जरूरी कड़ी हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राम सिंह ने कहा कि जो बच्चे नियमित विद्यालय नहीं आते हैं, उन्हें विद्यालय लाने में ग्राम प्रबंध समितियां सहयोग करें। कहा कि कोई भी दिव्यांग बच्चा नवीन सत्र में नामांकन से वंचित नहीं रहना चाहिए। शिविर में संघ के ब्लॉक

शिविर में मौजूद अधिकारी व शिक्षक। अमृत विचार

● बच्चों को विद्यालय लाने में ग्राम प्रबंध समितियां सहयोग करें

अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, अमित पटेल, अखिलेश कनौजिया, छत्रपाल, वंदना पाल, रमेश चंद्र, देवेंद्र प्रताप सिंह, रजनीश कटियार, अवधेश कुमार, निजाम अहमद, गीता यादव, कोमल यादव, प्रेम सागर, अखिलेश द्विवेदी, संजय कुमार, अखिलेश सिंह, सेविना दीक्षित, गंगा प्रसाद, करन सिंह, अजय पाल, गीता, सुनील वर्मा, श्रवण कुमार, शिक्षणेत्तर कर्मचारी खेमराज यादव, आशाराम, मनीष, श्लोक, धीरज, अलकाफ अहमद समेत दो सैकड़ा समितियों के अध्यक्ष व प्रधान शिक्षक मौजूद रहे।

वार्ड-9 में चलाया सफाई अभियान, जारी रहेगा

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार। संचारी रोग नियंत्रण अभियान को देखते हुये बुधवार को पालिका के सफाई कर्मी वार्ड नंबर नौ में पहुंचे। जहां सफाई कर्मियों ने वार्ड की अधिकांश गलियों में झाड़ू लगाया। इसके साथ ही नाला-नाली की साफ सफाई करते हुये एंटी लार्वा का छिड़काव किया। वहीं शाम के समय फागिंग कराई गई।

बुधवार को पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, ईओ मुकेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर पालिका के सफाई कर्मियों की फौज वार्ड नंबर 9 के चंपापुरवा, मनसुख खेड़ा, तेजीपुरवा में पहुंचा। जहां सफाई कर्मियों ने वार्ड में झाड़ू लगाने के साथ ही सिल्ट सफाई की। जिसके बाद सिल्ट को

साफ सफाई करते पालिका कर्मी।

उठवाया गया। वहीं मच्छरों की भरमार को देखते हुये एंटी लार्वा का छिड़काव किया। इसके साथ ही रात के समय तीनों मोहल्लों की अधिकांश गगलियों में फागिंग भी कराई गई। ईओ ने बताया कि इसी तरह अभियान चलाकर सभी वार्डों में साफ सफाई की जायेगी।

चुनावी चकचक | विपक्ष को समाप्त करने के चक्कर में कहीं हाथ से फिसल न जाएं अपने नेता

मुंह फुलाये घूम रहे भाजपा के जमीनी नेता

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। आगामी लोकसभा चुनाव में विपक्ष को पूरी तरह से समाप्त करने की मंशा से भाजपा जिस प्रकार से किसी भी दल के या फिर पूर्व में विपक्षी रहे नेताओं को पार्टी में शामिल करने में जुटी है इसमें कहीं उनके अपने पुराने नेता हाथ से न फिसल जाएं? यह बात हम नहीं भारतीय जनता पार्टी के पुराने व दिग्गज नेताओं ने दबी जुबान कही है। साथ ही उन्होंने इसमें उनका नाम सामने न आने की भी शर्त रखी है। उनका यह भी कहना है कि पार्टी के पदाधिकारी ऐसे-वैसे व जैसे-तैसे लोगों को शामिल करने में उनकी या पार्टी के जुझारू कार्यकर्ताओं की सलाह तक नहीं ली

● आरोप है कि गैर दलों व विपक्ष में चुनाव लड़ने वालों को शामिल करने में नहीं ली सलाह

जा रही है।

लोकसभा चुनाव की आहट मिलते ही गैर दलीय नेताओं को भाजपा में शामिल किए जाने का जारी सिलसिला विपक्ष को भले नागवार गुजर रहा हो लेकिन, भाजपाई इसे लेकर चुटकले बाजी करते हुए नवागतों की कड़ी मेहनत से पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित होने का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि पीएम मोदी के दावे के अनुरूप इसी तरह विपक्ष को पूरी तरह समाप्त किया जा सकेगा। चुनाव की तिथियां घोषित होने के काफी पहले से सत्तारूढ़ दल भाजपा में दूसरे दलों के लोगों को शामिल कराने का अभियान शुरू हुआ था।

इसके तहत न सिर्फ कद्दावर नेताओं को कमल खिलाने में सहयोगी बनाया जा रहा है बल्कि जिला स्तर पर भी मतदाताओं को प्रभावित करने को गैरदलीय लोगों को शामिल किया जा रहा है। ऐसे में वे लोग पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी के प्रचार अभियान में भी पुराने भाजपाइयों को पीछे कर पार्टी के जिम्मेदारों (प्रत्याशी व स्थानीय के साथ बाहर से आने वाले नेता) को अपना चेहरा दिखाने पर जोर दे रहे हैं। खास बात यह है कि इस सदस्यता अभियान के तहत भाजपाई बनाने से पहले जनप्रतिनिधियों सहित बूथ स्तरीय पदाधिकारियों तक की सलाह भी नहीं ली जा रही है। शायद इसीलिए भाजपाई आपसी चर्चा में हो रहे लोकसभा चुनाव में नवागतों को स्वयं को मौका दिए जाने की बात करने लगे हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक कद्दावर भाजपा नेता ने कहा कि वर्षों से पार्टी में रहकर बहुत काम कर चुके हैं। अब यह चुनाव भाजपा में शामिल होने वाले नए लोगों की मेहनत से ही जीता जाएगा। एक अन्य भाजपाई ने चुटकी लेते हुए कहा कि नए लोगों को खुद को साबित करने का पूरा मौका मिलना चाहिए। वे लोग तो कई बार पार्टी के प्रत्याशी को जीत दिला चुके हैं।

नहर में उतराता मिला अज्ञात युवक का शव

सफीपुर उन्नाव। सफीपुर कोतवाली अंतर्गत शारदा नहर में एक युवक का नग्न अवस्था में शव उतराता देख ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। लिलौरी गांव की पुलिया के पास पुलिस ने शव पानी से बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त के प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली।

सफीपुर कोतवाली क्षेत्र से निकली शारदा नहर की लिलौरी पुलिया में बुधवार सुबह एक नग्न युवक का शव पानी में उतराता देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। जानकारी पर वहां लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। इंस्पेक्टर श्याम नारायण सिंह ने बताया कि शव तीन से चार दिन पुराना है और पीछे कहीं से बहकर आया है।

मतदाताओं को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय मलांव के स्काउट एवं गाइड ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। रैली में शामिल विद्यार्थियों सहित शिक्षकों ने लोगों को होने जा रहे लोकसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की।

जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए ग्राम प्रधान आशा सिंह ने बच्चों से मतदान के दिन माता-पिता सहित अपने-अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य को मताधिकार के इस्तेमाल की बार-बार याद दिलाते रहने की सलाह दी। साथ ही स्कूल आते-जाते समय रास्ते में मिलने वाले मतदाताओं को नियमित रूप से हरहाल में मतदान करने की अपील करने का क्रम जारी रखने को कहा। ग्राम प्रधान ने मतदान को महापर्व

मतदाता जागरुकता रैली में शामिल स्काउट-गाइड व शिक्षक-शिक्षिकाएं आदि।

बताते हुए कहा कि मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाले छात्र-छात्राएं आगे चलकर निश्चित रूप से जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। रैली में शामिल विद्यार्थियों ने 'मम्मी पापा भूल न जाना, वोट डालने जरूर जाना' लोकतंत्र के लिए है जरूरी, मतदान करने की करो तैयारी' व 'पहले मतदान फिर जलपान' आदि नारे लगाते हुए मतदाताओं को जागरूक बनाया। साथ ही बच्चों के साथ रैली में शामिल शिक्षकों सहित अन्य लोग ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताते हुए चल रहे थे।

रैली में मुख्यालय आयुक्त (स्काऊट) शिव शंकर उत्तम, सीमा श्रीवास्तव, नूरजहां, प्रदीप सिंह राठौर, गफ्फार अहमद, राजरानी, अमित, नीतू चौहान व विभा सिंह सहित ग्राम पंचायत के अन्य लोग भी शामिल रहे।

हनुमान गढ़ी पर नागा साधुओं ने खेली होली

रंगभरी एकादशी: निशान लेकर निकली टोली, ढोल की थाप पर जमकर नाचे, सड़क पर दिखाए करतब

कार्यालय संवाददाता,अयोध्या

अमृत विचार : रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बुधवार को रामनगरी के मंदिरों में रंगभरी एकादशी पर जमकर होली खेली गई। छह हजार से अधिक मंदिरों के गर्भगृह में विराजमान भगवान के विग्रह को ब्रह्ममुहूर्त में साज-सज्जा के साथ आरती कर गुलाल लगाया गया। अवध में होली के आगाज पर मंदिरों में आने वाले भक्तों को भी प्रसाद के रूप में गुलाल लगाया गया।

माघ शुक्ल पंचमी, बसंत पंचमी पर्व से रामनगरी में औपचारिक रूप से मंदिरों में होली का शुभारंभ हो जाता है। प्रतिदिन भगवान को अबीर-गुलाल भी चढ़ाया जाता है, लेकिन फाल्गुन शुक्ल एकादशी को रंगभरी एकादशी पर्व प्रमुख रूप से मनाया जाता है।

रंगभरी एकादशी पर प्रसिद्ध सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में रंगों के बीच आस्था का ज्वार दिखा। सड़कें अबीर और गुलाल से रंगी नजर आईं। कड़ी सुरक्षा में प्रमुख सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी के निशान को लेकर साधु-संतों की टोली अयोध्या की सड़कों पर निकली। संतों ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। हनुमानगढ़ी के नागा परम्परा से जुड़े साधु-संतों ने हनुमान गढ़ी मंदिर में रखे हनुमंत लला के प्रतीक चिन्ह झंडे और निशान को लेकर मंदिर परिसर में ही जमकर होली खेली। जुलूस की शक्ल में नागा साधुओं की टोली बैंड बाजे के साथ अखाड़ों के पहलवानों के करतब दिखाते हुए सड़कों पर निकली। होली की मस्ती में सराबोर संतों ने हर आने-जाने वाले लोगों को अबीर गुलाल लगाया। नागा संतों का यह जुलूस अयोध्या के प्रमुख मार्गों से होता कई मंदिर में पहुंचा। जहां पर उन्होंने भगवान के विग्रह के साथ होली खेली। इसी क्रम में संतों ने अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा कर सरयू स्नान भी किया। होली की इस उत्सव का श्रद्धालुओं ने भी जमकर आनंद लिया।

एकादशी पर होली खेलते महंत। अमृत विचार

रंगभरी एकादशी पर होली खेलते श्रद्धालु। अमृत विचार

राम मंदिर में मनाई गई रंग भरी एकादशी

अयोध्या। राममंदिर में रंग भरी एकादशी पर्व मनाया गया। रामलला के समक्ष फूलों की होली खेली गईं। नगर निगम अयोध्या के महापौर और तिवारी मंदिर के महंत गिरीश पति त्रिपाठी, मधुकरिया संत मिथिला बिहार दास ने होली के गीतों का गायन किया। महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि ठाकुर जी ने हमारे ऊपर सबसे बड़ी कृपा की और साथ ही साथ हमारे पूर्वज परम पूज्य वशिष्ठावतार ख्याति प्राप्त पंडित उमापति त्रिपाठी की साधना की कृपा से ही प्रभु श्री राम लला की राग सेवा में सेवा का अवसर प्राप्त हुआ। मेरा जीवन मेरी पूर्वजों और गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से धन्य हो गया। इस आयोजन के दौरान राजलक्ष्मी, इंद्रजीत शुक्ला, श्रीनिवास मूर्ति, विवेकानंद पाठक, दीपक शुक्ला सहित अन्य लोगों मौजूद रहे।

धनेश पक्षी।

सरयू नदी के किनारे बैठा मिला दुर्लभ प्रजाति का पक्षी

अयोध्या: रामनगरी में सरयू के आरती घाट पर बुधवार को एक पक्षी को लोगों ने बैठे देखा। यह सामान्य पक्षियों से भिन्न था। लोगों ने इसे धनेश नामक पक्षी बताया। यह लुप्त प्राय पक्षियों में माना जाता है। लोग इसे देखना शुभ मानते हैं। विशेष प्रजाति के पक्षी के मिलने की खबर पर आसपास के लोग पहुंच गए। छेड़ने में इसने दो लोगों पर चोंच प्रहार कर दिया।

समाजसेवी रितेश के प्रयास से इसे पकड़कर पिंजड़े में रखा गया। पुलिस इसे चौकी नयाघाट ले आई। वन विभाग के दरोगा कमल सिंह ने बताया कि यह धनेश नामक पक्षी है। यह लुप्तप्राय स्थिति में है। वन विभाग के कर्मचारियों को इसे सुरक्षित ले जाने के लिए बुलाया गया।

रामनवमी पर आठ रेलिंग के बीच से गुजरेंगे श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता,अयोध्या

- एडीजी जोन और सुरक्षा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की स्थाई सुरक्षा समिति की बैठक

अमृत विचार : राम नवमी पर लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षा मानकों के तहत सुगम दर्शन कराने की योजना पर राम मंदिर की स्थाई सुरक्षा समिति की बैठक हुई। नभ, जल और थल से मंदिर पर नजर बनाए रखने की व्यवस्था पर भी मंथन हुआ। एडीजी जोन अमरेंद्र कुमार सेंगर ने बताया कि रामनवमी पर अतिरिक्त सुरक्षा बल को तैनात किया जाएगा। जन्मभूमि पथ से राम मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर श्रद्धालुओं को पंक्तिवत दर्शन कराया जा सके। इसके लिए चेकिंग प्वॉइंट और आठ लाइनों में प्रवेश कराये जाने के लिए स्टील से बनी रेलिंग लगाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि उस दौरान प्रथम चरण का चुनाव भी रहेगा। जिसको देखते हुए सुरक्षा बेहतर व्यवस्था रहेगी और अन्य जनपदों से भी सुरक्षा बलों की मांग की गई है। परिसर में होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। दर्शन अवधि को भी बढ़ाये जाने की सहमति बनी है। तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिसर सहित जन्मभूमि पथ पर एफआर सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। बैठक से पहले राम जन्मभूमि परिसर में बने यात्री सुविधा केंद्र और जन्मभूमि पथ पर लगाए जा रहे नए बैरियर का एडीजी सुरक्षा रघुवीर ने निरीक्षण किया। जिसके बाद परिसर में बने रेड जोन सुरक्षा कार्यालय में बैठक की। बैठक में कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा, जिलाधिकारी नितीश कुमार, एसएसपी राजकरण नय्यर समेत आईजी सीआरपीएफ आदि अधिकारी मौजूद रहे।

मंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक आज से

रामनवमी से पहले मंदिर निर्माण कार्य की भी प्रगति को लेकर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक गुरुवार से शुरू होगी। समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंच चुके हैं। बैठक में यात्री सुविधा केंद्र और जन्मभूमि पथ पर श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए तैयार की गईं योजनाओं पर मंथन किया जाएगा।

बुआ ने कर दी दो भतीजों की हत्या

संवाददाता, प्रयागराज

- दोनों बच्चों के सिर पर लकड़ी के पटरे से ताबड़तोड़ वार कर मौत के घाट उतारा
- अंधेरे में भाग निकली आरोपी घरवाले बोले, खराब है मानसिक संतुलन

अमृत विचार : बुधवार को फिर एक बड़ी वारदात ने जिले को हिलाकर रख दिया। मेजा इलाके में सगी बुआ ने भाभी से हुए झगड़े की खुन्नस अपने दो भतीजों की हत्या कर निकाली। बुआ ने दोनों भतीजों के सिर पर लकड़ी का पटरा मार कर मौत के घाट उतार दिया और रात के अंधेरे में भाग निकली। सुबह मां ने खून से लथपथ दोनों बेटों के शव बिस्तर पर देखे तो बेसुध हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। घटना मेजा थाना अंतर्गत हरगढ़ गांव में मंगलवार शाम की है।

संजय पुत्र शंकर मुंबई में नौकरी करते हैं। उनके दो बेटे अवि (5) व लकी (3) थे। संजय की बहन पूजा मानसिक रूप से बीमार चल रही थी। उससे और भाभी पार्वती

में आए दिन किसी न किस बात पर झगड़ा होता था। घरवालों ने बताया कि मंगलवार को मौसी ने फोन पर बच्चों से बात की थी। रात में सभी खाना खाकर सोने चले गए।

आधी रात को बुआ पूजा ने दोनों बच्चों के सिर पर लकड़ी के पटरे से ताबड़तोड़ वार किए और उनकी हत्या कर भाग निकली। बुधवार सुबह जानकारी होने पर आनन-फानन में बच्चों को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बुआ के साथ खेलते-सोते थे बच्चे दोनों भाई अपनी बुआ के साथ ही खेलते और सोते थे। घटना के दिन भी वह बुआ के साथ ही सो रहे थे जबकि मां व अन्य लोग अलग सो रहे थे।

घरवालों ने बताया कि पूजा की शादी 9 साल पहले हुई थी लेकिन वह कुछ दिनों बाद ही ससुराल से वापस आ गई और भाई संजय के साथ ही रह रही थी।

> मजा में दो बच्चों की हत्या की जानकारी मिली है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। बच्चों के सिर पर लकड़ी के पटरे से वार किए गए थे। हत्या आरोपी बुआ मानसिक रूप से विक्षिप्त है, उसकी तलाश की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।
>
> **–श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, डीसीपी, यमुनानगर**

राजपाल यादव पर ठगी का आरोप

चित्रकूट। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राजपाल यादव पर जिले के एक बाशिंदे ने क्लब में साझीदार बनाने के नाम पर पांच लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। रुपये वापस मांगे तो उसके साथ अभद्रता करते हुए धमकी दी गई। जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया। उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से 19 मार्च को राजपाल को कानूनी नोटिस भेजी है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विनय कुमार पाल ने बताया कि बीते साल दिसंबर को राजपाल नौरंग यादव उर्फ राजपाल यादव और उनके भाई चंद्रपाल सिंह ने निवासी लोखंडवाला अंधेरी वेस्ट मुबंई ने मोबाइल से उनके मुवक्किल श्रीराम पुत्र छेदीलाल निवासी राघवपुरी सीतापुर माफी चित्रकूट को फोन किया इसमें बताया था कि मुंबई में जल्द ही एक क्लब का निर्माण किया जा रहा है।

प्रयागराज, श्रावस्ती का ट्रॉफी पर कब्जा

कार्यालय संवाददाता,अयोध्या

अमृत विचार : डॉ. भीमराव आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रही तीन दिवसीय 85 वीं प्रदेशीय सीनियर खो-खो प्रतियोगिता बुधवार को सम्पन्न हो गई। इसमें महिला वर्ग में प्रयागराज ने ट्रॉफी पर कब्जा किया। पुरुष वर्ग में श्रावस्ती ने खिताबी जीत दर्ज की। मुख्य अतिथि लक्ष्मीबाई पुरस्कार प्राप्त अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रीति गुप्ता व विशिष्ट अतिथि उप्र खो-खो संगठन के महासचिव चंद्रभान सिंह ने विजेता व उप विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर खिलाड़ियों को पदक से नवाजा।

उप्र खो-खो एसोसिएशन व जिला खो-खो संघ के संयुक्त तत्वावधान में हो रही प्रतियोगिता में बुधवार को महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला संषर्षपूर्ण व रोमांचक रहा।

प्रदेशीय सीनियर महिला–पुरुष खो–खो प्रतियोगिता के विजेता, उपविजेता खिलाड़ी। अमृत विचार

प्रयागराज ने वाराणसी पर 4-3 खिताबी जीत दर्ज की। इसके पूर्व हुए सेमीफाइनल में प्रयागराज ने बस्ती को 9-5 से व वाराणसी ने गोरखपुर को 10-7 से हराया था। हार्ड लाइन मैच में गोरखपुर ने बस्ती को 7-3 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला लगभग एकतरफा रहा। श्रावस्ती ने बलिया पर मध्यांतर तक 14-7 से बढ़त बनाते हुए 22-10 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। इसके पूर्व खेले गए सेमीफाइनल में श्रावस्ती ने वाराणसी को 17-13 से व बलिया ने बस्ती को 12-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। हार्ड लाइन मैच में वाराणसी ने बस्ती को 15-7 से पराजित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर उप्र खो-खो संघ के चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह, आयोजन सचिव अभिषेक सिंह, सचिव उप्र खो-खो संघ चन्द्रभानु सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष कनक चक्रधर, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विनोद सिंह, प्रधानाचार्य परिषद के पूर्व महामंत्री रामप्रिय शरण सिंह, विजेन्द्र सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, योगेश्वर सिंह, श्रद्धा व अंजू समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

अमरमणि त्रिपाठी के मामले में फैसला सुरक्षित: हाईकोर्ट

संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपहरण के एक मामले में पूर्व बसपा सांसद अमरमणि त्रिपाठी की याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को फैसला सुरक्षित करते हुए कहा कि वर्तमान मामले में याची ने अपना आपराधिक इतिहास का उल्लेख नहीं किया है, जबकि उसका एक लंबा आपराधिक इतिहास है। कोर्ट ने पूर्व में पारित अपने आदेश में ट्रायल कोर्ट को पूरी आर्डर शीट एक सील बंद लिफाफे में भेजने का निर्देश दिया था। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में ट्रायल कोर्ट द्वारा भेजी गई 17 दिसंबर 2022 से 29 फरवरी 2024 तक चलने वाले पूरे मामले की आर्डर शीट को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया, साथ ही सरकारी अधिवक्ता ने प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बस्ती द्वारा याची के खिलाफ 36 आपराधिक मुकदमों की सूची प्रस्तुत की। यह मामला न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की एकल पीठ के समक्ष चल रही है। याचिका में स्पेशल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। याची का कहना है कि वह मूल केस अपहरण मामले में जमानत पर है। मूल केस के आधार पर गैंगस्टर एक्ट के मामले में स्पेशल कोर्ट ने गलत तरीके से एनबीब्ल्यू जारी किया है।

बड़े ने किया बचाव, विरोध भी नहीं कर पाया छोटा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- चाकू के वार से अचेत होकर गिर पड़ा आयुष तो कर दी हत्या
- बदायूं में दो भाइयों की निर्मम हत्या का मामला

अमृत विचार : दो भाइयों की निर्मम हत्या के दूसरे दिन भी शहर में तनाव का माहौल रहा। स्थिति पर नियंत्रण के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पूरे दिन मुस्तैद रहे। बुधवार को दोंनों भाइयों के शवों का पोस्टमार्टम हुआ तो हत्यारोपियों की निर्दयता सामने आई। इस दौरान पता चला कि बड़े भाई ने हत्यारोपी के हमले से बचने की कोशिश की थी लेकिन छोटा भाई तो विरोध भी नहीं कर पाया था। बड़े भाई के शरीर पर चोट के 14 निशान मिले हैं जबकि छोटे भाई के हाथ पर चोट का निशान था। दोनों के छुरे से कई बार गले रेते गए थे। वहीं हत्यारोपी के मुठभेड़ में मारे जाने के मामले में डीएम ने मजिस्ट्रेट से जांच कराने के आदेश दिए हैं। मंगलवार की शाम हुई घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। बाबा कॉलोनी नई बस्ती निवासी ठेकेदार विनोद कुमार के बेटे आयुष (13) और आहान उर्फ हन्नू (6) की छुरे और उस्तरा से गला काटकर हत्या कर दी गई। आक्रोशित भीड़ ने बवाल किया। जिला अस्पताल के दो चिकित्सक त्वचा रोग विशेष डॉ. श्रीपाल और फिजीशियन डॉ. जीके गुप्ता के पैनल ने बुधवार सुबह 9 बजे शवों का पोस्टमार्टम किया। आयुष के शरीर पर गर्दन के अलावा कंधे, पीठ, हाथ, सिर आदि पर चोट के 14 निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर साफ हो रहा है कि हत्यारोपियों ने उसे छुरे से मारने की कोशिश की होगी तो आयुष ने अपना बचाव किया होगा। हत्यारोपी छुरे और उस्तरा से वार करता रहा। आयुष के अचेत होने पर गला रेत दिया लेकिन 6 साल का आहान उर्फ हन्नू हत्यारोपी का विरोध तक नहीं कर सका। उसकी कलाई पर चोट का निशान था। हत्यारोपी ने दोनों की गर्दन जघन्य तरीके से रेती थीं। गर्दन पर छुरा रखकर फेरता रहा। दोनों की गर्दन आधी अलग हो गई थीं। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने दोनों के शव कछला ले जाकर दफन कर दिए। जिसके बाद मुठभेड़ में ढेर हुए हत्यारोपी साजिद के शव का पोस्टमार्टम हुआ। इस दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई। पुलिस की तीन गोलियां लगने से उसकी मौत हुई थी। दो गोली उसके सीने और एक गोली पेट के बगल में लगी थी। पुलिस ने मृतक बच्चों के पिता की तहरीर पर कस्बा सखानू निवासी दो सगे भाई साजिद व जावेद उर्फ बाबू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सिटी मजिस्ट्रेट करेंगे पुलिस मुठभेड़ की जांच

पुलिस मुठभेड़ के दौरान आत्मरक्षा में चलाई गई गोली से हत्यारोपी साजिद की मौत होने की बात कह रही है। इसे लेकर सवाल उठने लगे हैं। डीएम मनोज कुमार ने मुठभेड़ की मजिस्ट्रेट जांच कराने के आदेश दिए हैं। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी सिटी मजिस्ट्रेट अरुण कुमार को सौंपते हुए 15 दिन के अंदर रिपोर्ट देने को कहा है।

किसी दल में विलय करने के लिए नहीं बनाई पार्टी

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारा संगठन इंडिया गठबंधन के साथ है। 2024 का चुनाव भाजपा की विदाई का चुनाव है। इस चुनाव में बीजेपी को हराना है और संविधान बचाना है। देश चुनावी मोड़ पर है।

भाजपा से अपनी बेटी संघमित्रा मौर्य के टिकट को लेकर कहा कि भाजपा क्या करती है इसको लेकर मुझे कोई टिप्पणी नहीं करनी और जो इंडिया अलाइंस में रहेंगे हमें उनकी चिंता है। स्वामी ने कहा कि जब मैंने पार्टी बना ली है तो किसी दल में विलय करने के लिए नहीं बनाई है। चार महीने पहले यह बात कही गई थी, जिसमें मैंने कुछ गलत नहीं कहा था। मैंने कहा था कि लक्ष्मी की पूजा करनी है तो घरवाली की ही पूजा कीजिए, जो असली लक्ष्मी घर की है उसकी पूजा करनी चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत के सवाल पर स्वामी ने कहा कि जब हमारा गठबंधन इंडिया अलायंस के साथ है तो उनके नेताओं से बात होना स्वाभाविक ही है। सम्मेलन में स्वामी प्रसाद ने अपनी पार्टी के संगठन को मजबूत करने के साथ लोस चुनावों में इंडिया गठबंधन का साथ देने का एलान किया।

पिता पुत्र का मिलन | कानपुर में गंगाकुटी में रहे, आनंदेश्वर के भक्त, नौ साल बाद रेमंड के बॉस बेटे गौतम से मिलकर छलके आंसू

खतरों के खिलाड़ी हैं कनपुरिया उद्योगपति सिंघानिया

महेश शर्मा,कानपुर

अमृत विचार। नौ साल के विवाद के बाद सिंघानिया परिवार के जेके रेमण्ड के बॉस गौतम ने अपने पिता विजयपत सिंघानिया के साथ फोटो शेयर की और कहा, पापा घर लौट आए। यह फोटो कारपोरेट घराने के लिए बड़ी खबर है।

फोटो में विजयपत सिंघानिया और उनके बेटे गौतम का खुशहाल चेहरा सोशल मीडिया में देखकर लोगों में चर्चा शुरू हो गयी कि कहां पिता विजयपत सिंघानिया को घर से बेदखल करने वाला बेटा गौतम अब पत्नी से तलाक के विवाद के बाद फिर आशीर्वाद के लिए पिता के चरणों में आ गया।

खबर का कानपुर कनेक्शन होने के कारण यहां भी चर्चा है। विजयपत सिंघानिया रोमांच भरे कारनामों के कारण खतरों के खिलाड़ी भी कहे जाते हैं।

जेके रेमण्ड के बॉस गौतम ने अपने पिता विजयपत सिंघानिया के साथ फोटो शेयर की।

सिंघानिया घराने में पिता-पुत्र के बीच इतने निम्नस्तर के मतभेद की खबरें सुर्खियां पाती रहीं। कानपुर में कम लोग जानते हैं कि रोमांचक करतब के शौकीन मुंबई में बसे विजयपत सिंघानिया का बचपन और युवा अवस्था के कुछ वर्ष छावनी क्षेत्र में गंगातट पर गंगाकुटी (सिंघानिया परिवार का निवास) कानपुर में ही बीते थे। वह जीएनके इंटर कालेज में पढ़े थे। यहां से वह पिता कैलाशपत सिंघानिया के पास मुंबई रहने चले गए थे। वहां पर आलीशान बंगले में रहने के बाद भी वह कनपुरिया यादें संजोए रहते हैं। जब-तब तीज-त्योहार में कानपुर आते थे तो बाबा आनंदेश्वर के दर्शन को परमट जाना नहीं भूलते थे। कमला क्लब में लाला कैलाशपत सिंघानिया स्मारक नेशनल बास्केटबॉल टूर्नामेंट में विजयपत कानपुर जरूर आते हैं।

12 हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति के मालिक रहे विजयपत सिंघानिया की गिनती प्रयोगधर्मी कारोबारी के तौर पर होती रही है। जवानी के दिनों में इन्होंने अपने कारोबार को बढ़ाने में ढेरों प्रयोग किए। पिता कैलाशपत सिंहानिया के न रहने पर अपने चचेरे बड़े भाई गोपालपत (सर पदमपत सिंहानिया के बेटे) के साथ मिलकर रेमंड कंपनी को दुनिया के सरताज ब्रांडों में शुमार कराया। गोपाल बाबू के दुनिया से रुखसत होने के बाद न सिर्फ रेमंड कंपनी को अकेले संभाला, बल्कि एक दर्जन से अधिक नई कंपनियां खोलीं।

जानिए, क्यों चर्चित हैं विजयपत बाबू

- 11 –24 दिन में पूरी की 34 हजार किलोमीटर की उड़ान – 67 साल की उम्र में सबसे ऊंचाई पर उड़ाया हॉट एयर बैलून – ऊंचाई पसंद थी इसीलिए बनवाया 36 मंजिला घर
- ऊंचाई पसंद थी इसलिए मुकेश अंबानी के एंटीलिया से भी ऊंचे घर पर रहे।
- विजयपत सिंघानिया ने 1980 में रेमंड कंपनी की कमान संभाली।
- 1990 में देश के बाहर ओमान में कंपनी का पहला विदेशी शो रूम खोला।
- 67 साल की उम्र में सबसे ऊंचाई पर उड़ाया हॉट एयर बैलून।

पांच आरोपियों की रिमांड मंजूर

सिपाही परीक्षा लीक कांड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मेरठ एसटीएफ को पांच दिन की मिली रिमांड
- आरोपियों को लेकर अहमदाबाद जाएगी एसटीएफ की टीम

अमृत विचार । उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले पांच आरोपियों की कोर्ट ने रिमांड स्वीकार कर ली है। गुरुवार सुबह एसटीएफ पांचों को रिमांड पर ले लेगी। इसके बाद एसटीएफ आरोपियों को गुरुग्राम के रिजॉर्ट और अहमदाबाद की टीसीआई कम्पनी ली जाएगी। आरोपियों से सवालों की सूची मेरठ एसटीएफ ने तैयार कर ली है। आरोपियों से रवि अत्री और राजीव नयन के बारे में जानकारी की जाएगी। माना जा था है कि इस रिमांड से कई और चेहरे बेनकाब होंगे।

एसटीएफ मेरठ इकाई के एएसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि जिन पांच आरोपियों का रिमांड मिली है, उनमें टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी के कर्मचारी मिर्जापुर के शिवम गिरि, भदोही निवासी रोहित पांडेय, प्रयागराज निवासी अभिषेक शुक्ला, बिहार निवासी डॉ. शुभम मंडल और मोनू हैं। कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड दी है। एसटीएफ गुरुवार सुबह जिला जेल मेरठ से पांचों को अपनी कस्टडी में ले लेगी। एसटीएफ पांचों आरोपियों को गाड़ी से सुरक्षा में अहमदाबाद ले जाया जाएगा। किस तरह से पेपर लीक किया गया, इसका क्राइम सीन दोहराने के समय वीडियोग्राफी की जाएगी। इसके अलावा गुरुग्राम के जिस रिजॉर्ट में एक हजार के करीब अभ्यर्थियों को पेपर लीक कराया गया था, उसका भी निरीक्षण किया जाएगा। एएसपी ने बताया कि कंकरखेड़ा थाने में दर्ज रिपोर्ट में जेल गए आरोपियों की संपत्ति भी खंगाली जा रही है। इन सभी के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी। आरोपियों का दूसरे राज्यों के लोगों से कनेक्शन भी खंगाला जा रहा है। माना जा रहा है कि आरोपी दूसरे राज्यों में भी पहले कई परीक्षाओं के पेपर लीक करा चुके हैं। एएसपी ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं ताकि उन्हें जल्द जमानत न मिल सके।

ये है मामला

उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही भर्ती की दो पाली की परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। इस मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी। जांच के बाद खुलासा हुआ कि अहमदाबाद स्थित टीसीआई ट्रांसपोर्ट कंपनी से पांच और आठ मार्च को पेपर लीक हुआ था। एसटीएफ इस मामले में 15 मुकदमे दर्ज कराकर 54 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। गिरोह के मुख्य आरोपी रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा अभी फरार चल रहे हैं।

नाप्राप्यमभिवाञ्छन्ति नष्टं नेच्छन्ति शोचितुम्।
आपत्सु च न मुह्यन्ति नरा : पण्डितबुद्धय : ॥

जो व्यक्ति दुर्लभ वस्तु को पाने की इच्छा नहीं रखते, नाशवान वस्तु के विषय में शोक नहीं करते तथा विपत्ति आ पड़ने पर घबराते नहीं हैं, डटकर उसका सामना करते हैं, वही ज्ञानी हैं।

संपादकीय

प्रधानमंत्री की भूटान यात्रा

लोकसभा चुनाव प्रचार के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर भूटान जा रहे हैं। इस दौरान वह भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और उनके पिता जिग्मे सिंग्ये वांगचुक (भूटान के पूर्व नरेश) से मुलाकात करेंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों को पारस्परिक हित के द्विपक्षीय एवं क्षेत्रीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान करने और दोनों देशों के लोगों के लाभ के लिए हमारी अनुकरणीय साझेदारी को विस्तारित एवं मजबूत करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगी। यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित रूप से होने वाली उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा और सरकार की 'पड़ोसी प्रथम की नीति' पर जोर देने की कवायद के अनुरूप है। चीन के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री की इस यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भूटान पारंपरिक तौर पर भारत के करीब रहा है। भारत और चीन भूटान में अपने सामरिक और सीमाई हित देखते हैं। बीते सालों में भूटान में भारत से निर्भरता घटाने और अपने हितों में विस्तार के लिए इतर भी संभावनाएं तलाशने पर राय बन रही है। भूटान भारत और चीन के मध्य अवस्थित है। चीन ने हाल के दशकों में वैश्विक स्तर पर तरक्की की है और भूटान पर उसके साथ सीमा विवाद को सुलझाने का दबाव बढ़ रहा है। भूटान चीन के साथ 477 किमी का बॉर्डर साझा करता है। चीन 1961 से ही भूटान के एक इलाके पर दावा करता आ रहा है। भूटान और चीन 1984 से सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

इस बीच भूटान ने अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखते हुए भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ किए और चीन के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने का मार्ग अपनाया। चीन और नेपाल की नजदीकियां सामरिक और व्यापारिक तौर पर बढ़ी हैं तथा चीन अपने पूर्वी तट से भी सामरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में भूटान को अपने आंतरिक घेरे में लेने की चीन की कवायद गौर करने लायक है। जबकि भूटान की विकास परियोजनाओं का भारत ने न सिर्फ खाका खींचा है, बल्कि उनमें भारी निवेश भी किया है। भारत ने भूटान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। अपनी तरफ से भारत भूटान का सबसे बड़ा विकास साझेदार बना रहेगा। विश्लेषकों के मुताबिक यह यात्रा दोनों पक्षों को अनूठी साझेदारी में प्रगति की समीक्षा करने और भारत भूटान के बीच मित्रता व सहयोग के स्थायी संबंधों का विस्तार करने के तरीकों साधनों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगी।

अभी बहुत दूर है लोकतंत्र की मंजिल

डॉ. राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

> भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है।

> राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था।

अभी हम लोकतंत्र के मार्ग पर चल रहे हैं, फिर भी लोकतंत्र की मंजिल अभी बहुत दूर है। रास्ते में अनेकानेक रुकावटें और बाधाएं आ रही हैं और हमारा संघर्ष उन बाधाओं से चल रहा है, लेकिन हम लोकतंत्र के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। ये बाधाएं और रुकावटें बहुत ही शक्तिशाली हैं। सामंती मानसिकता हो या व्यक्ति और वर्ग के स्वार्थ हों। कदम-कदम पर कांटों की तरह चुभते हैं। कोई दल ऐसा नहीं, जहां जनता के प्रति निष्ठा का महत्व हो। कहने को तो सभी यही कहते हैं कि हम जनता के सेवक हैं और जनता के लिए प्राण न्यौछावर कर देंगे, किंतु वास्तविकता यह है कि प्रत्येक दल में नेता या सुप्रीमो के प्रति व्यक्तिगतनिष्ठा का महत्व है। नेता के जयजयकार और यश-गायन से ही मेवा मिलती है तो कोई जनता की सेवा भला क्यों करेगा?

हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी समस्या है, लोक से अपरिचय। लोक के प्रति हमारे शासकों का अंग्रेजों के जमाने से चला आया नजरिया। महात्मा गांधी ने भारत की पैदल यात्राएं भी कीं, लोक को जगाया और लोकमानस में जगह बनाई, लेकिन उनके बाद लोक संपर्क के सरकारी विभाग बन गए। चुनाव के समय जनता में गए जरूर पर लोकजागरण के लिए नहीं, भ्रमित करके वोट पाने के लिए। अनेक देशों में लोकतंत्र का विस्तार और उसकी प्रकृति को समझने के लिए विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग हैं। भारत के अधिकांश विश्वविद्यालयों में लोकवार्ता के स्वतंत्र विभाग नहीं हैं।

हमारे लोकतंत्र की समस्याओं के समाधान का रास्ता विदेशों से होकर आता है। विशेषज्ञों के दल विदेशों में जाते रहे हैं, अभी भी जाते हैं। वे कुछ शब्द विदेशों से आयात कर के ले आए, लोकतंत्र के प्रतिनिधियों ने कमर कस ली कि भारत के लोकतंत्र को इन शब्दों के चौखटे में जड़ के ही मानेंगे। हथौड़ा चला रहे हैं, परेशान हैं कि भारत का लोकतंत्र इन शब्दों के चौखटे में क्यों नहीं आता? दूसरों को देखकर हम चलना सीख सकते हैं, दूसरों के पैरों से नहीं चल सकते। चलने के लिए पैर भी अपने होंगे और रास्ता भी अपना होगा। ग्लोबल युग है तो संसार के देशों से मेलजोल, आदान-प्रदान जरूरी है, होगा। विशेषज्ञों के दल आएंगे और जाएंगे, ठीक है, सवाल यह है कि क्या किसी एक विशेषज्ञों के दल ने भी इस विशाल देश के लोगों के जीवन में गहरे स्तरों पर पंहुचकर लोकमानस की विषमताओं, विडंबनाओं, संगतियों, विसंगतियों, आस्थाओं, कल्पनाओं, सपनों को समझने का कोई एक भी सच्चा और योजनाबद्ध प्रयास किया?

राष्ट्रीय आंदोलन पर विचार करें तो महात्मा गांधी ने पहचान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत लोक चेतना में होता है। उन्होंने जनता को जनार्दन कहा था। कहा ही नहीं था, हृदय से स्वीकार किया था। यह विश्वास उनके चिंतन का और सत्याग्रह आंदोलन का आधार था। उन्होंने जान लिया था कि जनता उनको शासक मान रही है, तभी तक वे शासक हैं, जिस क्षण जनता उनको अस्वीकार कर देगी, उसके बाद वे शासक नहीं रह जाएंगे। इसलिए उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया। नमक कानून को तोड़ना तो एक प्रतीक भर था, लेकिन यह साम्राज्य को एक चुनौती थी। हम तुमको और तुम्हारे कानून को अस्वीकार करते हैं, तुम्हारी अवज्ञा करते हैं, हम तुमसे अब नहीं डरते। लोगों का मन बदल गया, लोग निर्भय हो गए। शासक भय दिखाकर शासन करता है, किंतु जब उसके सामने यह चुनौती आ गई कि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है। भय समाप्त, शासन समाप्त। भारत छोड़ो आंदोलन वाले दिन गांधीजी ने बतला दिया कि संप्रभुता के स्रोत तुम स्वयं हो। तय कर लो कि अब अंग्रेज तुम्हारे शासक नहीं हैं।

भारत के संविधान की अवधारणा स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आंदोलन का प्रतिफल है। स्वतंत्रता का आंदोलन सत्ता-परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, वह लोकतंत्र का आंदोलन बन चुका था। राष्ट्रीय आंदोलन ने लोकतंत्र के मूल्य विकसित किए थे। उस समय वे मूल्य समूचे राजनैतिक-सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश में इस प्रकार व्याप्त थे कि कोई चाहकर भी उनकी उपेक्षा नहीं कर सकता था। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया और मान लिया कि संप्रभुता का स्रोत जनता है, लोक जीवन है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और आंदोलन शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। दूसरे महायुद्ध के बाद विश्वमेधा ने इस सत्य को जान लिया था और मान लिया था कि संप्रभुता का स्रोत जनता है। संसार के बहुत से विकसित और विकासशील देशों में किसी न किसी रूप में जनतंत्रात्मक समाज और जनतंत्रात्मक शासन प्रणाली का प्रारंभ हुआ। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारे राष्ट्रीय जीवन की सामजिक-राजनैतिक, सांस्कृतिक-आर्थिक-साहित्यिक समस्त गतियों का केन्द्र लोकजीवन है। विचार कीजिए कि क्या यह लोकतंत्र किसी राजा-बादशाह अथवा सम्राट ने कृपा पूर्वक दे दिया था। क्या यह लोकतंत्र एक दिन आसमान से बरस पड़ा था। क्या संविधान सभा ने किसी सनक या उत्तेजना में लोकतंत्र के मार्ग का वरण कर लिया था। वास्तव में लोकतंत्र लोक जीवन के युगयुगीन संघर्ष का प्रतिफल है। संप्रभुता राज सिंहासन या राजमुकुट में से नहीं निकलती, संप्रभुता का स्रोत तो लोकचेतना ही है। लोकमानस की स्वीकार्यता। लोकमानस अस्वीकार कर दे तो सम्राटों के सिंहासन भी हिल जाते हैं।

देशी हों या विदेशीः क्रूर राजाओं आक्रांताओं, दस्युओं, बादशाहों, सामंतों, जमींदारों ने क्या-कुछ कम जुल्म ढाए थे? लोक जीवन-लोक संस्कृति, लोक आस्था एवं लोकविश्वास को कुचलने में कोई कसर छोड़ी थी क्या? बार-बार निर्मम प्रहार किया, परंतु वे प्रहार करने वाले इतिहास के मलबे में दबकर खाद बन गए और विजयिनी लोक संस्कृति का विटप महक रहा है। संप्रभुता का स्रोत अस्त्र-शस्त्रों में नहीं होता। अस्त्र-शस्त्रों या सैन्यबल से कुछ समय के लिए जनता को दबाया तो जा सकता है, किंतु जैसे ही जनता अपनी एकता की शक्ति को पहचान कर खड़ी हो जाती है, तब वह सैन्य बल बिखर जाता है। संप्रभुता का स्रोत लोकचेतना में है। आज हम लोकतंत्र के युग में जी रहे हैं। हमारी आधारभूत समस्याओं का मूल है, तंत्र की लोक से अनपहचान। तंत्र में वे सभी बुद्धिजीवी भी हैं, जो लोक को अभी भी रैयत या प्रजा समझ रहे हैं।

एक न्यायमूर्ति के मुंह से तंत्र के मन की बात रपट पढ़ी थी, जब उसने कहा था कि देश की 90 जनता ईडियट है और क्या सामंतवाद के सींग होते हैं? यही वृत्ति उन शिक्षाशास्त्रियों की है, जो अपने राजनैतिक आश्रयों के मत-वाद को परम-तत्व के समान मानकर उनका साहित्यिक भाष्य करते रहे हैं।

प्रसंगवश

उम्र के जालिम जाल-फरेब

चंद्रभूषण
वरिष्ठ पत्रकार

लोगों की उम्र उनकी जन्मतिथि से निकाली जाती है। वैज्ञानिक दायरों में इसे समयबद्ध आयु (क्रोनोलॉजिकल एज) कहते हैं। इस नाप के साथ कुछ बुनियादी मुश्किलें जुड़ी हैं। पचास-पचपन साल का एक इंसान मजे से हाफ मैराथन दौड़ लेता है। जबकि उसी उम्र के दूसरे मनुष्य के लिए अक्सर बाजार से सब्जी लाना भी पहाड़ हो जाता है। इस फर्क को समझने के लिए जैविक उम्र (बायोलॉजिकल एज) की धारणा आई जिसका इस्तेमाल सेक्सोलॉजी, संतानोत्पत्ति और जीवनशैली से जुड़े चिकित्सा क्षेत्रों में किया जा रहा है, लेकिन इंसान की उम्र का खेल समझना उसकी शारीरिक बारीकियों में जाने से कहीं ज्यादा कठिन है।

क्या इस खेल में कुछ भूमिका उसके मन की भी होती है? यदि हां तो कितनी? इसे ठोस रूप में समझने के लिए आत्मगत आयु, सब्जेक्टिव एजिंग की शब्दावली चलन में आई जिसके दो पहलू हो सकते हैं। एक यह कि आप खुद को कितने साल का महसूस करते/करती हैं (फेल्ट एज) और दूसरा यह कि आप कितने साल के होना/दिखना चाहते/चाहती हैं (आइडियल एज)। इस बारे में कामकाजी आंकड़ें पूरी दुनिया में अभी केवल एक संस्था नॉर्वेजियन लाइफ कोर्स, एजिंग एंड जेनरेशन स्टडी (नोरलाग) के पास हैं जिसने सन् 2001 में 40 से 80 साल की उम्र वाले विविध संस्कृतियों और शैक्षिक स्थिति के कुल 6292 स्त्री-पुरुषों से फोन पर फॉर्म भराकर उनकी राय लेना शुरू किया और इस क्रम में 2002, 2007 और 2017 में यानी पहले एक, फिर पांच और दस साल के अंतर पर उनके आयु संबंधी सारे वस्तुगत और मनोगत ब्यौरे इकट्ठा किए।

दुनिया की कई नामी शोध संस्थाएं फिलहाल इन आंकड़ों पर काम करके महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाल रही हैं जिनमें सन् 2020 में आई कैंब्रिज यूनिवर्सिटी की एक स्टडी बहुत खास है। उम्र के उत्तरार्ध में पैदा होने वाली समस्याओं पर केंद्रित इसके विशद निष्कर्षों में एक यह है कि हर इंसान खुद को अपनी वास्तविक उम्र से छोटा महसूस करता है और उससे भी छोटा होना/दिखना चाहता है, लेकिन कमसिन होने की यह इच्छा जीवन को लेकर उसका असंतोष बढ़ा देती है। नतीजा यह कि उसके जीवन की गुणवत्ता और कम हो जाती है।

विलुप्ति की कगार पर कई वन्यजीव प्रजातियां

दीपक नौगांई
शिक्षक, नैनीताल

> हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों।

पहाड़ी क्षेत्रों के संदर्भ में विकास के कथित मॉडल को पहाड़ के लोगों के उत्थान से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन स्थानीय जैव विविधता से खेलकर बनाई जा रही सड़कें, बांध व कंक्रीट के बढ़ते जंगल दरअसल विकास की दोषपूर्ण अवधारणा की उपज है। हिमालय ने देश के उत्तरी भाग में जीवन और सभ्यता के विकास के लिए आवश्यक जलतंत्र की रचना सहित वन और जैव संपदा के विशाल भंडार से हमें नवाजा है, लेकिन बीते कुछ दशकों में हमने अपने हितों के लिए जिस बेरहमी से हिमालय और उसकी उपत्यकाओं से अंधाधुंध छेड़छाड़ की, उसी का परिणाम है कि आज कई वन्य जीवों की प्रजातियां या तो पूरी तरह से लुप्त हो गई हैं या फिर विलुप्ति की कगार पर हैं।

उत्तराखंड के संदर्भ में जिन पशु-पक्षियों के जीवन पर वन व वनस्पतियों के विनाश, मौसम परिवर्तन, जंगल की आग, हिम रेखा के सिकुड़ने, भोजन की कमी तथा वन तस्करों की बढ़ती सक्रियता के कारण संकट उत्पन्न हुआ है, उनमें हिमबाघ, गुलदार, कस्तुरी मृग, भालू, जंगली सुअर, काकड़, घुरड़, जंगली मुर्गी, मोनाल, चितराल, जंगली बिल्ली, खरगोश, चकोर, बटेर, मछलियों में महासीर आदि शामिल हैं। वन पक्षी एवं पशु संरक्षण अधिनियम, भारतीय वन अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम आदि कई कानून जंगल के जानवरों की सुरक्षा के लिए बने हैं, परंतु कथित विकास के सामने ये तमाम कानून बेअसर हैं।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रहे सड़क व बांध निर्माण तथा पर्यटन विकास के नाम पर हो रहे कार्यों से जहां पहले से ही अस्थिर भू-क्षेत्र में अनेक खतरे पैदा हो रहे हैं, वहीं कभी हजारों की संख्या में पाई जाने वाली विशिष्ट हिमालयी प्राणियों की नस्लें लुप्त होने को अभिशप्त हैं। हिमालय में मौसम परिवर्तन तथा वन्य क्षेत्र में मानव की बढ़ती दखलंदाजी की सर्वाधिक मार हिमबाघ पर पड़ी है। ऊपरी हिम आच्छादित क्षेत्र में हिमबाघ अब दिखाई नहीं देते। अस्सी के दशक में उत्तराखंड में छह हिमबाघ पाए जाने की सूचना वन विभाग के पास थी।

इसी तरह भागीरथी, मंदाकिनी व अलकनंदा के जल ग्रहण क्षेत्र में पाई जाने वाली जंगली बिल्ली व पैंथर भी अब दिखलाई नहीं देते। घटते वन क्षेत्र, नदियों से छेड़छाड़, अवैध अतिक्रमण तथा मानव प्रभाव से भयभीत ये वन्य जीव लुप्त होने को बाध्य हैं। यदि सरकार ने समय रहते गंभीरता से इनके संरक्षण के प्रयास किए होते तो ये जीव आज हिमालय के अपने प्राकृतिक आवासों पर विचरण रह होते। अनेक सुंदर हिमालयी जीव अपने को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन्हीं में से एक है, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तुरी मृग। इसकी नाभि में मौजूद सुगंधित कस्तुरी के कारण इसका बहुत महत्व है, पर यह कस्तुरी ही इस खुबसूरत जीव के विनाश का कारण बन रही है। एक कस्तुरी मृग से एक समय में 25 से 30 ग्राम कस्तुरी प्राप्त होती हैं जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लाखों में है। यही कारण है कि यह खुबसूरत मृग शिकारियों द्वारा मारे जा रहे हैं। कभी पहाड़ में इनकी अच्छी खासी संख्या थी, पर आज ये अंगुलियों में गिनने लायक रह गए हैं। जाड़ों में भारी हिमपात के कारण मृग निचले इलाकों में चले आते हैं और आसानी से मारे जाते हैं।

हिमालय की ऊंची पहाड़ियों में भूरा भालू और लाल लोमड़ी भी देखी गई थी, पर आज शायद ही कभी किसी को ये दिखलाई देते हों। सड़क निर्माण के लिए हो रहे विस्फोटकों की भयावह आवाज से भयभीत वन्य जीव पलायन को विवश है। प्रतिकूल परिस्थितियों को सहनकर जो विजयी है, वही जीवित भी है। जंगली बकरा भी विलुप्त होने के कगार पर है। यह बुरांस तथा बेतुला के वृक्षों से आच्छादित जंगल में रहना पसंद करता है, पर मानवीय हस्तक्षेप और हर साल जंगलों में आग लगने से कई वन्यजीवों की तरह यह जीव भी जल कर मरने को शापित है। अगर गुलदार और बाघ की बात करें तो ये नरभक्षी हो चले हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि जंगल में न तो इनके लिए सघन वन क्षेत्र रह गया है और न ही शिकार के लिए पर्याप्त जानवर। कहीं संसाधनों की कमी है तो कहीं मैनपावर की। एक अन्य रक्षित प्रजाति का जीव हिमालयी थार भी अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहा है। 90 से 100 सेमी ऊंचे इस जीव का वजन सौ किलो से अधिक होता है। यह भी अब विलुप्त हो रही प्रजातियों की सूची में है। अधिकांश वन्यजीव अब राष्ट्रीय अभयारण्यों तक ही सीमित होकर रह गए हैं। इनकी संख्या कम होती देखकर लगता है कि उजड़ना और खत्म होना ही वन्य जीवों की नियति बनकर रह गई है। यह क्रम जारी रहा तो एक दिन हिमालय की घाटियों में पशु-पक्षियों के कलरव व चहचहाट के स्थान पर केवल सन्नाटा ही सुनाई देगा।

सोशल फोरम

अब तो कहानी हो गई गौरैया

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

गौरैया! हां, जानी-पहचानी चिड़िया। एक जमाना था जब ढेर दिखती थीं। बिजली और टेलीफोन की लाइव लाइनों पर दूर तक एक लाइन से बैठीं दिखती थीं। मुंडेरों पर, खिड़कियों पर और आंगन में कपड़े सुखाने के लिए बंधी रस्सी पर भी।

घर से स्कूल जाने के रास्ते और फिर स्कूल में ढेर चिड़ियां इधर-उधर बैठी दिखतीं। कभी-कभी ऐसा भी होता कि मास्साब पढ़ा रहे होते और मैं ऊपर रोशनदानों में बैठी चिड़ियों के कार्यकलाप देख रहा होता था। मास्साब जाने कब आकर कान उमेठ कर डपट देते-ये चिड़ियां इम्तिहान पास कराने नहीं आएंगी।

दुमंजिले पर घर में एक स्टोर। उसकी खिड़की बाहर की ओर खुलती है। ये कभी-कभार ही खुलती। खिड़की के ऊपर के हिस्से में कांच था। एक दिन कांच थोड़ा सा टूट गया। यानी चिड़ियों के आने जाने के लिए पर्याप्त रास्ता बन गया। किताबों से भरे घर में और किताबें रखने की जगह कम पड़ गई तो पिताजी ने स्टोर में दो रैक टांगकर पुस्तकें भर दीं। चिड़ियों को मौका मिल गया। पुस्तकों के पीछे एक जोड़े ने तिनका-तिनका जोड़कर घौंसला बनाया। थोड़ी मदद मैंने भी कर दी। थोड़ी सूखी घास-फूस लाकर खिड़की पर रख दी। ताकि चिड़िया को तिनका बीनने दूर न जाना पड़े। फिर वो दिन भी आया कि चिड़िया का घोंसला पूर्ण हुआ। उसने अंडे दिए। कुछ दिन बाद उसमें से तीन बच्चे निकले। चिड़िया कहीं से दाना-दुनका चुग कर लाती। बच्चे मां की आहट पाते ही चीं-चीं करके शोर मचाना शुरू कर देते।

बच्चे थोड़ा बड़े हुए। चिड़िया मां ने उन्हें उड़ना सिखाया। चिड़िया का चिड़ा कुछ नहीं करता था। बस बैठा देखा करता था। एक दिन मैंने देखा तीन की जगह दो ही बच्चे हैं। एक पता नहीं कहां चला गया। मां ने आशंका जताई बिल्ली इधर-उधर घूमती रहती है। स्टोर बंद रखा करो। फिर वो दिन आया, बच्चे बड़े हो गए। उन्होंने अपना जोड़ा बना लिया। पुराना जोड़ा जाने कहां फुर्र हो गया। वक्त आगे बढ़ता रहा और उधर पेड़ों के साथ-साथ चिड़ियों की संख्या भी कम होती रही। आज मुझे दूर-दूर चिड़ियां नहीं दिखाई देती हैं। पेड़ भी कट गए हैं।

-फेसबुक वॉल से

पशु पालना स्वास्थ्य संबंधी मुसीबत को निमंत्रण

डॉ.धीरज सिंह
मुंबई

> पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वासनली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

आजकल जानवर पालने का फैशन सा चल पड़ा है। गांवों में रोजी-रोटी के लिए तो शहरों में आधुनिकता की आड़ में अभी यह फैशन चलन में बहुत है। सिर्फ कुत्ता या बिल्ली पालने का शौक होता तो गनीमत भी थी, लोग तो खरगोश, सफेद चूहा, कबूतर, तोता, गिरगिट तक पालने लगे हैं। इनके पालने से जानलेवा बीमारियों का खतरा बना रहता है। पालतू पशुओं से विभिन्न रोगों के मानव तक फैलने के रास्ते अलग-अलग हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, श्वास नली, आहारनाल, त्वचा और कीट।

पक्षियों का निमोनिया श्वांस नली के जरिए ही पक्षी से मानव तक फैलता है। किसी भी पक्षी से इस रोग का फैलाव होने की संभावना रहती है। बत्तख और हंस के जरिए तक यह रोग फैल सकता है। आहारनाल के जरिए टाइफाइड रोग फैल सकता है। अगर कोई आदमी अक्सर पशुओं को चूमता है तो उसे इस रोग का खतरा हो सकता है। श्लेषमा के जरिए पागल कुत्ते का रोग होने का खतरा होता है। पागल कुत्ते के काटने या बिल्ली के पंजे से चोट लगने के बाद मनुष्य के शरीर में रोग के विषाणु पहुंचते हैं। कुछ वैज्ञानिक शोध की माने तो कुत्ते-बिल्ली जैसे जानवर पालने वाले ज्यादातर लोग किसी न किसी उन बीमारीयों का शिकार/ ग्रसित हुए रहते हैं, जो पालतू जानवरों से आती है। पालतू बिल्लियों से एक बीमारी फैलती है जिसे वैज्ञानिक भाषा में "कैट स्क्रैच डिसीज" कहा जाता है, जो बिल्लियों की खरोंच से फैलती है, जरूरी नहीं है कि बिल्ली गुस्से में ही खरोंचे, वह आप से खेलते और प्यार जताते हुए भी खरोंच सकती है और इस बीमारी को फैला सकती है। पालतू जानवरों से इंसानों में "रिंगवर्म" जैसी बीमारी का खतरा कुछ ज्यादा ही होता है। यह बीमारी आम तौर पर कुत्तों के द्वारा फैलती है। घरों में कुत्तों के साथ सोने बैठने वाले लोगों में त्वचा संबंधित इस बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। यह एक प्रकार के फंगस की बीमारी है। त्वचा पर चकते, दाने और लगातार खुजली इसके प्रमुख लक्षण है। घरेलू पक्षी जैसे तोता, कबूतर, मैना पालने वाले लोगों को आम तौर पर "सिटाकोसिस" नामक बीमारी का खतरा बना रहता है। इसे पैरट फीवर भी कहते हैं, ये बीमारी संक्रमित पक्षी के शरीर से हवा के जरिए फैलती है और अगर हम भी उसी हवा में सांस ले रहे हैं तो बीमारी के वायरस नाक के जरिए हमारे फेफड़ों में पहुंच जाते हैं। बीमारी के लक्षणों में बुखार, डायरिया, सूखी खांसी और शरीर में ठिठुरन शामिल है। इस के लिए एंटीबायोटिक की खुराक लेनी पड़ती है वरना इसे नजर अंदाज करने पर लेने के देने पड़ सकते है।

भारत में दूध, दही के लिए गाय और मांस के लिए बकरी व ऊन के लिए भेड़ का पालन किया जाता है। एक बीमारी है, ब्रुसेलोसिस जो बीमार गाय, बकरी और भेड़ से होती है। आमतौर पर संक्रमित गायों या बकरियों का दूध पीने पर ये बीमारी हो सकती है, लेकिन अगर आप इन पशुओं को पालने के शौकीन हैं तो शरीर पर हुए हल्के-फुल्के जख्मों के जरिए भी इस बीमारी के बैक्टीरिया भीतर पहुंच जाते हैं। इसके लक्षण मौसमी फ्लू से मिलते-जुलते होते हैं। बूढ़े-बुजुर्ग लोगों को इससे सबसे ज्यादा खतरा होता है, क्योंकि इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर होती है। साल 2015 से 2018 में दक्षिण, उत्तर और यूरोप में "मैड काऊ डिजीज" फैली थी। तब मनुष्य ने अपनी जान बचाने के लिए ही लाखों गायों को बेवक्त ही गला काट दिया था। यह बेहद खतरनाक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जो मरीज की जान भी ले सकती है। पूरी दुनिया को दहशत जदाकर तब इस बीमारी नें सैकड़ों जानें ली थीं। रेबीज पालतू जानवरों से होने वाली सबसे खतरनाक बीमारियों में गिनी जाती है। वायरस से फैलने वाली ये बीमारी पालतू जानवरों में आसपास रहने वाले जंगली जानवरों से आती है और जानवरों की सफाई के दौरान इंसानी शरीर में इसके वायरस प्रवेश कर जाते हैं। याद रखें असावधान होकर पशु पालना जहरीला सांप पालने के बराबर है। सांप काटेगा तो जहर ही निकलना है और जहर जानलेवा होता है।

व्यंग्य

सीटें आईं हैं

मृदुल पांडेय
सहायक अध्यापक

चुनाव की घोषणा हो गई है। छल-दंभ, द्वेष-पाखंड, झूठ-अन्याय से निस दिन लिप्त रहने वाला गाना प्रत्येक बोलेरो में सुनने को मिलेगा। सीटों का सवाल। हर पांच साल में सीट मिलती हैं। कहीं न कहीं कोई उस पर बैठता है। पंचवर्षीय सीटें पंचकोसी परिक्रमा के बाद प्राप्त हो जाती हैं। दूर से दिखने में कठिन लगता है, पर सीटें मिलना आसान है। जनता है किसी न किसी को सीट दे ही देती है। खुद हमेशा अपने पैरों पर खड़ी रहती है। पैरों पर खड़े रहना काफी अच्छा बताया गया है। खासकर अगर पैर खुद के हों, जो अपने पैरों पर खड़ा है, वो होनहार है।

कहावतें कितनी झूठी बना दी गई हैं। होनहार वो है, जो खुद बैठा रहे और दूसरों को खड़ा रखे। शायद इसीलिए बड़े-बड़े ऑफिसों में साहब के आगे सिर्फ दो कुर्सी होती हैं। खैर अब सीटों का बंटवारा होगा। कुछ सीटें इधर जाएंगी, कुछ उधर जाएंगी। सीटों के पैर होते हैं। हर पांच साल में कहीं न कहीं भागदौड़ लगाती रहती हैं, लेकिन कुछ सीटें हैं, जो जल्दी नहीं मिलती। सत्तर सालों में तो नहीं मिली। इनको पाने में बहुत मशक्कत है। पहले प्रधान के घर जाना पड़ता है, प्रधान ब्लॉक भेजता है, ब्लॉक जिले पर भेजता है और जिला फिर वापस स्कूल। हां, ये प्राथमिक विद्यालय की सीटें हैं जिसको पाना सांसद की सीट पाने से मुश्किल काम है। क्योंकि इस पर विधायक नहीं बैठते, सांसद नहीं बैठते, अधिकारी नहीं बैठते। खेत मे हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले हल्कू का लड़का बैठता है, शहर जाकर 500 रुपये की दिहाड़ी करने वाले आत्माराम की बिटिया बैठती है। बप्पा को खेत में काम पर सीट नहीं मिली और उनके संतानों को स्कूल में। यही बप्पा-अम्मा हर पांच साल में सबको एक-एक करके सीट देते हुए आएं हैं और इनका खुद का भविष्य जाड़ा-गर्मी बरसात में चटाई पर बैठ सरस्वती की उपासना कर रहा है। क्या किसी को कभी खाक मतलब रहा है? भारत जहां चुनाव को पर्व माना जाता है, वहां सीटें प्रसाद हैं, जो गिन-गिन कर लोगों को दी जाती है। ऐरे गैरे बच्चों को बैठने के लिए नहीं। ऊपर बैठे लोग भी जानते हैं, अगर इनको बचपन में ही सीटें दे दी गईं तो शायद ये हर जगह सीट की ही मांग करेंगे। फिर उनको विश्वविद्यालय में भी सीट चाहिए होगी, नौकरी की भी सीट चाहिए होगी, चुनाव में भी सीट चाहिए होगी। सीट की आदत ही ऐसी है कि अगर लग जाए तो आदमी बिना सीट के नहीं रह पाता। फिर क्यों न उसे कुछ भी करना पड़ जाए। इसलिए इनको सीट नहीं देना है, पर सीटें आई हैं सत्तर साल बाद ही सही सीटें आई हैं। लड़-झगड़कर ही सही। बच्चे खुश हैं। अपनी सीटें ढो रहे हैं। रिक्शे से क्लास तक ले जा रहे हैं। ललचाई आंखो से देख रहें हैं। साफ कर रहे हैं। बंटवारा कर रहे हैं। इनका बंटवारा चुनाव की सीटों से ज्यादा कठिन है, क्योंकि ये पूरा ख्याल रखा गया है कि सीटें पर्याप्त न हों, सबको सीट न मिल सके, कुछ न कुछ कमी जरूर रखनी है। देश के बच्चों में एडजस्ट करने की आदत बचपन से ही डालना है। इसलिए सीट सिर्फ इतनी हों कि लटक-लटक कर एक पर चार-पांच बैठ सकें। किसी स्कूल में सिर्फ कुछ क्लास के बच्चे ही बैठ सकें। ताकि उनको अपने कर्तव्यों का अहसास हमेशा बना रहे कि उनको बस एडजस्ट करना है। आधे में लटकना है और दिखावा करना है कि उनके पास भी सीट हैं। भारत सीटों का देश है और सीटें आईं हैं।

एक नजर

पहले व दूसरे चरण के मतदान के लिए ईवीएम का किया गया परीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में पहले व दूसरे चरण के मतदान के लिए तैयारी तेज कर दी है। आयोग के निर्देश पर दोनों चरणों से संबंधित जिलों में ईवीएम का रैंडमाइजेशन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने वर्चुअल बैठक कर संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारियों को मतदान की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सम्बन्धित जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों व ईवीएम प्रभारी से सम्बन्धित तकनीकी टीम को प्रथम रैन्डमाइजेशन की प्रक्रिया सुचारू रूप से सम्पन्न कराये जाने व उसकी तैयारी से सम्बन्धित अन्य आवश्यक निर्देश दिए गए।

आरोपों से घिरे एडी की जांच करेगा निदेशालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ पशुपालन विभाग के कर्मियों को प्रताड़ित करने का मामला

अमृत विचार : पशुपालन विभाग में तैनात एक अपर निदेशक पर चिकित्सकों से वसूली और कर्मचारियों से उत्पीड़न का आरोप है। मामला निदेशालय पहुंचा तो निदेशक आरएन सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने भी कार्रवाई की बात कही है।

राजकीय पशु चिकित्सालय बीकेटी में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मी राजेंद्र का आरोप है कि पिछले माह एक अपर निदेशक ने धमका कर सादे पेपर पर हस्ताक्षर कराए और मुख्यालय से संबद्ध कर घर पर एक सप्ताह तक चौका-बर्तन व अन्य कार्य कराए। संबद्धीकरण गलत होने के कारण वह अस्पताल लौट आए। इस पर धमकी दी और वेतन रोकने के निर्देश दिए। उत्पीड़न की शिकायत पशुधन मंत्री, प्रमुख सचिव, विशेष सचिव व निदेशक से की। मंगलवार को निदेशक आरएन सिंह ने संज्ञान लिया और अपर निदेशक की गोपनीय जांच की। जांच में एक महिला कर्मी का उत्पीड़न समेत कई और बिंदु भी हैं। इससे पहले अपर निदेशक झांसी व अन्य जिलों में विवादों से घिरे रहे हैं। वहीं, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि शिकायत पत्र नहीं मिला है। इस मामले की निदेशक से रिपोर्ट लेंगे और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षक नियुक्ति के संपन्न साक्षात्कार निरस्त

अमृत विचार, लखनऊ : राजकीय व स्वशासी नर्सिंग कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया रोक दी गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सोमवार से केजीएमयू के कलाम सेंटर में शुरू हो चुके साक्षात्कार प्रक्रिया को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। जिसके बाद अभ्यर्थियों में निराशा व्याप्त हो गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने सूचना जारी करते हुए करीब 133 पदों के लिए होने वाले साक्षात्कार पर रोक लगा दी है। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होकर साक्षात्कार देने वालों में 18 मार्च को एसोसिएट व असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर साक्षात्कार संपन्न भी हो चुके थे। मालूम हो कि 18 मार्च से 22 मार्च तक विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार प्रस्तावित थे, दिन व पद वार अभ्यर्थियों को बुलाया जा चुका था, पहले दिन साक्षात्कार संपन्न भी हो चुके थे, ट्यूटर पर के लिए 20 से 22 मार्च तक साक्षात्कार होने थे।

जालौन, बरेली व कन्नौज अव्वल, 11 जिले फिसड्डी

योजना व परियोजनाओं की खराब प्रगति पर मुख्यमंत्री ने जताया असंतोष

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लखनऊ, गोरखपुर, रायबरेली, कानपुर नगर समेत अन्य जिलों की स्थिति खराब

अमृत विचार : सीएम-डैशबोर्ड में विभागों की प्रदर्शित फ्लैगशिप यानी महत्वाकांक्षी योजनाएं, परियोजनाएं व सेवाओं की मॉनीटरिंग की गई तो फरवरी में बेहतरी पर जालौन प्रथम, बरेली द्वितीय व कन्नौज को तीसरा स्थान मिला है। जबकि लखनऊ, गोरखपुर, रायबरेली, कानपुर नगर, औरैया, हापुड़, मेरठ, गाजियाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर व प्रयागराज का सबसे खराब प्रदर्शन होने पर बॉटम में रखा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 11 जिलों की खराब प्रगति पर संज्ञान लेकर असंतोष जताया है और प्रगति सुधार के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि सीएम-डैशबोर्ड से विभागों के पोर्टल एकीकृत किए गए हैं। इससे जो विभागों की प्रगति होती है, वह सीएम-डैशबोर्ड पर दर्शाती है। इसी आधार पर मॉनीटरिंग कर रैंकिंग दी जाती है। इसमें फर्जी आंकड़े दर्शाये नहीं जा सकते हैं, बल्कि पारदर्शिता आने से प्रगति सुधरने लगी है।

तकनीकी समस्या का मुख्यमंत्री कमांड सेंटर करेगा समाधान : शासन से सभी जिलाधिकारी को रैंकिंग की रिपोर्ट भेजी गई है। यह भी दर्शाया कि सीएम-डैशबोर्ड पोर्टल पर आईडी से जिले की मासिक रैंकिंग, योजना, परियोजना व सेवाओं को मिले अंक भी देख सकते हैं। पोर्टल में किसी तरह की कठिनाई होने पर मुख्यमंत्री कमांड सेंटर की प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के अधिकारी से समाधान के लिए संपर्क किया जा सकता है।

टॉप-10 जिलों को 10 में मिले ये अंक

पहला स्थान जालौन 8.64 अंक, दूसरा बरेली 8.52, तीसरा कन्नौज 8.48, चौथा अंबेडकरनगर 8.44, पांचवां सोनभद्र 8.31, छठा महाराजगंज व कुशीनगर 8.30, आठवां पीलीभीत 8.29, नौवां मुज्जफर नगर 8.28 व 10वें स्थान पर हरदोई को 8.25 अंक मिले हैं।

प्रयागराज और फतेहपुर सबसे पीछे

65वें स्थान पर रायबरेली को 10 में 7.43 अंक, 66 पर औरैया 7.42 अंक, 67 पर लखनऊ व हापुड़ 7.38 अंक, 69 पर मेरठ 7.22 अंक, 70 गोरखपुर 7.21 अंक, 71 पर गाजियाबाद व कानपुर नगर 7.20 अंक, 73 पर प्रतापगढ़ 7.12 अंक, 74 पर फतेहपुर 7.10 अंक व 75वें स्थान पर प्रयागराज को 7.02 अंक मिले हैं।

जातीय व धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेंगे राजनीतिक दल व प्रत्याशी

भारत निर्वाचन आयोग ने गाइड लाइन का कड़ाई से पालन कराने का दिया निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कोई भी राजनीतिक दल व प्रत्याशी जातीय व धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकेंगे। इसके साथ ही प्रत्याशी दूसरे प्रत्याशियों व दलों के नेताओं के निजी जीवन की आलोचना भी नहीं कर सकेंगे। आदर्श आचार संहिता के तहत इन गतिविधियों पर रोक रहेगी। भारत निर्वाचन आयोग ने इसका कड़ाई से पालन कराने का निर्देश दिया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में कोई दल या प्रत्याशी ऐसी किसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा, जो भिन्न-भिन्न जातियों और समुदायों, चाहे वे धार्मिक या भाषायी हों, के बीच विद्यमान मतभेद को और अधिक बिगाड़े या परस्पर घृणा उत्पन्न करे या उनके बीच तनाव उत्पन्न करे। कोई भी प्रत्याशी दूसरे दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की निजी जिंदगी संबंधी आलोचना करने से बचेंगे।

निर्वाचन के दौरान वोट हासिल करने के लिए किसी जाति या

आचार संहिता के संबंध में बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

▸▸ दूसरे प्रत्याशियों के निजी जीवन की आलोचना पर रहेगी रोक

संप्रदाय की भावनाओं के आधार पर कोई अपील नहीं की जाएगी। मस्जिदों, चर्चों, मंदिरों और पूजा के अन्य स्थानों का चुनाव प्रचार के मंच के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। सभी राजनीतिक दल और अभ्यर्थी ऐसी किसी भी गतिविधि जो भ्रष्ट आचरण व अपराध की श्रेणी में आते हैं, जैसे मतदाताओं को घूस देना, मतदाताओं को डराना-धमकाना, मतदाताओं का प्रतिरूपण करना, मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी के भीतर प्रचार करना, मतदान समाप्ति के पहले 48 घंटों की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना, और मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए परिवहन आदि की व्यवस्था करना जैसे कार्य नहीं करेंगे।

आदर्श आचार संहिता के दौरान शांतिपूर्ण स्थिति बनाये रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार का सम्मान किया जाएगा, फिर चाहे राजनीतिक दल और प्रत्याशी उसके विचारों या गतिविधियों से सहमत हों या न हों। कोई भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी अपने अनुयायियों को किसी व्यक्ति की अनुमति के बिना उसकी निजी भूमि, भवन, परिसर की दीवारों आदि पर झंडा लगाने, बैनर लटकाने, सूचना चिपकाने, नारा लिखने की अनुमति नहीं होगी।

दूसरे दलों में जाकर बाधा उत्पन्न करने वालों पर होगी कार्रवाई

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया, राजनीतिक दल और प्रत्याशी यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके समर्थक दूसरे दलों द्वारा आयोजित बैठकों और जुलूसों में न तो बाधा खड़ी करें और न ही उन्हें भंग करेंगे। किसी भी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता द्वारा अन्य दल द्वारा आयोजित सार्वजनिक बैठकों में मौखिक या लिखित रूप में प्रश्न पूछकर या अपनी स्वयं की पार्टी के पर्चे बांटकर अव्यवस्था उत्पन्न नहीं करेंगे। किसी भी दल द्वारा उन स्थानों के आसपास जुलूस न निकाला जाएगा, जहां दूसरे दल द्वारा बैठकें आयोजित की जा रही हो। किसी भी दल के द्वारा लगाए गए पोस्टर दूसरे दल के कार्यकर्ताओं के जरिए नहीं हटाए जाएंगे। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में डेढ़ हजार छात्रों की लटक गई छात्रवृत्ति

अमृत विचार, लखनऊ : कॉलेज की लापरवाही का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। प्रदेश में डेढ़ हजार छात्रों की छात्रवृत्ति लटक गई है। छात्रवृत्ति के लिए छात्र अब समाज कल्याण निदेशालय के चक्कर काट रहे हैं और अधिकारियों से फरियाद कर रहे हैं।

पिछले वर्ष अक्टूबर माह से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने का सिलसिला शुरू हुआ था। जनवरी में छात्रवृत्ति आवेदन के लिए दो बार तिथि भी बढ़ाई गई। पोस्ट मैट्रिक्स छात्रवृत्ति के लिए छात्रों ने पूरा विववरण भरकर आवेदन किया। आवेदनों को कॉलेज स्तर से सत्यापित करके दोबारा भेजा जाना था। छात्र और कॉलेज स्तर पर सत्यापित कर भेजे गए आवेदनों के प्राप्तांक में गड़बड़ी मिली। प्राप्तांक में गड़बड़ी मिलने पर समाज कल्याण निदेशालय ने छात्रों की छात्रवृत्ति रोक दी। वित्तीय वर्ष के अंतिम माह में छात्रवृत्ति का भुगतान निदेशालय से हो रहा है मगर डेढ़ हजार छात्र छात्रवृत्ति के लिए भटक रहे हैं।

समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि कॉलेज की गलती से छात्रों को परेशानी हो रही है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र से छात्रों का विवरण मांगा गया है। विवरण आने के बाद ब्योरा शासन को भेजा जाएगा। शासन से अनुमित मांगी जाएगी कि छात्रों की ओर से भरे गए विवरण को सही मानते हुए छात्रवृत्ति दे दी जाए। शासन से अनुमित मिलने पर ऐसे छात्रों को भुगतान किया जाएगा।

बदायूं हत्याकांड के बाद गर्मायी राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव की चल रही प्रक्रिया के बीच उत्तर प्रदेश की राजनीति बदायूं में दो बच्चों की हत्या पर गरमा गई है। समाजवादी पार्टी ने बुधवार को जहां इस घटना का संज्ञान लेते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सांप्रदायिक तनाव पैदा करवा रही है। वहीं भाजपा की तरफ से पलटवार करते हुए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री दानिश अली अंसारी ने सपा को ही कटघरे में खड़ा किया है।

भाजपा ने कहा कि सपा अपराधियों को संरक्षण देती है। पार्टी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बदायूं की घटना पर कहा कि योगी सरकार में अपराधियों के खिलाफ कठोरता से कार्रवाई हो रही है। बदायूं कांड में भी अपराधी के साथ पूरी कठोरता बरती गई है। इससे पहले बदायूं कांड पर सपा मीडिया सेल के अकाउंट से लिखा गया, 'भाजपा उत्तर प्रदेश में दंगा-फसाद, सांप्रदायिक तनाव खड़ा करके चुनाव जीतना चाहती है। इसी कारण से ऐसी घटनाओं को खुद अंजाम दिलवा रही। भाजपा के इशारे पर ही ऐसी वारदातें हो रहीं।'

इसी मुद्दे पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, 'सपा में नैतिकता नाम की कोई चीज बची है तो बदायूं मामले में राजनीति न करे, दो अबोध बच्चों की निर्मम हत्या की गई है। पुलिस कार्रवाई कर रही है। केशव ने इसी के साथ लोगों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील भी की।

जितनी तरजीह हिंदुओं को, उतनी मुसलमानों को भी

वहीं, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को बेगुसराय में रहते हुए बयान दिया कि, अब अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी समझ रहे हैं कि उनका जनाधार खिसक रहा है इसलिए अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। योगी सरकार में जितनी तरजीह हिंदुओं को मिली, उतनी ही मुसलमानों को भी मिली है। इसी बीच मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि प्रशासन से जो भी आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए वो की है। योगी सरकार कानून व्यवस्था के लिए जानी जाती है।

कानून व्यवस्था फेल: शिवपाल यादव

सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भी बदायूं घटना को दुखद बताते हुए पुलिस-प्रशासन से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, शिवपाल यादव बदायूं लोकसभा सीट से उम्मीदवार हैं। बुधवार को संभल दौरे पर रहते उन्होंने कहा कि सरकार अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की बात करती है लेकिन ऐसी घटनाओं से पता लगता है कि इस सरकार में कानून व्यवस्था फेल हो गई है। लॉ-एंड-ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त है।

चुनाव ध्यान में रखते हुए हज यात्रियों के फ्लाइट शेड्यूल बने

अमृत विचार, लखनऊ : सामाजिक कार्यकर्ता हाजी शिराज उद्दीन ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी को पत्र लिख कर इस बात से अवगत कराया कि मुख्य चुनाव आयोग ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 7 चरणों में चुनाव कराने का ऐलान किया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज फ्लाइट शेड्यूल संभावित है मई के माह से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जाने वाले हज यात्रियों के फ्लाइट शेड्यूल को लोकसभा चुनाव के मतदान की तिथियों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाए। इसके बाद भी यदि कुछ शहरों के हज यात्री छूट रहे हों तो उनके लिए चुनाव आयोग से कह कर अग्रिम मतदान सुविधा उपलब्ध कराने का कष्ट करें। इस पत्र की एक कॉपी निर्वाचन आयोग दिल्ली और हज कमेटी ऑफ इंडिया मुम्बई भी भेजी गई है।

तैयारी | एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने तैयार किए दो खास हर्बल गुलाल

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अवधपुरी के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं, वैज्ञानिकों ने गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर के चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है।

बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए।

▸▸ गुरु गोरखनाथ को अर्पित फूलों से भी बनाया हर्बल गुलाल औषधीय गुणों से परिपूर्ण

▸▸ संस्थान के निदेशक ने मुख्यमंत्री योगी को भेंट किए दोनों हर्बल गुलाल, मिली सराहना

मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा।

निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है। इसी के तहत, संस्थान द्वारा श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या के लिए बौहिनिया प्रजाति जिसे आमतौर पर कचनार के नाम से जाना जाता है, के फूलों से हर्बल गुलाल बनाया गया है।

त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष था कचनार

कचनार को त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष माना जाता था और यह हमारे आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की सुस्थापित औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल आदि गुण भी होते हैं। इसी तरह, गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल को तैयार किया गया है। इन हर्बल गुलाल का परीक्षण किया जा चुका है और यह मानव त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल है।

वर्ग पहेली-16

बाएं से दाएं

2.1. वह सफ़ेद या हलका पीला तरल पदार्थ जो गाय भैंस से प्राप्त होता है
3.1. खुरखुर शब्द होना 2. छूने में ऊबड़-खाबड़ या खुरखुरा लगना।
4.1. गोश्तख़ोर, मांसाहारी 2. 'निरामिषभोजी' का विलोम।
8. दे. तलुवा।
10.1. पेंदी 2. हाथ और पैर का तल 3. तलवा 4. तलछट।
11.1. चिह्न लगाने वाला 2. हिसाब लिखने वाला, आंकने वाला, मूल्य निरूपक 3. गिनती करने वाला, गणक 4. चिह्न या निशान लगाने का यंत्र।

ऊपर से नीचे

1. गंगा, भागीरथी।
5.1. वधिक, ज़ल्लाद 2. बहेलिया, चिड़ीमार।
6.1. धनुष 2. रुई धुनने वाला यंत्र, धुनकी।
7.1. दोस्त, मित्र, साथी 2. प्रेमी 3. पति।
9.1. मिट्टी के बरतनों पर चमक लाने के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक चमकीला रोगन या वार्निश 2. आग की लपट, लौ, ज्वाला, चिनगारी।

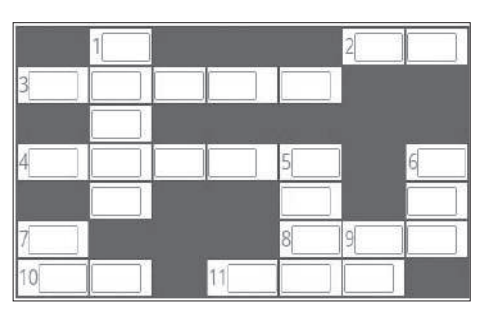

वर्ग पहेली -15 का हल

					1 सी	2 सा
3 अ	4 भ	या		5 चं		र
	ड़		6 पं	च	को	सी
7 म	क	ड़	जा	ल		
	दा		बी			8 पु
9 फ़ि	र	क़ा				छा
			10 स	नी	च	र

सुडोकू-95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू -94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 मार्च, गुरुवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-द्वादशी 22 मार्च 04.44 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

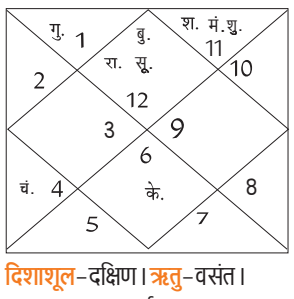

दिशाशूल-दक्षिण। ऋतु-वसंत। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ। ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-अश्लेशा 22 मार्च 01.27 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज आपको बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। उच्च अधिकारी आपकी निष्ठा की सराहना करेंगे। दोस्तों के साथ मौज-मस्ती भरा समय बितायेंगे। आपके विचारों को समाज में ख्याति मिलेगी। विपरीत परिस्थितियों का सामना मजबूती से करें।

वृष — आज धन-सम्मान और कीर्ति में वृद्धि होगी। दिखावे की प्रवृत्ति से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। आपके मन में एक साथ कई सारे विचार जन्म लेंगे। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ सकती है।

मिथुन — आज अपनी जीवनशैली में बदलाव ला सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में आनंद बढ़ेगा। धन कमाने के नए स्रोत मिल सकते हैं। मित्रों के साथ बैठकर चर्चा करेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी उन्नति होने के योग बन रहे हैं।

कर्क — आज आप एकांत में रहने का प्रयास करेंगे। व्यापार की परिस्थितियों में सुधार होगा। किसी परिजन के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी हो सकती है। मांसपेशियों में जकड़न होने की संभावना है। प्रेम संबंधों को विवाह की सहमति मिल सकती है।

सिंह — आज दिन की शुरुआत आपके लिए शुभ नहीं रहेगी। निजी रिश्तों को लेकर तनाव में आ सकते हैं। हिंसात्मक विचारों से आपको बचना चाहिए। जॉब में लक्ष्य को समय को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को नुकसान हो सकता है।

कन्या — आज क्रोध के कारण आपके काम बिगड़ सकते हैं। वाहनों के प्रयोग में सावधानी रखें। परिवार के सदस्य आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। इसका दबाव भी आपके ऊपर काफी ज्यादा रहेगा। कारोबार को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

तुला — आज व्यापार में नए सौदे कर सकते हैं। जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेंगे। करियर में आप बदलाव का विचार बना सकते हैं। लोग आपकी प्रतिभा के कायल रहेंगे। आपको कोई प्रपोज कर सकता है।

वृश्चिक — आज पिता आपके प्रति गर्व का अनुभव करेंगे। परिजनों के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। लव लाइफ का तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। बड़े अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु — आज आपके मन में यह धारणा उत्पन्न हो सकती हैं कि लोग आपसे झूठ बोल रहे हैं। बेकार की बातों में अपना समय बर्बाद न करें। परिजनों से किसी कारण बहस हो सकती है। करियर में उतार-चढ़ाव की सम्भावना है।

मकर — आज आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें। महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर दुविधा की स्थिति उभर सकती है। यदि आप कुछ नया सीखने के इच्छुक हैं तो समय बेहतरीन है। अप्रिय व्यक्तियों के कारण आपका मूड खराब हो सकता है।

कुंभ — आज कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। आपका आत्मविश्वास आपके लिए काफी सहयोगी रहेगा। नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से उत्तम है। आय के कई स्रोत बन सकते हैं।

मीन — आज अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर प्राप्त होगा। आप किसी सहयोगी कर्मचारी के ऊपर कुपित हो सकते हैं। अहंकार के कारण आपसे मित्र एवं संबंधी दूर हो सकते हैं। अनुभवी व्यक्ति आपका सही मार्गदर्शन कर सकते हैं।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- आखरी गुलाम — दोपहर : 12.00
- जख्मी सिपाही — रात : 07.00

SONY MAX
- सूरमा — सुबह : 09.52
- पीकू — रात : 07.00

SONY PIX
- रश ऑवर 3 — सुबह : 09.21
- द वॉटर हॉर्स — रात : 09.00

ZEE CINEMA
- सरफरोश — सुबह : 09.15
- घायल : वन्स अगैन — रात : 08.55

colors CINEPLEX
- आरक्षण — सुबह : 11.25
- देवदास — रात : 07.04

आज की सुपरहिट फिल्म

सोनी मैक्स पर रात : 07.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

एक लड़का स्कूल से जल्दी घर आ गया।
दादा- क्या हुआ बेटा, तुम बहुत जल्दी घर आ गए।
लड़का- हां दादा, मैंने एक मच्छर को मारा तो टीचर ने भगा दिया।
दादा- तुम सच बोल रहे हो, एक मच्छर मारने के लिए स्कूल से भगा दिया।
लड़का- मच्छर टीचर के गाल पर बैठा हुआ था।

टीचर- क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए?
मोटू- क्योंकि पता नहीं एग्जाम में कब किसके पीछे बैठना पड़ जाए।
मोटू की बात सुनकर टीचर की बोलती हो गई बंद।

बाहुबल के साए में चुनाव, अब बीते दिनों की बात

चुनाव प्रभावित करने वाले कई बाहुबली जेल में, योगी सरकार ने खत्म किया बाहुबलियों का दबदबा

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचार। यह पहली बार है कि 2024 का लोकसभा चुनाव बाहुबलियों के बगैर होने जा रहा है। दूर-दूर तक कोई बाहुबली मैदान में नहीं दिख रहा है। आलम यह है कि चुनावों को प्रभावित करने वाले बाहुबली भी अपने-अपने क्षेत्रों से गायब हैं। ज्यादातर बाहुबली या तो जीवित नहीं हैं या फिर जेलों में बंद हैं। ऐसे में 2024 का चुनाव नजीर बनेगा। जाहिर है सरकार ने वादे के अनुरूप प्रदेश में बाहुबलियों का साम्राज्य लगभग खत्म कर दिया।

प्रदेश के कई बड़े अपराधी, जो चुनाव में देते थे दखल

चार बार से ज्ञानपुर सीट से विधायक रहने वाले बाहुबली विजय मिश्रा का कद इतना बड़ा था कि वह मोदी लहर में भी चुनाव जीते। विजय का कद इतना बड़ा था कि आसपास की सीटों पर भी प्रभाव पड़ता था। योगी सरकार आने के बाद विजय मिश्रा के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने की छूट मिली। इस समय विजय मिश्रा जेल में हैं और राजनीतिक रूप से भी प्रभावहीन हो चुके हैं।

मुख्तार अंसारी का जरायम की दुनिया में बड़ा नाम है। मुख्तार मऊ निर्वाचन क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे, जिसमें दो बार बसपा के टिकट पर जीते। एक वक्त था जब मुख्तार को टिकट देने के लिए विभिन्न पार्टियां बेचैन रहती थी, क्योंकि मुख्तार जीत की गारंटी थे। जलवा इतना कि मुख्तार के वरदस्त पर कई मऊ के कई विधानसभा सीटों पर जीत तय होती थी। इन दिनों मुख्तार सजायाफ्ता हैं। किसी भी पार्टी में दखलंदाजी नहीं है।

माफिया और नेता रहे अतीक अहमद तत्कालीन इलाहाबाद और फूलपुर में खासा दबदबा रहता था। अतीक इलाहाबाद पश्चिमी सीट से लगातार पांच बार विधायक चुने गए। 14वीं लोकसभा के लिए समाजवादी पार्टी ने फूलपुर से उम्मीदवार चुना। अतीक अहमद का कद इतना बड़ा था कि वह जेल से चुनाव लड़ते और जीतते थे। अप्रैल 2023 में एक गोलीकांड में अतीक की हत्या होने के बाद इलाहाबाद और फूलपुर बाहुबल की राजनीति से पूर्णतया मुक्त हो गया।

तीन बार विधायक और दो बार सांसद रहे यूपी के टॉप टेन माफिया रिजवान जहीर का दबादबा भी लगभग खत्म हो गया। रिजवान जहीर के दबदबे का आलम यह था कि एक समय उन्होंने सपा मुखिया रहे मुलायम सिंह यादव को भी चुनौती दे डाली थी। बसपा, कांग्रेस और सपा में भी प्रभाव रहा। रिजवान के बुरे दिन तबसे शुरू हुए जब यूपी में योगी के नेतृत्व में सरकार बनी। योगी सरकार में रिजवान का नाम यूपी के टॉपटेन माफियाओं में था। सरकार की कार्रवाई में ही रिजवान के राजनैतिक कॅरियर का लगभग अंत हो गया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में छात्रसंघ की राजनीति में दखल से धनंजय सिंह का राजनैतिक कॅरियर भी शुरू हुआ। 2002 से 2009 तक निर्दल रारी से विधायक रहे। 15वीं लोकसभा में बसपा के टिकट पर सांसद बने। धनंजय सिंह का जौनपुर संसदीय सीट व विधानसभा क्षेत्रों में दबदबा रहता था। हत्या, लूट जैसे अपराधों को अंजाम देकर धनंजय जरायम की दुनिया में पहुंचे थे। 2024 के चुनावों में ताल ठोकने की तैयारी कर रहे थे, तभी अदालत के एक फैसले से जेल चले गए।

आजमगढ़ की राजनीति में बाहुबली रमाकांत यादव का दबदबा भी लगभग खत्म हो चुका है। जहरीली शराब पीने से 13 लोगों की मौत के मामले में बाहुबली अभी भी जेल में निरुद्ध हैं। रमाकांत यादव के रसूख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह आजमगढ़ सीट से चार बार सांसद रह चुके हैं। प्रदेश में सक्रिय लगभग सभी पार्टियां रमाकांत को टिकट देने के लिए आतुर रहती थी। लेकिन अदालती और कानूनी कार्रवाइयों ने रमाकांत के बाहुबल का लगभग खात्मा कर दिया।

पश्चिमी उप्र. की राजनीति में भी खत्म हुआ बाहुबल

पूर्वांचल ही नहीं बल्कि, पश्चिमी यूपी की राजनीति में भी माफियाराज इतिहास का विषय बन चुका है। यहां के माफियाओं में बदन सिंह, डीपी यादव, हाजी याकूब कुरैशी, सुनीर, यशपाल तोमर, अमरपाल उर्फ कालू, संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा, विनय त्यागी, एजाज, सुंदर भाटी, अमित कसाना, विक्रांत उर्फ विक्की जैसे माफियाओं का चुनावों में पूरा हस्तक्षेप रहता था। पुलिस अफसरों के मुताबिक उक्त अपराधी स्थानीय चुनावों को अपने हिसाब से प्रभावित करने में सक्षम थे। सरकार की कार्रवाइयों से यहां के माफियाराज का लगभग अस्त हो चुका है। पूर्वांचल में वृजेश सिंह, संजीव द्विवेदी उर्फ रामू द्विवेदी, अब्बास अंसारी पर भी खूब कानूनी कार्रवाई हुई। अदालतों ने भी सख्ती दिखाई।

कभी इनके चेहरे पर ही था चुनाव

इस बार न कल्याण न मुलायम

सक्रिय राजनीति में न होने के बावजूद भी समर्थकों में रहता था जोश

2021 में कल्याण व 22 में मुलायम की मृत्यु के बाद हो रहा पहला लोकसभा चुनाव

अजय दयाल, लखनऊ

अमृत विचार। इस बार के लोकसभा चुनाव में पीडीए बनाम एनडीए के चुनावी संघर्ष के अब तमाम चेहरों की गुटबंदी आमने-सामने है। एक गठबंधन 'पीडीए' के तो दूसरा 'कमण्डल' के साथ नजर आता है। अब जनता ही तय करेगी हर स्तर पर विकास का मुद्दा बड़ा या जाति और धर्म का?

बहरहाल, एक समय था जब कल्याण सिंह, मुलायम सिंह यादव और छोटे चौधरी कहे जाने वाले अजित सिंह के लिए लगने वाले नारे रोंगटे खड़े देते। जिसका जलवा कायम है, उसका नाम मुलायम है। कल्याण सिंह तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं। अजित सिंह आए हैं, हरित प्रदेश लाए हैं। हालांकि मौजूदा राजनीतिक हस्तियों को लेकर नारे अब भी लगते हैं लेकिन रोंगटे खड़े कर देने को आत्मसात नहीं होते।

बहरहाल, चुनावी बिगुल फुंकने के साथ उत्तर प्रदेश के राजनीतिक पटल पर सरगर्मी तेज है। भाजपा आत्मविश्वास से लबरेज है तो सपा उत्साहित। कांग्रेस कन्फ्यूज़ड है तो बसपा में रहस्मयी चुप्पी पसरी है। निकट भविष्य में सभी की राजनीतिक तकदीर लॉक होने को है। लेकिन इससे पहले होने जा रहे चुनावी संघर्ष में इस बार लगभग चार दशक तक अपनी रणनीतियों, तौरतरीकों, दांवपेचों से विरोधियों को पटखनी देने वाले मुलायम-कल्याण नहीं होंगे। अंतिम दिनों में भले दोनों हस्तियां सक्रिय राजनीति से दूर रहीं हों, पर उनके होने के एहसास मात्र ही दोनों दलों के एक बड़े समर्थक वर्ग के दिलो-दिमाग में राज करता था। उप्र. की राजनीति का अतीत देखें तो 90 के दशक से ही मुलायम और कल्याण इस राज्य की राजनीति के केन्द्र बिन्दु बने रहे। अगस्त 2021 में कल्याण सिंह तो अक्तूबर 2022 में मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया। सपा की स्थापना के बाद मुलायम की गैर-मौजूदगी में पार्टी का यह पहला चुनाव होगा। वहीं राम मंदिर निर्माण से भले भाजपा का बहुप्रतिक्षित एजेंडा पूरा हुआ हो पर इस अभियान के असल हीरो कल्याण की कमी तो खलनी स्वाभाविक है। वहीं, तीन दशक से हर लोकसभा चुनाव में भागीदारी करने वाले राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया रहे चौधरी अजित सिंह की भी मृत्यु मइर 2021 में हुई। अजित सिंह तो रहे नहीं लेकिन इस चुनाव में चौधरी खानदान का भी कोई चेहरा नहीं उतरेगा। उनके बेटे जयंत चौधरी इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रहे।

कल्याण सिंह को याद करें तो, नब्बे के दशक की शुरुआत में राजनीति का जो दौर था, उसे मण्डल और कमण्डल यानी आरक्षण और राम मंदिर आंदोलन के तौर पर जाना जाता है। देश भर में एक ओर मण्डल आयोग की सिफारिशों का समर्थन और विरोध चल रहा था, तो दूसरी ओर अयोध्या में राम-जन्मभूमि के लिए आंदोलन चल रहा था। मुख्यमंत्री थे मुलायम सिंह यादव। इस बीच भाजपा ने कल्याण सिंह को आगे किया। कल्याण सिंह ने एक साल में ही भाजपा को उस स्थिति में ला दिया कि पार्टी ने 1991 में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली। मुख्यमंत्री बनने के बाद कल्याण सिंह ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर का निर्माण करने के लिए शपथ ली थी।

...फिर भी नहीं बढ़ा मतदान प्रतिशत

2014 में मोदी लहर के कारण बढ़ा था मतदान प्रतिशत

अधिक मतदान के लिए चलाया गया अभियान

राजीव शुक्ला, लखनऊ

अमृत विचार: लोकतंत्र के महापर्व पर भीषण गर्मी के बीच मतदाताओं को मतदेय स्थलों तक ले जाना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। लोकसभा, विधानसभा और निकाय के चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर तमाम जतन किए जाते हैं मगर अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं आते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में 70 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य है। लक्ष्य हासिल होता है या नहीं यह तो भविष्य के गर्त में छुपा है और इसका जवाब 20 मई को मिलेगा।

किसी भी चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से दिशा-निर्देश दिए जाते हैं। इसके बाद प्रदेश और जिले स्तर पर इसका अनुपालन होता है। मताधिकारी को लेकर सबको जागरूक किया जाता है और चुनाव के दौरान बहुमूल्य मत का प्रयोग करने की अपील भी की जाती है। लगातार होने वाली इस कवायद के बाद भी मतदान प्रतशित में कोई खासी बढ़ोतरी नहीं हुई। 2004 और 2009 में हुए लोकसभा चुनाव में तमाम प्रयास करने के बाद महज दो प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जबकि 2014 के चुनाव में सत्ता के बदलाव की बयार बह रही थी और मोदी लहर के कारण मतदान प्रतिशत 53.1 प्रतिशत पहुंच गया था। जबकि 2019 के चुनाव में महज छह प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और मत प्रतिशत 59.11 रहा।

इस बार 70 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य है, 20 मई को पता चलेगा कितना बढ़ा मतदान प्रतिशत

घर से मतदान करेंगे 60 हजार मतदाता

संवाददाता, लखनऊअमृत विचार : लोकसभा चुनाव में मत प्रतिशत बढ़वाने के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग से लेकर राज्य और जिला स्तर तक की टीमें सक्रिय हो गई हैं। 85 वर्ष से अधिक के लगभग 60 हजार मतदाता इस बार घर बैठकर मतदान कर सकते हैं। खास बात यह है कि अगर कोई बुजुर्ग मतदाता अगर मतदेय स्थल तक जाना चाहते हैं तो उनके लिए प्रशासन की ओर से व्यवस्था कराई जा सकती है। बता दें कि चुनाव आयोग ने घर से वोट डालने की सुविधा सिर्फ बुजुर्गों और दिव्यांगों को दी है। 85 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग और 40% से ज्यादा दिव्यांग घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। दिव्यांग व्यक्तियों के पास डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट होना आवश्यक है। जिसमें इस बात का जिक्र हो कि डिसेबिलिटी कितने प्रतिशत है। जो बुजुर्ग अथवा दिव्यांग मतदाता घर बैठे वोट डालना चाहते हैं उन्हें केंद्रीय चुनाव आयोग के सक्षम एप पर इस विकल्प का चुनाव करना होगा। एप पर विवरण के साथ परेशानी भी बतानी होगी। लोकसभा क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के घर फार्म भिजवाया जाएगा।

विभिन्न आयुवर्ग के मतदाता

80-89 आयुवर्ग	90-99 आयुवर्ग	100-119 आयुवर्ग	120 आयुवर्ग से अधिक
5300	1189	48	01
4797	867	42	02
7789	1094	27	02
4721	597	27	02
5934	936	19	00
7894	1137	29	00
5732	978	07	00
4461	490	01	00
4937	1166	18	03

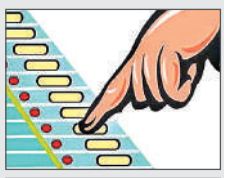

वर्ष मतदान प्रतिशत

2004	35.00
2009	37.00
2014	53.1
2019	59.11

रमाबाई अंबेडकर मैदान में बनेगा स्ट्रांग रूम

लखनऊ, अमृत विचार : लोकसभा चुनाव को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू कर दी है। रमाबाई अंबेडकर मैदान और रैन बसेरा में अधिग्रहीत किए गए कक्षों में ईवीएम ओर वीवीपैट रखे जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने रमाबाई अंबेडकर मैदान में कक्ष संख्या एक से दस, रमाबाई अंबेडकर मैदान मुख्यालय स्मारक समिति में कक्ष 11 एवं 12 को अधिग्रहीत किया गया है। इनमें ईवीएम और वीवीपैट रखे जाएंगे। साथ ही रैन बसेरा आशियाना में कक्ष संख्या 36 से 38 तक अधिग्रहीत किए गए हैं। इनमें प्रयोग में न आने वाली ईवीएम, महत्वपूर्ण अभिलेख और अन्य सामग्री रखी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से इसकी सूचना मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त और लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को भेजी गई है।

पहली बार मतदान को लेकर काफी उत्साहित हूं। लोकसभा चुनाव में वोट करने का मौका मिला है। मैं अपना वोट शिक्षा, बेरोजगारी और विकास पर ही करूंगी। जनपद में जो भी प्रत्याशी विकास को लेकर सजग होगा उसे ही मेरा वोट जाएगा। शिक्षा, बेरोजगारी, महिलाओं को सुरक्षा देने वाली सरकार चुनने के लिए मतदान करूंगी।

पूनम, सेन
पहितीपुर बाजार विधानसभा क्षेत्र कटेहरी अंबेडकरनगर।

बाहरी ही सुलतानपुर में खिला सके 'कमल'

अजय कुमार पांडेय, सुलतानपुर

अमृत विचार: सुलतानपुर लोकसभा सीट पर अब तक हुए चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय उम्मीदवारों पर बाहरी प्रत्याशी भारी पड़े हैं। बाहरी प्रत्याशियों ने जहां यहां पर कमल खिलाया है, वहीं स्थानीय प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा सके है।

सुलतानपुर लोकसभा सीट अधिकतर कांग्रेस के ही पास रही। इस बार उसका प्रत्याशी यहां नहीं है। इंडिया गठबंधन में सपा के पाले में यह सीट गई है। भगवा ब्रिगेड की बात करे तो 1991 में पहली सफलता अयोध्या के संत विश्वनाथ दास शास्त्री ने जीत कर यहां पर भाजपा का खाता खोला था। शास्त्री को 1,73,485 और निकटम प्रतिद्वंदी जनता दल के राम सिंह को 64,529 वोट मिले थे। 1996 और 1998 में भाजपा के उम्मीदवार बाबरी ध्वंस के समय फैजाबाद के पुलिस अधीक्षक रहे देवेंद्र बहादुर राय (डीबी राय) थे। 1996 में राय को 2,38,843 और निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के कमरुज्जमा फौजी को 1,20,559 वोट मिले। 1998 में राय को 2,69,9510 और डा. रीता बहुगुणा जोशी सपा के वोट 2,05,5030 थे।

1999 में भाजपा बिना लड़े ही मैदान के बाहर हो गई थी। उसके प्रत्याशी सत्यदेव सिंह (गोंडा) समय से नामांकन नहीं दाखिल कर सके थे। इस चुनाव में सुलतानपुर लोकसभा सीट पर बसपा से जयभद्र सिंह निर्वाचित हुए। 2004 और 2009 में भाजपा ने स्थानीय उम्मीदवारों को अवसर दिया। दोनों ही बार पार्टी चौथे स्थान पर रही। 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने स्थानीय उम्मीदवार डा. वीणा पांडेय पर भरोसा दिखाया तो वह 91,328 मत ही पा सकी। वहीं, बसपा के मो. ताहिर खान ने 2,61,564 मत पाकर दुबारा सुलतानपुर लोक सभा सीट बसपा के झोली में डाल दिया। 2009 के लोक सभा चुनाव में भाजपा ने फिर स्थानीय उम्मीदवार सूर्यभान सिंह को टिकट दिया। सूर्यभान सिंह 44,425 वोट पाकर चौथे स्थान पर रहे और जमानत जब्त हो गई। वहीं कांग्रेस के डा संजय सिंह 3,00,411 मत पाकर एक बार फ़िर यह सीट कांग्रेस के झोली में डाल दी। 2014 और 2019 में भाजपा की कामयाबी बाहरी उम्मीदवारों के जरिए मिली। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एक बार फिर पैराशूट उम्मीदवार वरुण गांधी को प्रत्याशी बनाया। वरुण गांधी 4,10,348 मत पाकर बसपा के पवन कुमार पांडेय को 1,78,902 मतों से हरा सुलतानपुर की सीट भाजपा के खाते में डाल दी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बिना कोई गलती किए मेनका संजय गांधी को प्रत्याशी बनाया। मेनका संजय गांधी 4,59,196 मत पाकर सपा समर्थित बसपा प्रत्याशी चंद्र भद्र सिंह को 14,526 मतों से हरा सीट भाजपा के खाते में डाल दिया।

---

33 साल से लखनऊ सीट नहीं हारी भाजपा

दिव्यभान श्रीवास्तव, लखनऊ

विश्लेषण

- लखनऊ और मोहनलालगंज सीट पर मतदान 5वें चरण में 20 मई को होगा
- लोकसभा की दोनों संसदीय सीट पर 39 लाख 53 हजार 287 मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

अमृत विचार : लखनऊ लोकसभा सीट की खासियत अलग है। यहां अटल बिहारी वाजपेयी का बोया बीज बरगद का रूप ले चुका है। इस सीट पर हर क्षेत्र के पुरोधा अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। मगर 33 साल से लखनऊ लोकसभा सीट भाजपा की झोली में है और इस बार भी चुनौती नहीं के बराबर है।

इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी लखनऊ मध्य से विधायक रविदास मेहरोत्रा जरूर दौड़ में हैं। सपा कैंडीडेट रविदास मेहरोत्रा सिर्फ एक सीट से विधायक हैं, जबकि राजनाथ सिंह लखनऊ की कई सीट पर बीजेपी उम्मीदवारों को जिता चुके हैं। मेयर सुषमा खर्कवाल भी बीजेपी की है, इसलिए राजनाथ सिंह का विस्तार रविदास मेहरोत्रा या इंडिया गठबंधन से निश्चित तौर पर ज्यादा है। उधर बसपा के लिए प्रत्याशी चयन ही संकट बन गया है। राजधानी लखनऊ में मतदाताओं ने भी बदलते दौर के साथ अपना मिजाज बदला, जिसके परिणाम भी चौंकाने वाले सामने आए। 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दो लोकसभा सीटें है। लखनऊ और मोहनलालगंज लोकसभा सीट। इन पर 20 मई को 5वें चरण में वोटिंग होनी है। दोनों संसदीय सीट पर 39 लाख 53 हजार 287 मतदाता हैं। 20 मई को कुल 1545 मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। दोनों संसदीय सीट पर 18 से 29 वर्ष के युवा मतदाताओं की संख्या 7 लाख 2 हजार 860 है।

वहीं मोहनलालगंज लोकसभा सीट पर बीजेपी ने कौशल किशोर पर फिर से भरोसा जताया है जबकि समाजवादी पार्टी ने पूर्व मंत्री आरके चौधरी को प्रत्याशी घोषित किया है। इस लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी होंगे। बसपा ने अभी लखनऊ की दोनों ही सीट पर प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है।

- इसमें सबसे अधिक युवा (18 से 29 वर्ष) मतदाताओं की संख्या लगभग 7 लाख 2 हजार 860 है

पहली जीत विजय लक्ष्मी को मिली थी

आजादी के बाद लखनऊ संसदीय सीट पर कुल 16 बार लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 7 बार भाजपा और 6 बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है। इसके अलावा जनता दल, भारतीय लोकदल और निर्दलीय ने एक-एक बार जीत दर्ज की है। पहले चुनाव में लखनऊ सेंट्रल से जहां मशहूर नेता विजय लक्ष्मी पंडित विजयी हुई थी वहीं लखनऊ-बाराबंकी सीट पर कांग्रेस के ही उम्मीदवार मोहन लाल सक्सेना को जीत मिली थी।

1991 में अटल बिहारी की जीत के बाद भाजपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा

लखनऊ लोकसभा सीट को बीजेपी का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर 1991 से बीजेपी का कब्जा है। भारत रत्न व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने पहली बार इस सीट को 1991 में जीतकर बीजेपी की झोली में डाल दिया था। जीत का सिलसिला अभी भी जारी है। भाजपा 8 बार लोकसभा चुनाव जीत चुकी है। जिसमें अटल जी 5 बार, लाल जी टंडन एक और राजनाथ सिंह दो बार सांसद चुने जा चुके हैं। राजनाथ सिंह 2014 और 2019 में रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीत चुके हैं। अटल जी ने 8 बार चुनाव लड़ा, जिसमें लगातार उन्हें 3 चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ लोकसभा सीट में कुल 5 लखनऊ पश्चिमी, उत्तरी, पूर्वी, मध्य और कैंट विधानसभा सीट आती है। 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 3 और सपा ने दो सीट जीती थीं। वर्ष 1967 के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी आनंद नारायण मुल्ला ने बाजी अपने नाम की। हालांकि1971 में शीला कौल ने कांग्रेस को जीत दिलाई। इसके बाद जनता पार्टी से हेमवती नंदन बहुगुणा सांसद रहे। हालांकि उन्हें हराकर शीला कौल लगातार दो बार सांसद रहीं। 1989 में जनता दल से मांधाता सिंह ने जीत दर्ज की, लेकिन 1991 में अटल बिहारी वाजपेयी के जीतने के बाद भाजपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लखनऊ सीट पर अब तक लोकसभा के सदस्य

नाम	वर्ष	दल
शिवराजवती नेहरू	1951-53	कांग्रेस
विजयलक्ष्मी पंडित	1953-57	कांग्रेस
पुलिन बिहारी बनर्जी	1957-60	कांग्रेस
बीके धवन	1962-67	कांग्रेस
आनंद नारायण मुल्ला	1967-71	निर्दलीय
शीला कौल	1971-77	कांग्रेस
हेमवती नंदन बहुगुणा	1977-80	लोकदल
शीला कौल	1980-84	कांग्रेस
शीला कौल	1984-89	कांग्रेस
मंधाता सिंह	1989-90	जनता दल
अटल बिहारी वाजपेयी	1991-96	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	1996-98	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	1998-99	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	1999-2004	भाजपा
अटल बिहारी वाजपेयी	2004-2009	भाजपा
लालजी टंडन	2009-2014	भाजपा
राजनाथ सिंह	2014-2019	भाजपा
राजनाथ सिंह	2019-2024	भाजपा

कौशल किशोर कर रहे जीत की हैट्रिक लगाने का हर संभव प्रयास

मोहनलालगंज सीट पर 1962 में पहली बार कांग्रेस ने चुनाव जीता था, कांग्रेस सबसे ज्यादा 5 बार चुनाव जीत चुकी है, लेकिन अब बीते 40 साल से जीत के लिए तरस रही है। बीजेपी और सपा ने 4-4 बार चुनाव जीता है। 1991 में लखनऊ लोकसभा सीट और मोहनलालगंज सीट पर बीजेपी ने एक साथ खाता खोला था। बीजेपी के छोटेलाल ने 1991 में चुनाव जीता था। 1998 में सपा ने पहली बार जीत दर्ज की थी। इस सीट से जनता दल और जनता पार्टी के कैंडिडेट 1-1 बार चुनाव जीत चुके हैं। बीजेपी कैंडिडेट कौशल किशोर कांग्रेस सांसद गीता देवी की बराबरी करने के लिए जीत की हैट्रिक लगाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसमें सिधौली, मोहनलालगंज, मलिहाबाद, बख्शी तालाब और सरोजनीनगर विधानसभा सीट शामिल हैं। यह सभी सीटें भाजपा के पास है।

एम बी हनीफा ने बनाई थी ईवीएम

- पांचवी बार ईवीएम के जरिए लोकसभा चुनाव होने जा रहा है। जिस भारतीय ईवीएम पर सवाल उठाए जा रहे हैं उसका आविष्कार 1980 में 'एम बी हनीफा' के द्वारा किया गया था। जिसे उसने 'इलेक्ट्रॉनिक संचालित मतगणना मशीन' के नाम से 15 अक्टूबर 1980 को पंजीकृत करवाया था। एकीकृत सर्किट का उपयोग कर "एम बी हनीफा" द्वारा बनाये गये मूल डिजाइन को तमिलनाडु के छह शहरों में आयोजित सरकारी प्रदर्शनियों में जनता के लिए प्रदर्शित किया गया था। अगस्त, 1980 में राजनीतिक दलों के समक्ष पहली बार प्रदर्शन के बाद आयोग ने इसके इस्तेमाल के निर्देश जारी किए थे। 1982 में केरल में हुए चुनाव में पहली बार ईवीएम का उपयोग हुआ। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इसे चुनौती मिलने के बाद चुनाव रद कर दिए गए। 1998 में चुनाव कराने के लिए इसके उपयोग पर सहमति बनी। मध्य प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के 25 विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम का उपयोग किया गया। 2004 के लोकसभा चुनावों में पहली बार देश के सभी 543 निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम का उपयोग किया गया था।

चुनाव कमाल का...

- 1971 में विपक्ष के 'इंदिरा हटाओ' नारे पर इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' नारा भारी पड़ा। उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस ने लोकसभा की 545 सीटों में से 352 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस (ओ) के खाते में सिर्फ 16 सीटें ही आई। भारतीय जनसंघ ने चुनाव में 22 सीटें जीतीं। सीपीआई ने चुनाव में 23 सीटें जीतीं। जबकि सीपीआईएम के खाते में 25 सीटें आईं।
- 1977 जनवरी 23 ही वो दिन था जब अचानक इंदिरा गांधी ने आकाशवाणी के जरिए देश में आम चुनाव की घोषणा की। देश में तीन दिन में ही चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव 16 से लेकर 19 मार्च 1977 के बीच हुए।
- 22 मार्च 1977 को आए चुनाव नतीजे ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया। चुनाव में कांग्रेस गठबंधन को मात्र 153 सीटें ही मिली थीं। इस चुनाव में पूरा विपक्ष समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में गोलबंद हुआ था। जनता पार्टी को चुनाव चिन्ह नहीं मिल पाया था, जिसकी वजह से पार्टी ने 'भारतीय लोक दल' के चिन्ह "हलधर किसान" पर चुनाव लड़ा और 298 सीटें जीतीं।

चुनावी तीर

मध्यप्रदेश में 29 लोकसभा सीट हैं, लेकिन कांग्रेस के बड़े से बड़े नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हैं। कांग्रेस ने पद यात्रा निकाली, जहां-जहां से यात्रा निकली, लोग कहते हैं कांग्रेस छोड़ो यात्रा थी और वो जहां-जहां गए लोग कांग्रेस छोड़ते चले गये।

-डॉ मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

भाजपा ने जे.पी. पटेल को खूब सम्मान दिया और सचेतक भी बनाया। भाजपा में उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल था। लेकिन, जब वह अपने राजनीतिक करियर को डुबोने के लिए डूबते जहाज पर सवार होना चाहते हैं तो हम क्या कर सकते हैं? उनके कांग्रेस में शामिल होने से चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

-प्रतुल शाहदेव, भाजपा प्रवक्ता

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन स्वार्थ पर आधारित है और इसका उनकी पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वह राजधानी की सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल करेगी। हम बहुत सकारात्मक अभियान चला रहे हैं और 10 साल के रिपोर्ट कार्ड के साथ लोगों के बीच जा रहे हैं। अबकी बार 400 पार केवल नारा नहीं है बल्कि एक संकल्प है जिसे वास्तविकता में बदला जाएगा।

- बांसुरी स्वराज, भाजपा प्रत्याशी दिल्ली

सल्तनत समाजवादियों की, अब भाजपा के पक्ष में

सियासी समीकरण

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

7 बार जसवंतनगर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए मुलायम सिंह

1989 में बसपा के संस्थापक कांशीराम को इसी सीट से मिली थी एकलौती जीत और पहुंचे थे संसद में

पिछले चार चुनावों में प्रमुख दलों को मिले मत (प्रतिशत में)

चुनाव	भाजपा	सपा	बसपा	कांग्रेस
2022 विस	41.6	37.0	17.3	1.10
2019 लोस	51.1	44.8	----	----
2017 विस	40.7	28.8	25.3	----
2014 लोस	46.8	28.4	20.5	1.4

विधानसभा	भाजपा	सपा
इटावा सदर	1,21,783	89,704
भरथना सु.	1,07,551	1,20,940
दिबियापुर	90,461	88,849
औरैया सु.	95,564	84,239
सिकंदरा	1,04,315	72,225

अमृत विचार। लोकसभा की सूबे में हॉट सीट इटावा में चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे। कानपुर मंडल का यह जिला कभी प्रदेश की राजनीति की धुरी था। नेताजी मुलायम सिंह यादव और वर्तमान में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की जन्म और कर्मस्थली के रूप में पहचान वाले इस जिले को यादव लैंड भी कहा जाता है। मुलायम सिंह जिले की जसवंतनगर विधान सभा सीट से सात बार विधायक चुने गए, जबकि उनके भाई शिवपाल सिंह यादव चार बार इसी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। हालांकि जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र इटावा लोकसभा में नहीं आता है और मैनपुरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है।

इटावा सुरक्षित लोकसभा सीट है। इसमें तीन ज़िलों की पांच विधानसभा सीटें शामिल है। कानपुर देहात की सिकंदरा विधानसभा, औरैया जिले की औरैया और दिबियापुर तथा इटावा जिले की भरथना और सदर विधान सभा सीट को मिलाकर इटावा लोकसभा क्षेत्र का गठन किया गया है। 2022 के विधानसभा चुनाव में इनमें से तीन सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। दो सीटों पर सपा ने कब्जा जमाया था। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के डॉ राम शंकर कठेरिया विजयी रहे थे। उन्होंने सपा के कमलेश कठेरिया को 64,359 वोटों से हराया था।

इटावा लोकसभा सीट कांग्रेस के एकाधिकार वाले जमाने में भी समाजवादियों के गढ़ जैसी रही है। 1957 में यहां से सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर कमांडर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत हासिल की थी। हालांकि 1962 में कांग्रेस के गोपीनाथ दीक्षित ने सोशलिस्ट पार्टी को मात दी, लेकिन 1967 में अर्जुन सिंह भदौरिया ने वापस सीट कांग्रेस से छीन ली। 1971 में कांग्रेस के श्रीशंकर तिवारी विजयी रहे पर 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर एक बार फिर अर्जुन सिंह भदौरिया ने जीत का परचम लहरा दिया। इसके बाद 1980 में जनता पार्टी के राम सिंह शाक्य फिर 1984 में कांग्रेस के चौ. रघुराज सिंह जीते। 1989 के चुनाव में जनता दल से दोबारा राम सिंह शाक्य के बाद इटावा ही वह एकलौती लोकसभा सीट रही जहां से 1989 में बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को जीत मिली और वह संसद में पहुंचे। 1996 में यहां से सपा के टिकट पर तीसरी बार राम सिंह शाक्य सांसद बने। लेकिन 1998 में भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरीं सुखदा मिश्रा ने जीत के साथ पहली बार यहां भाजपा का झंडा फहरा दिया। लेकिन 1999 और 2004 के चुनाव में सपा के रघुराज सिंह तो 2009 में प्रेमदास कठेरिया सफल रहे। 2014 की मोदी लहर में भाजपा ने पुनः इस सीट पर कब्जा किया और उसके प्रत्याशी अशोक दोहरे विजयी रहे। 2019 में भाजपा ने आगरा से दो बार सांसद रहे डॉ राम शंकर कठेरिया को इटावा से टिकट दिया तो उन्होने पार्टी का कब्जा इस सीट पर बरकरार रखा। इस बार फिर भाजपा ने भरोसा जताते हुए उन्हें प्रत्याशी घोषित किया है। सपा ने इस बार यहां से जितेंद्र दोहरे को टिकट दिया है।

दलित बाहुल्य पर यादव-मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में

इटावा लोकसभा सीट पर 18 लाख से ज्यादा कुल मतदाताओं में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या लगभग पांच लाख है। ब्राह्मण मतदाता दो लाख से कुछ ज्यादा तो यादव वोटर लगभग दो लाख और मुस्लिम मतदाता डेढ़ लाख तक हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में इटावा में 58 फीसदी से अधिक मतदान हुआ था। सपा के कमलेश कठेरिया को 4 लाख 57 हजार 454 वोट प्राप्त हुए थे। भाजपा के डॉ रामशंकर कठेरिया को 5 लाख 21 हजार 815 वोट मिले थे। भाजपा ने सांसद अशोक कुमार दोहरे का टिकट काटकर डॉ. राम शंकर कठेरिया को मैदान में उतारा था। कांग्रेस ने भाजपा छोड़कर आए अशोक कुमार दोहरे को टिकट थमा दियाथा। 2014 के लोकसभा चुनाव में इटावा सीट पर 55.04 फीसदी मतदान हुआ था। भाजपा के अशोक कुमार दोहरे ने सपा के प्रेमदास कठेरिया को एक लाख 72 हजार 946 वोटों से मात देकर जीत हासिल की थी। अशोक कुमार दोहरे को 4,39,646 वोट मिले थे, जबकि प्रेमदास कठेरिया ने 2,66,700 वोट पाए थे। बसपा के अजय पाल सिंह जाटव को 1,92,804 वोट हासिल हुए थे। कांग्रेस उम्मीदवार हंस मुखी कोरी 13397 वोटों के साथ चौथे नंबर पर रहे थे।

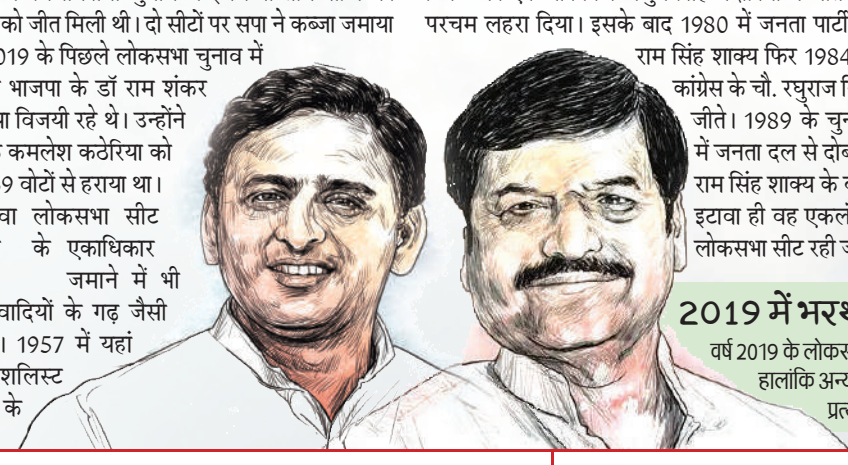

2019 में भरथना विधानसभा पिछड़ गई थी भाजपा

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भरथना सुरक्षित विधान सभा क्षेत्र में सपा ने बढ़त बनाई थी, हालांकि अन्य चार विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा आगे रही थी। विधानसभा वार दोनों दलों के प्रत्याशियों को मिले मत इस प्रकार थे।

नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों से हारे थे धर्मेंद्र यादव

- प्रदीप सक्सेना, बदायूं

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की घोषणा हो चुकी है। जिले में तीसरे चरण 7 मई को मतदान होना है। सपा ने धर्मेंद्र की जगह शिवपाल यादव प्रत्याशी घोषित किया है। अभी भाजपा और बसपा के प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होना शेष है। बदायूं लोकसभा सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। हालांकि 2019 में सपा उम्मीदवार को 18 हजार से कुछ अधिक मतों से हार का सामना करना पड़ा था। तब करीब 19 हजार वोट नोटा और निर्दलीय उम्मीदवारों को तिले थे। वहीं राजनीतिक पंडित सपा बसपा के बीच गठबंधन होने से लोगों की नाराजगी को भी सपा उम्मीदवार की होने की वजह बता रहे हैं। बहरहाल शिवपाल के आने से मुकाबला दिलचस्प होगा।

1951 से 2014 तक हुए लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी ने सबसे अधिक छह बार जीत दर्ज की है। 2014 में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव एक लाख 40 हजार से अधिक वोटों से जीते थे। 2019 में भारतीय जनता पार्टी ने 28 वर्षों से चले आ रहे सूखे को खत्म करते हुए जीत दर्ज की थी। सपा के धर्मेंद्र यादव की हार में नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को बजह माना जा सकता है। उस समय चार निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। उन्हें 10621 वोट मिले थे। वहीं 8606 लोगों ने नोटा का बटन दबाया था। निर्दलीय और नोटा को कुल 19,227 वोट पड़े थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी संघमित्रा मौर्य की जीत 18,454 वोटों से हुई थी।

2019 के चुनाव में 18000 से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी की हुई थी हार

19,000 से अधिक मिले थे वोट नोटा और निर्दलीय प्रत्याशियों को

2019 के चुनाव में यह रहा था परिणाम

भाजपा	5,11,352
समाजवादी पार्टी	4,92,898
कांग्रेस	51,947
ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लाक	4,347
निर्दलीय उम्मीदवार	10,621
कल्याणकारी जनता पार्टी	1,336

कैराना से चार बार महिलाएं बनी सांसद

सहारनपुर

- किसी भी प्रमुख पार्टी ने इस बार महिला को नहीं बनाया है अपना उम्मीदवार
- सहारनपुर सीट कभी भी कोई महिला सांसद नहीं हुई निर्वाचित

पहले नंबर की लोकसभा सीट सहारनपुर को इस बात के लिए भी जाना जाता है कि आजादी के बाद से हुए लोकसभा चुनावों में कभी भी यहां से कोई महिला सांसद निर्वाचित नहीं हुई है। दूसरी ओर इसी मंडल की कैराना सीट इस मामले में सौभाग्यशाली है कि वहां से चार बार महिलाएं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई हैं। इनमें सबसे पहले 1980 में प्रधानमंत्री रहे चौधरी चरणसिंह की पत्नी गायत्री देवी, रालोद से अनुराधा चौधरी और दो बार तबस्सुम हसन लोकसभा चुनाव जीती।

तबस्सुम हसन एक बार समाजवादी पार्टी से और दूसरी बार राष्ट्रीय लोकदल से सांसद बनीं। महत्वपूर्ण है कि इस बार भी कैराना सीट पर प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी से इकरा हसन मैदान में हैं। आजादी के बाद से सहारनपुर लोकसभा सीट से कभी भी कोई महिला सांसद लोकसभा में नहीं पहुंची है। इस बार भी किसी प्रमुख पार्टी ने महिला को अपना उम्मीदवार नहीं बनाया है। छह बार कांग्रेस, तीन बार बसपा, तीन बार भाजपा के सांसद बने जबकि पांच बार रसीद मसूद सांसद निर्वाचित हुए। इस चुनाव में रसीद मसूद के भतीजे इमरान मसूद कांग्रेस-सपा गठबंधन से प्रत्याशी हो सकते हैं। दोनों दलों का शीर्ष नेतृत्व उनके नाम पर मोहर लगा चुका है।

सहारनपुर लोकसभा में महिला सांसद भेजने में तो नाकाम रहा है लेकिन जहां तक विधानसभा का सवाल है तो कई महिलाएं जैसे दलित समाज की शकुंतला देवी, विमला राकेश, राजपूत समाज से शशिबाला पुंडीर, रानी देवलता, बसपा प्रमुख मायावती और सत्तो देवी विधायक रही हैं। शकुंतला देवी कांग्रेस की दिग्गज महिला नेत्री रही हैं। वह चार बार विधायक बनीं। विमला देवी विपक्ष में रहीं और छह बार विधायक चुनी गईं। सहारनपुर मंडल के मुजफ्फरनगर से बहन मालती शर्मा भाजपा की ओर से राज्यसभा सदस्य रही हैं। वहां से भी कभी कोई महिला लोकसभा में नहीं गई है। पड़ौस की बिजनौर लोकसभा सीट से मुख्यमंत्री मायावती, लोकसभा अध्यक्ष कांग्रेस की मीरा कुमार और ओमवती तीनों दलित समुदाय से सांसद चुनी गईं और बिजनौर की प्रतिष्ठा बढ़ाई।

18वीं लोकसभा के चुनाव में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और बिजनौर से कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं है। केंद्र सरकार ने आगामी चुनावों के लिए महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण का कानून बना दिया है। लेकिन वर्तमान स्थिति बेहद दयनीय है। जबकि महिला मतदाताओं की संख्या पुरूषों की तुलना में थोड़ी-बहुत ही कम है लेकिन उनकी मतदान में भागीदारी पुरूषों से कहीं भी पीछे नहीं है।

युवा व महिला के हाथ सियासी घमासान की बागडोर

- बृजेश तिवारी, अल्मोड़ा

- दोनों वर्गों को साधने के लिए राष्ट्रीय दलों का गणित हुआ तेज
- छह विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों से महिला मतदाता अधिक

महिला मतदाताओं की संख्या में कितना हुआ इजाफा

जिला	2019	2024	कुल वृद्धि
अल्मोड़ा	2,57,573	2,60,529	2,956
पिथौरागढ़	1,84,143	1,85,292	951
बागेश्वर	1,02,701	1,06,647	3,946
चंपावत	91,090	98,209	7,119
कुल	6,35,705	6,50,677	14,972

चारों जिलों में युवा मतदाताओं की स्थिति

18 से 19 साल	21,000 से अधिक
20 से 29 साल	2,60,000 के पार
30 से 39 साल	3,37,000 के ऊपर

लोकसभा चुनावों की तिथि और मुख्य राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद अब सियासी दलों ने भी अपने राजनीतिक दावपेच चलने शुरू कर दिए हैं। कुमाऊं के चार पहाड़ी जिलों वाली अल्मोड़ा लोकसभा सीट की बात करें तो यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रहा है। इसलिए इस बार भी दोनों राष्ट्रीय दल एक दूसरे को पटखनी देने के लिए तैयार बैठे हैं। अगर बात सत्ता की बागड़ोर की करें तो इस सीट पर इसका फैसला यहां की महिला और युवा मतदाता करेंगे। क्योंकि चार इस सीट पर सबसे अधिक संख्या महिला और युवा मतदाताओं की है।

हिमालयन रीजन की अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर इस बार कुल 13,59,815 मतदाता हैं। जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 6,50,677 है। जो करीब कुल मतदाताओं का 48 फीसद के आसपास है। चौदह विधानसभाओं वाली इस सीट में से छह विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से काफी अधिक है। इससे भी मजबूत स्थिति इस सीट पर अलग-अलग आयु वर्ग के युवा मतदाताओं की भी है। ऐसे में इन दो वर्गों का रुझान जिस दल की तरफ सबसे अधिक होगा। जीत का परचम लहराने में उसी दल को कामयाबी मिलेगी। इसलिए सियासी दलों की नजर महिला और युवा मतदाताओं पर सबसे अधिक है। सियासी दल इन चुनावों के प्रति महिलाओं और युवाओं में उत्साह जगाने के लिए कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

इस चुनाव में बढ़ गई 15 हजार के करीब महिला मतदाता

अल्मोड़ा सीट पर इस बार कुल 6 लाख 50 हजार से अधिक महिला वोटर्स हैं। यह आंकड़ा बीते लोकसभा चुनावों को देखते हुए तकरीबन 15 हजार अधिक है। अल्मोड़ा जिले में 2,60,529 महिला मतदाता हैं। पिथौरागढ़ जिले में 1,85,292, बागेश्वर जिले में 106647 और चंपावत जिले में 98209 महिला मतदाता हैं। सबसे कम महिला मतदाता वाले जिले चंपावत में पिछली बार के बजाय इस बार सबसे अधिक 7119 महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है।

चार दशक पहले बदली राजनीति फिर पटरी पर नहीं लौटी

- राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या

- अयोध्या के इर्द गिर्द घूमती रही सूबे की सियासत
- आंदोलन के समांनांतर चला जातीय सियासत का दौर
- भगवा संग विकास ने बदल दी सियासी तस्वीर

अमृत विचार: चार दशक पहले प्रदेश की राजनीति बदली तो फिर पटरी पर नहीं लौटी। सत्ता और सियासत, अयोध्या के इर्द-गिर्द घूमती रही। कई उतार-चढ़ाव आए। राम मंदिर आंदोलन के समांनांतर जातीय सियासत का दौर चला तो सत्ता आती-जाती रही। तीन दशक तक प्रदेश की सियासत में पहले जैसी स्थिरता नहीं रही। भगवा संग विकास ने एक बार फिर प्रदेश को सियासत की नई दिशा दी है।

सियासी उथल-पथल का यह दौर अयोध्या से ही शुरू होता है। राम मंदिर निर्माण को लेकर साल 1984 में अयोध्या से दिल्ली के लिए रथयात्रा निकली। उस दौरान प्रदेश में प्रचंड बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के चलते यात्रा रोकनी पड़ी, लेकिन आंदोलन की तासीर गर्म ही रही। उन दिनों कांग्रेस के साथ जनता दल की रस्साकशी शुरू हो गई थी। 1989 में प्रदेश के चुनाव में मंदिर आंदोलन और मंडल कमीशन की सियासत कुछ इस तरह गरमाई की विधानसभा चुनाव में जनता दल 208 सीटों तक पहुंच गई। कांग्रेस को झटका लगा। वह 54 पर ठहर गई। बीजेपी का 57 सीटों के साथ उदय हुआ। मंदिर आंदोलन परवान चढ़ा। अयोध्या छावनी बनी। 30 अक्टूबर व 2 नवंबर 1990 की घटनाओं ने कई मायनों में नया इतिहास रच दिया। जनमानस को झकझोरा।

वर्ष 1991 के चुनाव में रामलहर ने भाजपा को 425 में से 221 सीटों तक पहुंचा दिया। जनता दल जेडी 92 पर सिमट गई। यह दौर आंदोलन के चरम का था। राजनीति के महारथियों ने आंदोलन से उपजी सहानुभूति को रोकने की कोशिश शुरू कर दी। जातीय सियासत के चलते बसपा और सपा का प्रभाव बढ़ा। 1996 के विधानसभा चुनाव में इसका असर दिखा। आंदोलन के बावजूद भाजपा 174 पर ठहर गई। सपा के 110 के साथ बसपा ने 67 सीटें हथिया लीं। साझा सरकारों का दौर शुरू हुआ। सत्ता की चासनी में सियासत करवट लेने लगी। अयोध्या के मंदिर आंदोलन से शुरू हुए दो ध्रुव भाजपा और सपा के साथ बसपा कदमताल करने लगी। 2002 का चुनाव आते-आते जातीय समीकरणों ने भगवा ब्रिगेड को 88 सीटों पर समेट दिया। आमने-सामने सपा और बसपा आ गईं। सपा के 143 के सामने बसपा 98 सीटों के साथ खड़ी हो गई। वोटों के आंकड़ें बताते है कि अंतरधारा में अयोध्या आंदोलन का प्रभाव बरकरार रहा, लेकिन बसपा की जातीय सियासत ने पांच साल में सपा को भी पीछे छोड़ दिया। नए ध्रुव के रूप में 2007 में बसपा 206 सीटों के साथ सत्ता में पहुंच गई। राम मंदिर आंदोलन के साथ खड़ी भाजपा 51 पर और विरोध करने वाली सपा 97 पर ठहर गई, लेकिन राजनीति की अंतरधारा में इन दोनों के टकराव ने अयोध्या को केंद्र में बनाए रखा। जातीय समीकरण के साथ आंदोलन पर सपा के रुख का प्रभाव बढ़ गया। 2012 में सपा सत्ता की शीर्ष पर फिर एक बार पहुंच गई। उसे 224 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिला गया। 80 सीटों के साथ बसपा सत्ता से फिसल गई। 1991 में 221 सीटें हथियाने वाली भाजपा 47 पर आ गई।

क्रिकेट के खेल और राजनीति में कुछ भी संभव है। यह 2017 के विधानसभा चुनाव में दिखा। राम मंदिर आंदोलन की पृष्टभूमि और विकास के नए नारे ने 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्तासीन कर दिया। असर यह हुआ कि 2017 में एक बार फिर भाजपा को प्रदेश में सत्ता शीर्ष तक पहुंच गई। ऊफान पर चढ़ी जातीय सियासत जमीन की ओर लुढ़कने लगी। सत्ता में रहने वाली सपा 47 सीटों पर सिमटी तो बसपा का हाल इससे भी खराब रहा, वह 19 पर अटक गई। विकास और भगवा का चटख रंग न केवल केंद्र बल्कि प्रदेश में बरकरार रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव के साथ 2022 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भगवा बिग्रेड 255 सीटों के साथ सत्ता पर काबिज रह गई। सपा 111 तक पहुंच पाई। बसपा परिदृश्य से ओझल होने की स्थिति में पहुंचने लगी। 90 के दशक के पहले राजनीति के एक ध्रुव पर कांग्रेस और दूसरे ध्रुव पर विपक्षी हुआ करते थे लेकिन अयोध्या की सियासी ऊर्जा ने कांग्रेस और विपक्ष के बीच होने वाली सियासी जंग को अतीत की बात तक सीमित कर दिया। 40 साल बाद भी उत्तर प्रदेश की राजनीति उस दौर में नहीं लौट पाई।

लोस चुनाव के लिए आयकर विभाग का नियंत्रण कक्ष

नई दिल्ली

चुनाव आयोग को चुनाव में काले धन के उपयोग को रोकने के लिए सहायता करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत आयकर विभाग निवासियों को लोकसभा आम चुनाव, 2024 में स्वच्छ और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करते हुए राजधानी दिल्ली में सातों दिन और चौबीस घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है और टॉल फ्री नंबर जारी किया जिसके माध्यम से शिकायत की जा सकती है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार आयकर निदेशालय (अन्वेषण), दिल्ली ने आदर्श आचार संहिता के दौरान चुनावी उद्देश्यों के लिए उपयोग की जाने वाली संभावित / संदिग्ध बेहिसाब नकदी, सर्राफा और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की आवाजाही पर निगरानी रखने के लिए एनसीटी दिल्ली में कई व्यवस्थाएं की हैं। लोकसभा आम चुनाव, 2024 के संबंध में, अन्य उपायों में, निदेशालय ने सिविक सेन्टर, नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष खोला है एवं एक टोल-फ्री नंबर 1800112300, लैंडलाइन नंबर 011-23232312/31/67/76 और मोबाईल नंबर 9868168682 भी जारी किया है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति एनसीटी दिल्ली में बेहिसाब नकदी, बूलियन और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की संदिग्ध आवाजाही/वितरण के संबंध में आयकर विभाग से बातचीत कर सकता है और जानकारी भी दे सकता है। निवासी टोल-फ्री नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, और फोन करने वाले को नियंत्रण कक्ष के समक्ष किसी भी व्यक्तिगत विवरण, जैसे नाम या पहचान के अन्य विवरण, का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि प्राप्त जानकारी विश्वसनीय और कार्रवाई योग्य हो।

नियंत्रण कक्ष आदर्श आचार संहिता की संपूर्ण अवधि के दौरान दिल्ली में क्रियाशील रहेगा यानी आम चुनाव, 2024 की घोषणा की तारीख से, जब तक दिल्ली में ये खत्म नहीं हो जाते। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के साथ नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे दिल्ली एनसीटी के संबंध में, प्रासंगिक जानकारी उपर्युक्त नंबरों के माध्यम से निदेशालय से साझा करके, अपनी सहायता प्रदान करे। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। (एजेंसी)

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1005 फ्लैग 1110 डीएमओ 885 बोल्ड 1175, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1010 फ्लैग 1125 बोल्ड 1180 डीएमओ 905।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2525-2575
आरआर 21	2700-2750
गेहूंफ़ारम	2800-2850
जौ	2000-2100
ज्वार	2600-4000
बाजरा	2125-2175
मकाई	2000-2200

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5800-5900
अरहर	7500-8000
मसूर	5500-5600
मटर	3700-4000
उड़दहरा	10000-10200
उड़दकाला	6000-8000
मूंग	8500-8800

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	14500-14700
अरहरस्पेशल1	12200-12300
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4950-5050
मसूरमलका	7000-7100
मसूरदाल	7100-7200
उड़ददाल	9000-12000
उड़द धोवा	10500-13000
मूँगदाल	8800-10300
मूँग धोवा	9800-11500

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000-2300
बासमती नं.1	8500-10000
सेला	2500-3000
बासमती नं.2	6500-7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1490-1550
मैदा	1450-1500
सूजी	1500-1550

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1430-1475

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	4800-5100
अलसी	4500-4600 रुपये।

डायरेक्ट सेलिंग 21 हजार करोड़ रुपये के पार

आईडीएसए की सर्वेक्षण रिपोर्ट से हुआ खुलासा, भारत में कुल 86 लाख हैं विक्रेता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री (भारत में डायरेक्ट सेलिंग) उद्योग कोरोना महामारी के दौर की चुनौतियों से उबर कर फिर तेजी की राह पर है और इसका कारोबार वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 21282 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इंडियन डायरेक्ट सैलिंग एसोसिएशन (आईडीएसए) की सर्वेक्षण रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट बाजार अनुसंधान फर्म कंतार द्वारा संकलित की गई है।

आईडीएसए के एक आयोजन में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी. कमला वर्धन राव ने यह रिपोर्ट जारी करते हुए इसके लिए आईडीएसए को बधाई दी। रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग की कुल बिक्री में वर्ष 2021-22 के मुकाबले वर्ष 2022-23 में 2252 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई है। आईडीएसए के अध्यक्ष विवेक कटोच ने बताया कि इस उद्योग के कारोबार में वर्ष 2019-20 से लेकर 2022-23 तक के चार वर्षों के दौरान वर्ष-दर-वर्ष औसतन 8.3 प्रतिशत की संचयी वार्षिक दर (सीएजीआर) से वृद्धि की है। आईडीएसए अध्यक्ष को विश्वास है कि भारत अनुमानों से पूर्व ही प्रत्यक्ष बिक्री में विश्व के पांच शीर्ष बाजारों में जल्द अपनी जगह बना लेगा। वर्ष 2022 में भारत का स्थान 11वां था। वहीं भारत में इस कारोबार में कुल 86 लाख विक्रेता शामिल हैं।

रिपोर्ट के अनुसार कुल बिक्री में उत्तरी क्षेत्र ने सर्वाधिक 30 प्रतिशत का योगदान किया। पूर्वी, पश्चमी, दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र का योगदान क्रमशः 25, 22, 15 और नौ प्रतिशत है। राज्यों में महाराष्ट्र 12 प्रतिशत योगदान के साथ लगातार शीर्ष पर बना हुआ है जबकि उत्तर प्रदेश शानदार प्रदर्शन कर दस प्रतिशत की भागीदारी के साथ पश्चिम बंगाल के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री बाजार में वेलनेस और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद लगातार उपभोक्ताओं के पसंदीदा बने हुए हैं। सौंदर्य प्रसाधन और व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद इस वर्ग में दूसरे स्थान पर है। दोनों वर्गों का कुल कारोबार में क्रमशः 73.5 और 11.3 प्रतिशत योगदान रहा है। इस दौरान लगभग दो लाख और प्रत्यक्ष विक्रेता इस कारोबार से जुड़े और यह संख्या वर्ष 2021-22 के 84 लाख के मुकाबले बढ़ कर लगभग 86 लाख पहुंच गई है। इनमें लगभग 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं हैं।

वैश्विक रैंकिंग में भारत 11वें स्थान पर पहुंचा

आईडीएसए के अध्यक्ष कटोच ने कहा-मुझे यह बताते हुए भी खुशी हो रही है कि मजबूत वृद्धि दर के बलबूते भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग ने वैश्विक रैंकिंग में वर्ष 2022 में एक और पायदान का सुधार कर 11वां स्थान हासिल कर लिया है, जो 2019 में 15वां था।

गूगल के खिलाफ भारतीय ऐप कंपनियों की याचिका खारिज

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने ऐप के माध्यम से भुगतान पर 11 से 26 प्रतिशत शुल्क लगाने की गूगल की नई प्ले स्टोर बिलिंग नीति के खिलाफ दायर भारतीय ऐप कंपनियों की चार याचिकाओं को बुधवार को खारिज कर दिया। भारतीय ऐप कंपनियों ने आरोप लगाया कि गूगल की प्ले स्टोर नीतियां प्रतिस्पर्धा-रोधी हैं। हालांकि, सीसीआई ने स्पष्ट किया कि इस आदेश में कही गई कोई भी बात मामले के गुण-दोष पर राय की अंतिम अभिव्यक्ति के समान नहीं होगी और महानिदेशक यहां की गई टिप्पणियों से किसी भी तरह प्रभावित हुए बिना जांच करेंगे। सीसीआई ने अपने आदेश में कहा-आयोग का मानना है कि इस बारे में याचिका दायर करने वाले शीर्ष कोर्ट द्वारा प्रस्तावित अंतरिम राहत देने के लिए मानदंडों को पूरा करने में विफल रहे हैं।

नौकरियों के सृजन के लिए 8% की वार्षिक वृद्धि दर रखने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक सुब्रमण्यम ने कही बात

भारत को गरीबी और असमानता को कम करने तथा पर्याप्त संख्या में नौकरियों के सृजन के लिए निरंतर आधार पर आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने की जरूरत है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) में भारत के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति वेंकट सुब्रमण्यम ने यह बात कही है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से बेहतर 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह पिछले डेढ़ साल में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

ओएमआई फाउंडेशन के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुब्रमण्यम ने कहा-भले ही हम सात प्रतिशत की दर से बढ़ें, हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें आठ प्रतिशत और उससे अधिक की दर हासिल करने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि देश को बहुत सारा बुनियादी ढांचा बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आठ प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने से हमारे पास बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी। इससे गरीबी और असमानता घटेगी। एनएसओ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर में वृद्धि दर पिछले तीन वर्षों की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर से अधिक है।

सर्राफा

कानपुर

चॉदी 999 (प्रति किलो)	75,100
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,400
गिन्नी (प्रति नग)	50,200-50,400

लखनऊ

सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	66,050
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,900
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	75,000
चांदी तैयार	75,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	90, 500

बरेली

सोना जेवरात पक्के	65,850
सोना जेवरात गिन्नी	64,850
चांदी पक्की	740 (अनुमानित)

मुरादाबाद

सोना 24 कैरेट	65,800
चांदी आभूषण	74,900।

भारत का सौर कचरा 2030 तक 600 किलोटन तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का सौर कचरा 2030 तक 600 किलोटन तक पहुंच सकता है। बुधवार को जारी एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, यह ओलंपिक आकार के 720 स्वीमिंग पूल (तरणताल) को भरने के बराबर है।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और स्वतंत्र शोध संस्थान काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायर्नमेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया कि इस कचरे का लगभग 67 प्रतिशत पांच राज्यों- राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु से आएगा। "भारत के सौर उद्योग में एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को सक्षम करनाः सौर अपशिष्ट मात्रा का आकलन" शीर्षक वाले अध्ययन में कहा गया है कि भारत में मौजूदा (बीते वित्त वर्ष तक) स्थापित 66.7 गीगावाट क्षमता से पहले से ही 100 किलोटन कचरा पैदा हो रहा है, जो 2030 तक बढ़कर 340 किलोटन हो जाएगा। इसमें लगभग 10 किलोटन सिलिकन, 12 से 18 टन चांदी और 16 टन कैडमियम और टेलरियम होगा। इन सामग्रियों को दोबारा प्राप्त करने के लिए सौर कचरे का पुनर्चक्रण करने से आयात निर्भरता कम होगी और खनिज सुरक्षा बढ़ेगी।

खराब गुणवत्ता वाली चाय के आने से छोटे उत्पादक चिंतित

कोलकाता। छोटे चाय उत्पादकों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ इंडियन स्मॉल टी ग्रोअर्स एसोसिएशन (सीआईएसटीए) ने बाजार में कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाली चाय की बाढ़ पर चिंता व्यक्त की है और इस संबंध में चाय बोर्ड के हस्तक्षेप का आग्रह किया है। चाय बोर्ड के चेयरमैन ए एस भाटिया को लिखे एक पत्र में सीआईएसटीए के अध्यक्ष बिजॉय गोपाल चक्रवर्ती ने कहा कि चाय पीने के स्वास्थ्य लाभों पर केंद्रित एक सामान्य अभियान उन युवाओं के बीच खपत को बढ़ावा देने के लिए जरूर चलाया जाना चाहिए।

4जी यूजरों के मुकाबले 5जी यूजरों का औसतन डाटा उपभोग 3.6 गुना अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

- दूरसंचार कंपनी नोकिया की रिपोर्ट में दी गई जानकारी

भारत में 5जी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले मोबाइल ग्राहक 4जी उपभोक्ताओं की तुलना में मोबाइल डेटा का इस्तेमाल 3.6 गुना अधिक कर रहे हैं। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत अक्टूबर, 2022 में हुई थी। नोकिया की बुधवार को जारी 'मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का योगदान 15 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट कहती है, 5जी ग्राहक 4जी की तुलना में लगभग 3.6 गुना अधिक मोबाइल डेटा ट्रैफिक का उपयोग कर रहे हैं। 2023 में उपयोगकर्ताओं ने 17.4 एक्साबाइट प्रति माह की खपत की। पिछले पांच साल की तुलना में डेटा इस्तेमाल की सालाना वृद्धि 26 प्रतिशत रही है। एक एक्साबाइट एक अरब गीगाबाइट (जीबी) के बराबर होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में डेटा इस्तेमाल में बढ़ोतरी में 5जी ने उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। 2023 में कुल डेटा ट्रैफिक में 5जी का हिस्सा 15 प्रतिशत रहा।

नोकिया इंडिया के विपणन और कॉरपोरेट मामलों के प्रमुख अमित मारवाह ने कहा-भारत में डेटा की खपत साल-दर-साल आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 17.4 एक्साबाइट प्रतिमाह हो गई है।

राष्ट्रीय

पुलिसकर्मियों के साथ खेली लट्ठमार होली...

मथुरा में बुधवार को एक महिला ने पुलिसकर्मियों के साथ विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली। होली खेलने के दौरान आसपास लोगों की भारी भीड़ लगी रही। ● एजेंसी

मोदी की गारंटी एक विश्वासघात है: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लद्दाख में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि इस केंद्रशासित प्रदेश को लेकर दी गई 'मोदी की गारंटी' एक विश्वासघात है तथा यह 'चीनी गारंटी' है। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी की चीनी गारंटी! लद्दाख में संविधान की छठी अनुसूची के तहत जनजातीय समुदायों की सुरक्षा की मांग के पक्ष में समर्थन की एक मजबूत लहर है।

राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की पड़ती है जरूरत : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में आयोजित स्टार्टअप महाकुंभ में राहुल गांधी पर कसा तंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीति में कुछ लोगों को बार-बार लॉन्च करने की जरूरत पड़ती है जबकि स्टार्ट-अप की दुनिया में जब कोई एक असफल होता है तो इस स्थिति में दूसरा रास्ता अख्तियार कर लेता है। मोदी ने यहां स्टार्ट-अप महाकुंभ में किसी का नाम लिए बिना स्टार्ट-अप और राजनीति की तुलना करते हुए कहा, ''स्टार्ट-अप लॉन्च तो बहुत लोग करते हैं, राजनीति में तो ज्यादा... और बार-बार लॉन्च करना पड़ता है। आप में और उनमें फर्क ये है कि आप लोग प्रयोगशील होते हैं, एक अगर एक बार लॉन्च नहीं हुआ तो तुरंत दूसरे पर चले जाते हैं।

मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने और एक अप्रैल, 2024 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि सामान्य स्थिति में कारोबारी चुनाव संपन्न होने तक बड़े आयोजनों को टाल देते हैं लेकिन आम चुनावों की घोषणा के कुछ दिन बाद तीन दिवसीय महाकुंभ में स्टार्ट-अप उद्यमियों और उस पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े लोगों का विशाल जमावड़ा आने वाली चीजों का संकेत है। उन्होंने 19 अप्रैल से चार जून तक होने वाले आम चुनावों के बाद भी शासन में बने रहने का विश्वास जताते हुए कहा-आप जानते हैं कि अगले पांच साल में क्या होने जा रहा है।

भारत एआई में दुनिया की अगुवाई करेगा: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को युवा उद्यमियों और स्टार्टअप से दुनियाभर में आ रही चुनौतियों पर 'वैश्विक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय समाधान' पर काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई) क्षमता में दुनिया का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'स्टार्टअप महाकुंभ' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई, सेमीकंडक्टर और क्वॉन्टम पर पहले शुरू किए गए तीन मिशन युवाओं के लिए रोजगार और वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश के अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा-हम एआई प्रौद्योगिकी के एक नए युग में हैं और दुनिया मानती है कि एआई में भारत का पलड़ा भारी रहेगा। अब यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है कि हम इस अवसर को जाने न दें। उन्होंने कहा कि एआई युवा नवप्रवर्तकों और वैश्विक निवेशकों के लिए असीमित संभावनाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा-एआई क्षमताओं का नेतृत्व भारत के हाथों में रहेगा और रहना चाहिए।

एक नजर

मणिपुर के राहत शिविर में रह रहे चार बच्चे नदी में डूबे

चुराचांदपुर। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में एक राहत शिविर में अपने परिवार के साथ रह रहे चार बच्चे नदी में डूब गए। पुलिस ने बताया कि बच्चों की उम्र चार से नौ वर्ष के बीच है जिनमें तीन लड़कियां और एक लड़का शामिल है। वे राज्य में जातीय संघर्ष के कारण तुईबुओंग में 'ईसीए कनान' राहत शिविर में रह रहे थे। वे मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे अपने शिविर के पास तुइथा नदी में नहाने गये थे। जब वे काफी देर तक वापस नहीं लौटे तो उनके परिवार वालों ने शिविर में रह रहे अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस को भी सूचित किया गया, जिसके बाद पुलिस भी उनकी खोजबीन में जुट गई और बुधवार सुबह करीब छह बजे बच्चों के शव नदी में मिले।

आबकारी नीति मामले में कारोबारी की जमानत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को हैदराबाद के कारोबारी अभिषेक बोइनपल्ली को पांच सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी जिन्हें कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया गया था। न्यायमूर्ति की पीठ ने बोइनपल्ली की पत्नी के स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें अंतरिम जमानत दे दी।

सियासी गर्मी बढ़ी, एबीवीपी के विरुद्ध वाम दलों ने बनाया संयुक्त मोर्चा

नई दिल्ली, ब्यूरो

जेएनयू छात्र संघ चुनाव

- 22 मार्च होगा मतदान और मतगणना 24 मार्च को

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में कई सियासी दिग्गज भी गहरी रुचि ले रहे हैं। भाजपा समर्थित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सभी पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं। उनके शक्ति प्रदर्शन को देखते हुए वामपंथी दलों ने इस बार संयुक्त मोर्चा गठित कर अपने उम्मीदवारों का प्रचार शुरू किया है। मतदान 22 मार्च एवं मतगणना 24 मार्च को होगी।

जेएनयू छात्र संघ में शुरू से ही वाम दलों के छात्र संगठनों का कब्जा रहा है। लेकिन 2019 के चुनाव में जिस तरह से एबीवीपी ने छात्रों के बीच घुसपैठ बनाई थी और इस बार सभी पदों पर उम्मीदवार उतारकर चुनाव अभियान छेड़ा है। उसका मुकाबला करने के लिए वाम दलों के प्रमुख छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (आइसा), स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), डेमोक्रेटिक स्टूडेंट फेडरेशन (डीएसएफ), एवं ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ) ने संयुक्त मोर्चा का गठन कर छात्र संघ में कब्जा करने के लिए साझा मंच तैयार किया है।

एबीवीपी ने उमेश चंद्र अजमीरा-अध्यक्ष, दीपिका शर्मा-उपाध्यक्ष, अर्जुन आनंद-महासचिव एवं गोविंद दांगी को संयुक्त सचिव के पद पर उम्मीदवार बनाया है। एबीवीपी नेता विकास पटेल के मुताबिक छात्र संघ में काउंसलर के 42 पदों के लिए भी उम्मीदवार घोषित किए गए हैं।

वहीं वाम दलों के संयुक्त मोर्चा ने धनंजय को अध्यक्ष, अभिजीत घोष को उपाध्यक्ष, स्वाति सिंह को महासचिव एवं साजिद को संयुक्त सचिव पद का उम्मीदवार बनाया है। अभी तक चुनाव प्रचार के दौरान दोनों गुटों के बीच कई बार तीखी नोक-झोंक भी हो चुकी हैं और मामला पुलिस तक पहुंच चुका है। कुछ लोगों ने प्रत्याशियों की आयु सीमा बढ़ाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया था। दोनों गुटों ने जवाबी शक्ति प्रदर्शन करते हुए मसाल जुलूस भी निकला है। जिसमें भारी संख्या में छात्रों की भीड़ देखने को मिली।

राहुल गांधी को झारखंड उच्च न्यायालय से मिली राहत

रांची, एजेंसी

मानहानि मामला

झारखंड में मानहानि मामले में चाईबासा स्थित एमपी,एमएलए की विशेष अदालत द्वारा कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ 27 फरवरी 2024 को जारी गैर जमानती वारंट को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई आज झारखंड उच्च न्यायालय में हुई। मामले में झारखंड उच्च न्यायालय ने राहुल गांधी के खिलाफ चाईबासा की एमपी ,एमएलए कोर्ट द्वारा जारी गैर जमानती वारंट को एक माह के लिए शर्त के साथ स्थगित कर दिया। साथ ही गांधी को ट्रायल फेस करने के लिए कानून सम्मत उपयुक्त कदम उठाने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही न्यायालय ने राहुल गांधी की याचिका को निष्पादित कर दिया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी को लेकर राहुल गांधी द्वारा एक आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। जिसे लेकर भाजपा के नेता प्रताप कटियार ने चाईबासा कोर्ट में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में शिकायतवाद दायर किया गया था।बाद में मामले को चाईबासा में एमपी,एमएलए कोर्ट में इसे ट्रांसफर कर दिया गया था।

कांग्रेस ने कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ न्यायालय का किया रुख

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उसके खिलाफ कर पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही किए जाने के विरोध में बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। इस मामले का उल्लेख राजनीतिक दल के वकील ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष किया, जो इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हुए। पीठ में न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोरा भी शामिल हैं। वकील ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने चार साल का मूल्यांकन फिर से खोला है। साथ ही उन्होंने अदालत से याचिकाओं को बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तीन अलग-अलग वर्षों से संबंधित ऐसी तीन याचिकाएं आज सुनवाई के लिए पहले से ही सूचीबद्ध हैं।

बीआरएस नेता कविता को बेटों और मां से मिलने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को अपने दो बेटों, मां और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की अनुमति दे दी है। कविता फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने कविता की ओर से पेश अधिवक्ता नीतेश राणा द्वारा दायर आवेदन पर यह आदेश पारित किया। वकील ने अनुरोध किया था कि पिछले आदेश के अनुसार आरोपी से मिलने की अनुमति पाने वालों की सूची में परिवार या संबंधियों के सात और नाम जोड़े जाएं।

मुफ्त सौगात संबंधी याचिका पर सुनवाई करने को कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

- जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का किया गया अनुरोध

उच्चतम न्यायालय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त सौगातों और सुविधाओं का वादा करने के चलन के खिलाफ एक जनहित याचिका को बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। आगामी 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जनहित याचिका में निर्वाचन आयोग को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह ऐसे राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद करने और चुनाव चिह्न जब्त करने के अपने अधिकारों का उपयोग करे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को कहा-यह महत्वपूर्ण है। हम इसे कल लेंगे।

शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका दायर करने वाले वकील अश्विनी उपाध्याय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया की दलीलों पर संज्ञान लिया कि याचिका पर लोकसभा चुनाव से पहले सुनवाई की जरूरत है। याचिका में कहा गया कि मतदाताओं से अनुचित राजनीतिक लाभ पाने के लिए लोक-लुभावन घोषणाओं पर पूरी तरह प्रतिबंध होना चाहिए क्योंकि ये संविधान की अवहेलना करते हैं और इस मामले में निर्वाचन आयोग को उचित कदम उठाने चाहिए। इसमें अदालत से यह घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से अतार्किक तरीके से मुफ्त सौगातों का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, समान अवसर को अवरुद्ध करता है और चुनाव प्रक्रिया की शुचिता को नुकसान पहुंचाता है।

याचिका के अनुसार, याचिकाकर्ता का कहना है कि चुनावों को ध्यान में रखते हुए मुफ्त सुविधाएं देकर मतदाताओं को प्रभावित करने की राजनीतिक दलों की हालिया प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, बल्कि संविधान की भावना को भी चोट पहुंचाती है। उसने कहा-यह अनैतिक प्रवृत्ति सत्ता में बने रहने के लिए सरकारी खजाने से मतदाताओं को रिश्वत देने के समान ही है और लोकतांत्रिक सिद्धांतों तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए इससे बचना चाहिए।

सूर्यकुमार आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार

अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे

दुबई, एजेंसी

पिछले तीन महीने से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि अफगानिस्तान के अनुभवी स्पिनर राशिद खान गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष दस में लौटे हैं। आईपीएल के आगामी सत्र में मुंबई इंडियंस के लिये वापसी करने जा रहे सूर्यकुमार के 861 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर 802 अंक लेकर फिल साल्ट हैं। सूर्यकुमार ने दिसंबर में खेल हर्निया की सर्जरी के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है।

वहीं आयरलैंड के खिलाफ 2-1 से मिली जीत में अहम भूमिका निभाने वाले राशिद खान ने शीर्ष दस में वापसी की है । वह चार पायदान की छलांग लगाकर नौवें से चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने श्रृंखला में तीन मैचों में आठ विकेट लिये। अफगानिस्तान के नवीन उल हक दो पायदान चढकर 55वें स्थान पर है। आयरलैंड के जोश लिटिल सात पायदान चढकर 39वें, मार्क एडेयर दो पायदान चढकर 56वें और बैरी मैकार्थी 15 पायदान चढकर 77वें स्थान पर हैं। टी20 हरफनमौलाओं की रैंकिंग में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन शीर्ष पर बने हुए हैं।

राहुल के आईपीएल में अच्छे खेल से टी20 विश्व कप टीम में जगह होगी पक्की

नयी दिल्ली। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का मानना है कि अगर केएल राहुल टीम को पहला आईपीएल खिताब दिला पाते हैं तो टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में उनकी जगह तय होनी चाहिये। जांघ की मांसपेशियों की चोट से उबरकर वापसी कर रहे राहुल शायद आईपीएल में विकेटकीपिंग नहीं करेंगे। उनका भारत की टी20 टीम में चयन तय नहीं है लिहाजा उन्हें आईपीएल में बल्लेबाजी में और विकेट के पीछे अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह पूछने पर कि कप्तानी की निजी आकांक्षाओं और टीम के हितों में संतुलन कैसे बनायेंगे, लैंगर ने कहा कि यह मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को ईनाम मिलता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है।'' राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी चयन की दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, ''केएल या बिश्नोई के लिये साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिये अच्छा खेलने पर फोकस करें, टी20 विश्व कप टीम में जगह पाने के मौके बढेंगे।'' लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे टक्कर देखने को मिल सकती है, लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान के प्रशंसक हैं।

भारतीय हॉकी टीमें एफआईएच हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

लुसाने। भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीमें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पहली बार जारी हॉकी5 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। भारतीय पुरूष टीम ओमान और मलेशिया के साथ दूसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के 1400 अंक है। भारत ने एशियाई चैम्पियनशिप जीती और मस्कट में जनवरी में हुए विश्व कप में पांचवें स्थान पर रहा था। वहीं ओमान ने कांस्य पदक जीता था। नीदरलैंड 1750 अंक के साथ शीर्ष पर है जिसने पहला हॉकी5 विश्व कप और यूरोपीय चैम्पियनशिप जीती थी। पोलैंड और मिस्र संयुक्त पांचवें स्थान पर है। त्रिनिदाद और टोबैगो और कीनिया संयुक्त सातवें स्थान पर है जबकि पाकिस्तान नौवे स्थान पर है। महिला रैंकिंग में नीदरलैंड शीर्ष पर है जिसने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही यूरोपीय चैम्पियनशिप भी अपने नाम की थी। रजत पदक विजेता भारत दूसरे स्थान पर है जबकि पोलैंड तीसरे स्थान पर है। उरूग्वे और दक्षिण अफ्रीका संयुक्त चौथे स्थान पर है ।

नया कलेवर बुधवार को चेन्नई में आईपीएल टीम की नई जर्सी के लांच के दौरान साथी खिलाड़ियों फाक डु प्लेसिस, मोहम्मद सिराज, ग्लेन मैक्सवेल के साथ विराट कोहली। ● एजेंसी

डेविड विली शुरुआत में नहीं खेलेंगे

आईपीएल

नयी दिल्ली, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) टीम का हिस्सा रहे इंग्लैंड के बायें हाथ के तेज गेंदबाज डेविड विली निजी कारणों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे। एलएसजी के नए प्रमुख कोच जस्टिन लैंगर ने बुधवार को बताया कि विली सीजन की शुरुआत में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वह दो पिछले दो महीनों से लगातार अबु धाबी नाइटराइडर्स और मुल्तान सुल्तांस के लिए खेले थे। विली को एलएसजी ने जहां दिसंबर में हुई नीलामी में उन्हें दो करोड़ में खरीदा गया था। इससे पहले टी-20 विश्व कप को देखते हुए कार्य प्रबंधन की वजह से इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मार्क वुड को खेलने से मना कर दिया था। वुड की जगह पर वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ को टीम में शामिल किया था।न विली की जगह अभी किसी को नहीं चुना है। लैंगर ने कहा, "मार्क वुड ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है और डेविड विली भी नहीं आ रहे हैं, जिससे अनुभव थोड़ा कम होगा। लेकिन पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि हमारे पास भरपूर कौशल है। हमारे कुछ खिलाड़ियों को चोट लगी थी लेकिन अभी वे सभी फिट दिखाई दे रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हमारे पास शमार जोसेफ और मयंक है जो अच्छी गति से गेंदबाजी कर सकता है। उम्मीद है हम वुड के अनुभव तो नहीं लेकिन गति के साथ रिप्लेस कर लेंगे।" एलएसजी जयपुर में होने वाले अपने पहले मैच रविवार को राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी।

खेल डायरी

जारा को क्वीन सिरिकिट कप में संयुक्त बढ़त

क्राइस्टचर्च। भारतीय गोल्फर जारा आनंद ने कड़ाके की सर्दी के बीच यहां खेले जा रहे 44वें क्वीन सिरिकिट कप के पहले दौर में एक ओवर 73 का स्कोर करके संयुक्त बढत बना ली। पंद्रह वर्ष की जारा को 2023 विजेता अवनि प्रशांत के नाम वापिस लेने के बाद भारतीय गोल्फ यूनियन ने टूर्नामेंट में जगह दी। वह चीनी ताइपै की चुन वेइ वू और जापान की ऐना फुजिमोतो के साथ शीर्ष पर है। भारत की विधात्री उर्स संयुक्त 20वें और हीना कांग संयुक्त 32वें स्थान पर है। टीम वर्ग में भारत छठे स्थान पर है जबकि चीनी ताइपै शीर्ष पर है।

त्रिसा-गायत्री की जोड़ी स्विस ओपन के दूसरे दौर में

बासेल (स्विटजरलैंड)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका के एनी शू और कैरी शू को सीधे गेम में हराकर स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गई। पिछले सप्ताह आल इंग्लैंड ओपन से पहले दौर में बाहर हुई भारतीय जोड़ी ने 39 मिनट में 21-15, 21-12 से जीत दर्ज की। महिला युगल में तीन अन्य भारतीय जोड़ियों को पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा।

डोपिंग प्रतिबंध के बाद लौटी हालेप पहले दौर में हारीं

मियामी गार्डन्स। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैम्पियन सिमोना हालेप अपील के बाद डोपिंग प्रतिबंध वापिस लिये जाने के साथ टेनिस कोर्ट पर लौटी लेकिन मियामी ओपन के पहले दौर में पाउला बाडोसा से 6-1, 4-6, 3-6 से हार गई। रोमानिया की 32 वर्ष की हालेप 2017 में डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची थी। वह 2022 अमेरिकी ओपन में प्रतिबंधित दवा रोक्साडस्टेट के सेवन की दोषी पायी जाने के बाद से टूर पर नहीं खेली है। अमेरिकी ओपन के पहले दौर में उन्हें यूक्रेन की डारिया स्निगुर ने हराया था। उन पर 2023 में चार साल का प्रतिबंध लगाया गया था जिसे दो सप्ताह पहले खेल पंचाट ने घटाकर नौ महीने का कर दिया।

ओलंपिक के उद्घाटन में भाग नहीं लेंगे रूस-बेलारूस

जिनेवा। रूस और बेलारूस के खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक परेड में भाग नहीं ले सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यह जानकारी दी। ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 26 जुलाई को है जिसमें हजारों खिलाड़ी सीन नदी से एफील टावर की तरफ नावों से आयेंगे जबकि आम तौर पर परेड स्टेडियम में होती है। आईओसी ने कहा कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ी नदी के किनारे समारोह देख सकेंगे। उन्हें तटस्थ खिलाड़ियों के तौर पर ओलंपिक में खेलने की अनुमति मिली है।

सीरीज स्थगित होने से अफगान बोर्ड निराश

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ तीसरी बार द्विपक्षीय श्रृंखला स्थगित करने पर निराशा व्यक्त करते हुए वैकल्पिक समाधान तलाशने का आग्रह किया है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि एसीबी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से आग्रह करता है कि वह अपनी नीतियों को क्रिकेट बोर्डों पर थोपे के बजाय सभी क्षेत्रों में क्रिकेट के विकास का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करे। उन्होंने कहा कि एसीबी का शीर्ष प्रबंधन पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत में शामिल हुआ था और सार्वजनिक रूप से वापसी की घोषणा करने के बजाय वैकल्पिक समाधान तलाशने का प्रस्ताव रखा था। एसीबी के बयान में कहा गया है कि स्थगित टी-20 श्रृंखला को सीए प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में आईसीसी द्वारा अनुमोदित किया गया था।

24 मार्च को मनेगा विश्व कबड्डी दिवस

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला में ताऊ देवी लाल इंडोर स्टेडियम में 24 मार्च को विश्व कबड्डी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय होंगें। होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआईपीएसए) और विश्व कबड्डी संगठन इस वर्ष के आयोजन का संयुक्त रूप से आयोजन कर रहे हैं। एचआईपीएसए की अध्यक्ष सुश्री कॉथी डी सुरेश ने यह जानकारी बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष विश्व कबड्डी दिवस समारोह का लक्ष्य एक अनोखा आयोजन करना है।

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार

नयी दिल्ली, एजेंसी

खेल और युवा कार्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की कोशिश में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। एक न्यूज चैनल के सम्मेलन में ठाकुर ने कहा कि मेजबानी की दावेदारी के लिये आमंत्रण के साथ ही भारत इसकी मेजबानी के लिये तैयार होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''भारत 2030 युवा ओलंपिक और 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये तैयार है।'' उन्होंने कहा, ''हम दुनिया की पांचवें सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पास युवाशक्ति है।'' उन्होंने बताया कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट देखने ब्रिटेन से करीब 4000 क्रिकेटप्रेमी धर्मशाला पहुंचे थे और उन्होंने स्टेडियम की तारीफ भी की। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद 2028 ओलंपिक लॉस एंजीलिस में और 2032 ओलंपिक ब्रिसबेन में खेले जायेंगे।

चुनाव में खेल संहिता का पालन सुनिश्चित करेगा डब्ल्यूएफआई

नयी दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) यह सुनिश्चित करेगा कि गुजरात, तेलंगाना और उत्तराखंड में आगामी राज्य संघ के चुनावों में खेल संहिता का पालन किया जाए। वह 27 मार्च से राष्ट्रीय शिविर बहाल करने के लिए भी तैयार है। राजस्थान जैसे कई राज्य संघों में 70 साल की निर्धारित आयु से अधिक उम्र के पदाधिकारी काम कर रहे थे। डब्ल्यूएफआई यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव में उम्र और कार्यकाल से संबंधित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए।

विराट कोहली से मिलना मेरे जीवन का सबसे अनमोल क्षण : श्रेयांका

बेंगलुरू, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की महिला प्रीमियर लीग में खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाली 'परपल कैप' विजेता श्रेयांका पाटिल के लिये सबसे बड़ा पल रहा जब उन्हें विराट कोहली से मिलने का मौका मिला। इक्कीस वर्ष की आफ स्पिनर श्रेयांका ने एलिमिनेटर और फाइनल में डैथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि बचपन से उनके पसंदीदा क्रिकेटर रहे कोहली उनका नाम जानते हैं। उन्होंने आरसीबी 'अनबॉक्स' कार्यक्रम में कोहली के साथ अपनी तस्वीर एक्स पर साझा करते हुए लिखा, ''उनकी वजह से क्रिकेट देखना शुरू किया था। उनके जैसा बनने का सपना देखा करती थी। कल मेरे जीवन का सबसे अनमोल पल था।'' उन्होंने लिखा, ''विराट ने कहा, ''हाय श्रेयांका। अच्छी गेंदबाजी की।' उन्हें मेरा नाम पता था।'' श्रेयांका को आरसीबी ने पिछले साल डब्ल्यूपीएल की पहली नीलामी में उनके बेसप्राइज 10 लाख रूपये में लिया था।

पाक महिला क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज की करेगी मेजबानी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम अगले महीने वेस्टइंडीज के साथ होने वाले तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगी। सभी मैच कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में खेलें जायेंगे। पहला एकदिवसीय मैच 18 अप्रैल को, दूसरा 21 अप्रैल और तीसरा 23 अप्रैल को होगा। 26 अप्रैल से तीन मई तक पांच मैचों की टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

मुकाबले में भारत की नजरें तीन अंकों पर

फीफा विश्व कप क्वालीफायर

आभा (सउदी अरब), एजेंसी

जैकसन सिंह और अनवर अली की वापसी से उत्साहित भारतीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को जब फीफा विश्व कप क्वालीफायर के मुकाबले में अफगानिस्तान का सामना करेगी तो उसकी नजरें तीसरे दौर में जगह बनाने पर लगी होंगी। मिडफील्ड में जैकसन और सेंटर बैक में अनवर चोट के कारण लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। दूसरे दौर के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन मैच में निचली रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी पर भारत का पलड़ा भारी रहने की उम्मीद है। हालांकि मिडफील्डर सहल अब्दुल समद इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। मंगलवार को अभ्यास सत्र के दौरान उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। दो मैचों में एक जीत के तीन अंक के साथ भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर है ।

बॉलीवुड हलचल

विवादों में फंसी खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती'

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता खेसारी लाल यादव की आगामी फिल्म 'रंग दे बसंती' रिलीज से पहले विवादों में फंसी हुई है। इसे 22 मार्च को होली के मौके पर रिलीज किया जाना था लेकिन अपने टाइटल की वजह से ये सर्टिफिकेशन बोर्ड में अटक गई। फिल्ममेकर रौशन सिंह ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ऐसे में अब कोर्ट की ओर से सीबीएफसी को आदेश दिया है कि वो मामले को 10 दिनों के अंदर ही निपटाएं। खेसारी लाल की फिल्म 'रंग दे बसंती' को पहले यूनिवर्सल सर्टिफिकेट दिया गया था और बाद में सीबीएफसी के अध्यक्ष प्रसून जोशी के रवैये के कारण फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई। ट्रेड पंडितों के अनुसार बताया जा रहा है कि रिलीज डेट टलने से इस फिल्म को करीब 10 करोड़ का नुकसान हुआ है। 'रंग दे बसंती' के निर्माता रौशन सिंह ने प्रसून जोशी पर आरोप लगाया था कि उन्होंने जानबूझकर सेंसर प्रक्रिया में देरी की।

लाल साड़ी और मांग में सिंदूर में दिखीं रश्मिका मंदाना

मुंबई, एजेंसी। साउथ सिनेमा के स्टार अल्लू अर्जुन और एनिमल फिल्म की फेम रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इसे इसी साल यानी कि 15 अगस्त, 2024 के मौके पर रिलीज किया जाना है। इसी बीच एक बार फिर से फिल्म सुर्खियों में आ गई है। इससे एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक लीक हो गया है। मूवी के सेट से एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसमें उन्हें देखते ही बन रहा है। रश्मिका से पहले अल्लू अर्जुन का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया जा चुका है, जो काफी एक्साइटिंग कर देने वाला है। सोशल मीडिया पर सामने आए रश्मिका मंदाना के लुक में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस 'पुष्पा 2' के सेट पर लाल साड़ी और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। इसमें उनका लुक देखते ही बन रहा है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि वो पुष्पराज के साथ शादी का सीक्वेंस शूट कर रही थीं। इसे देखने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ दिख सकती हैं माधुरी दीक्षित

मुंबई, एजेंसी। कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'भूल भुलैया-3' आजकल सुर्खियों में है। फिल्म में विद्या बालन और तृप्ति डिमरी के बाद अब एक और नाम सामने आया है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित की एंट्री भी हो सकती है। हालांकि अभी मेकर्स ने इस बात पर कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं दी है। 'भूल भुलैया-3' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में डायरेक्टर अनीस बज्मी से पूछा गया कि क्या 'भूल भुलैया-3' में माधुरी दीक्षित नजर आ सकती हैं? इस पर डायरेक्टर बोले- जो भी होने वाला है, हम खुद बताएंगे। तृप्ति और विद्या के बारे में बताया जा चुका है। लेकिन अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। फिल्म की कुछ और कास्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे। कुछ दिन पहले कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पर घर के मंदिर के सामने सिर झुकाए एक फोटो शेयर की थी। जिसमें उन्होंने कैप्शन लिखा था- आज मेरे करियर की सबसे बड़ी फिल्म शुरू हो रही है। 'भूल भुलैया-3' का शुभारंभ। 'भूल भुलैया 2' को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। इसमें कार्तिक के अलावा कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी लीड रोल में थे। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म 2007 में आई 'भूल भुलैया' का सीक्वल थी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

संघर्ष विराम में कूटनीति ही आगे का रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

- पुतिन और जेलेंस्की से प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर की बात, जंग और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पांचवीं बार राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच साथ काम करने को लेकर सहमति बनी है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत और रूस के विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

बता दें, दोनों नेता आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में ठोस प्रयास करने पर सहमत हुए। फोन पर हुई मोदी और पुतिन की बातचीत के दौरान भारत और रूस ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न मुद्दों में प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीत आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। गौरतलब है कि रूस में हुए राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम सामने आने के बाद पुतिन के विरोधियों का जनाधार बेहद खोखला रहा, ऐसे में पुतिन को बड़ी जीत हासिल हुई है। 87 फीसदी वोट हासिल कर जीत दर्ज करने वाले पुतिन बीते दिनों विपक्ष के नेता नवलनी की मौत के कारण भी विवादों में घिरे थे।

मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-यूक्रेन साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि, भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने पर राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ अच्छी बातचीत हुई। शांति के लिए सभी प्रयासों और चल रहे संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के निरंतर समर्थन से अवगत कराया। यूक्रेन-रूस युद्ध पर पीएम मोदी ने भारत के पुराने रूख को दोहराया कि इस विवाद का समाधान कूटनीति व वार्ता से ही हो सकती है। साथ ही दोनो नेताओं ने मौजूदा द्विपक्षीय रिश्तों के विभिन्न आयामों की भी समीक्षा की, क्षेत्रीय व वैश्विक हालातों पर भी चर्चा हुई।

चीन की चाल पर भारी पड़ रही भारत की नीति

1,126 किमी लंबी सीमा अरुणाचल प्रदेश की चीन से लगती है

जून, 2020 में लद्दाख के गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के बीच शुरू हुई तनातनी लगातार बढ़ती नजर आ रही है। अब हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरे के बाद चीन बौखला गया है। एक ओर चीन कभी इस राज्य के कई इलाकों के नाम बदलता है तो कभी केंद्रीय नेताओं के दौरे और जी 20 की बैठक पर आपत्ति जताता रहा है। अरुणाचल प्रदेश की 1,126 किमी लंबी सीमा चीन से लगी है। आईए जानते हैं क्या मामला...

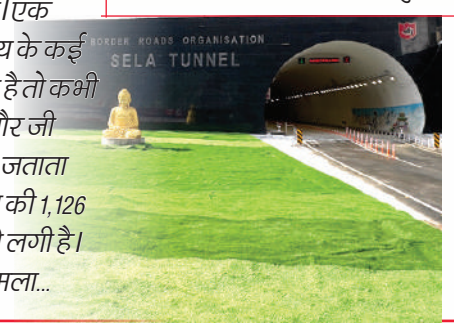

सेला सुरंग के निर्माण से बौखलाया चीन

अरुणाचल प्रदेश में चीन सीमा के पास सेला सुरंग का निमार्ण हुआ है। सीमा पर सुरंग के निर्माण से चीन बौखलाया गया है। बता दें, इस सुरंग का निर्माण 825 करोड़ में हुआ है, जो तेजपुर से तवांग को जोड़ने वाली सड़क पर पश्चिम कामेंग जिले में 13,700 फीट की ऊंचाई पर है। इसकी आधारशिला फरवरी 2019 में रखी थी। सेला सुरंग भारत की सबसे ऊंची पहाड़ी सुरंग सड़क है जो भारतीय सेना को अरुणाचल प्रदेश में दोनों देशों के बीच विवादित सीमा तक हर मौसम में संपर्क बनाए रखने में मदद करेगी। इस सुरंग के प्रोजेक्ट को अंजाम सीमा सड़क संगठन ने दिया है, जिसमें दो सुरंगें और एक लिंक रोड शामिल है।

बकवास है चीन का अरुणाचल पर दावा

चीन बार-बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता आया है। वहीं, चीन के इस दावे को भारत ने हमेशा नकारा है। एक बार फिर ड्रैगन के इस दावे को भारत सरकार ने बकवास बताया है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से चीन के साथ अरुणाचल प्रदेश का कोई संबंध नहीं है। वहीं, यह राज्य भारत का अभिन्न अंग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "ऐतिहासिक रूप से हमारा चीन के साथ कोई जुड़ाव या संबंध नहीं है। इसलिए अरुणाचल के चीन का हिस्सा होने का कोई सवाल ही नहीं है। राज्य के क्षेत्र पर दावा करने से जमीन पर स्थिति नहीं बदलेगी। हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है। अरुणाचल प्रदेश एक भारतीय क्षेत्र है। रिजिजू ने कहा, अपने क्षेत्र को विकसित करना हमारा संप्रभु अधिकार है और कोई भी हम पर आपत्ति नहीं कर सकता हाल ही में पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था, जिसके बाद चीन बौखला उठा। चीन के विदेश मंत्रालय वांग वेनबिन ने कहा कि इससे भारत-चीन का सीमा विवाद और बढ़ेगा।

भारत का रुख

भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने चीन की ओर से क्षेत्र नया नाम गढ़े जाने के कदम को खारिज किया है और कहा है कि इससे सच्चाई में कोई बदलाव नहीं आया है।

चीन क्यों करता है अरुणाचल पर दावा

अब सवाल ये है कि आखिर चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा क्यों करता है। अरुणाचल को 1987 में एक राज्य बनाया गया था। दरअसल अरुणाचल ने जब से तिब्बत पर कब्जा किया, उसके बाद से ही वो अरुणाचल पर अपना दावा पेश करता है और इसे साउथ तिब्बत बोलता है। तिब्बत पर चीन के कब्जे को लेकर दुनियाभर में बहस है। खुद दलाई लामा तिब्बत को चीन का हिस्सा बताने से इनकार करते हैं और इसे चीन की दादागीरी बताते हैं। ऐसे में चीन का तिब्बत के सहारे अरुणाचल पर दावा करना काफी खतरनाक माना जा रहा है।

एक नजर

पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट पर गोलीबारी, आठ आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर पोर्ट अथॉरिटी कॉम्प्लेक्स को बुधवार को आतंकियों ने निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की। बता दें कि आतंकियों की गोलीबारी का सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब भी दिया। इस हमले से पहले पोर्ट पर एक धमाका हुआ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ग्वादर पोर्ट पर आठ आतंकियों ने हमला किया था और सभी आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मौत के घाट उतार दिया। बलूचिस्तान प्रांत के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी।

इमरान की संघीय-प्रांतीय चुनावों की न्यायिक आयोग से जांच की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनावों में धांधली के आरोपों की जांच को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। जिसमें उन्होंने एक न्यायिक आयोग के जरिए जांच की मांग की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने आठ फरवरी के आम चुनाव के नतीजों में हेरफेर का आरोप लगाकर नतीजों को मानने से इनकार कर दिया था। पीटीआई नेता और वरिष्ठ वकील हामिद खान ने इमरान खान की ओर से याचिका दायर की, जिसमें कहा गया कि न्यायिक आयोग को आठ फरवरी को हुए आम चुनावों की प्रक्रिया और आचरण से संबंधित मामलों की जांच, ऑडिट और समीक्षा करनी चाहिए।

गाजा शहर में इजराइली हमले में 23 की मौत, कई घायल

गाजा। गाजा शहर में मंगलवार को इजराइली हवाई हमले में 23 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। मीडिया एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने बताया कि, सहायता वाले ट्रकों के इंतजार में खड़े लोगों पर गोलीबारी हुई है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी पर चल रहे इजराइली हमलों में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 31 हजार से ज्यादा हो गया है। जबकि 73,934 अन्य घायल हुए हैं।

लद्दाख को राज्य का दर्जा की मांग को लेकर लोगों ने निकाला मार्च

करगिल। लद्दाख को राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग के समर्थन में हजारों लोगों ने बुधवार को मार्च निकाला जिसके कारण दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। शिक्षासुधारक सोनम वांगचुक केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा दिए जाने की मांग को लेकर पिछले दो सप्ताह से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। करगिल डेमोक्रेटिक एलायंस (केडीए) के आह्वान के जवाब में बड़ी संख्या में लोगों ने फातिमा चौक से हुसैनी पार्क तक एक मार्च निकाला।

तालिबानी फौज का चेकपोस्ट पर कब्जा, पाकिस्तानी सैनिक भागे

पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक का अफगानी जवाब, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

काबुल, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में डूरंड लाइन पर तकरार और बढ़ गई है। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के बाद तालिबानी फौज ने मुंहतोड़ जवाब दिया। मंगलवार को तालिबान शासकों की फौज ने पाकिस्तान की सैन्य चौकी पर कब्जा कर लिया। पाकिस्तानी फौजी इस चौकी से पीछे हट गए हैं। यह पोस्ट पाक के उत्तर-पूर्वी बजीरिस्तान इलाके के कुर्रम में है।

मीडिया के मुताबिक, अफगानी फौज ने भारी मोर्टार से बमबारी की और सैनिक हमले से चेकपोस्ट पर कब्जा किया। बजीरिस्तान इलाके में पाकिस्तान की कई सैन्य चौकी हैं, स्थिति और न बिगड़े, इसलिए पाकिस्तानी सेना ने वहां से जवानों को हटा लिया। दो दिन पहले ही पाक के जेएफ- 17 लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान में खोस्त और पकटिका इलाकों में भारी बमबारी की थी। इसके बाद अफगान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि पाक के हमले में 8 महिलाओं और कुछ बच्चों की मौत हुई है और हम पाक से बदला जरूर लेंगे। इसीलिए अफगान फौज ने मंगलवार तड़के डूरंड लाइन पर घातक हमला किया।

पाकिस्तान व अफगानिस्तान के बीच कैसे शुरू हुआ संघर्ष

दोनों देशों के बीच ताजा संघर्ष की शुरुआत शनिवार (16 मार्च) को हुई। दरअसल, शनिवार को

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली में एक आत्मघाती हमलावर ने अपने विस्फोटक से भरे ट्रक को एक सैन्य चौकी में घुसा दिया। यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। इस घटना में सात पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया कि उसकी जवाबी गोलीबारी में सभी छह हमलावरों को मार गिराया गया। हमले की जिम्मेदारी हाल ही बने एक आतंकी समूह जैश-ए-फुरसन-ए-मुहम्मद ने ली। कहा गया कि इस समूह को मुख्य रूप से पाकिस्तानी तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सदस्यों ने बनाया है। प्रतिबंधित टीटीपी के निशाने पर अक्सर पाकिस्तानी सैनिक और पुलिसकर्मी रहे हैं। इस हमले के बाद पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने जवाबी कार्रवाई करने का एलान किया। बीते दो तीन वर्षों में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं।

पाकिस्तान ने सेना में शामिल दो अफगानी अफसरों को निकाला

पाकिस्तान ने खुलासा किया कि सेना में दो ऑफिसर रैंक के अफगान नागरिक थे। इन्हें निकाल दिया गया है। ये अफसर अवैध अप्रवासियों के खिलाफ पाक के अभियान में शामिल थे। संघर्ष को लेकर अमेरिका ने नसीहत दी है कि, पाक धैर्य दिखाए। अफगानिस्तान भी अपनी धरती का इस्तेमाल आतंकी हमलों में करने से रोके।

बात न बनी तो तोपों से हमला करेगा पाकिस्तान

पाकिस्तानी सेना अभी कूटनीति से मामला निपटा रही है। उसका कहना है कि या तो अफगास्तिान सरकार आतंकी संगठन टीटीपी को खुद खत्म करे या हमें सौंप दे। इसके लिए राजनयिक प्रयास चल रहे हैं। यदि ये फेल होते हैं तो उसने उत्तरी वजीरिस्तान में कई तोपें तैनात कर रखी हैं। इन्हीं से जवाबी हमले की योजना है। पाक टीटीपी के आतंकी हाफिज गुल बहादुर की गिरफ्तारी चाहता है।

बलूचिस्तान प्रांत में कोयला खदान धंसी 12 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक कोयला खदान में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारी ने बताया कि ये विस्फोट काफी शक्तिशाली था। इसके कारण कोयला खदान धंस गई और 12 लोगों की जान चली गई।

अधिकारी के अनुसार, इस हादसे के बाद लगभग आठ लोगों को खदान से बचाया गया है। मीडिया के मुताबिक, यह घटना हरनाई जिले के जरदालो इलाके में हुई। अब्दुल गनी बलूच ने कहा कि दो शवों को रात में ही खदान से बरामद किया गया और बाकी 10 शवों को बुधवार सुबह निकाला गया है। मीडिया के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत के खनन महानिदेशक अब्दुल्ला शाहवानी ने भी मरने वालों की संख्या की पुष्टि की है।

घटना में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दुर्घटना में मारे गए लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज ने निर्देश दिया कि घायल लोगों को हर संभव इलाज उपलब्ध कराया जाए।

विदेश में भी चलती है मोदी की गारंटी : एस जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले -मोदी की गारंटी राजनीतिक दबाव के आगे झुकती नहीं

विदेश मंत्री एय जयशंकर ने कहा है कि देश के साथ विदेश में भी मोदी की गारंटी चलती है। लोगों को उन पर विश्वास है। देश में गौरव की भावना पहले से ज्यादा है और भरोसा भी बढ़ा है।

जयशंकर ने कहा, जब मैं बाहर (विदेश) जाता हूं और विदेशी नीतियां समझाता हूं, तो पता चलता है कि मोदी विदेश में भी उतना ही काम करने की गारंटी देते हैं जितना भारत में। मोदी की गारंटी विदेशों में भी उतनी चलती है जितनी की भारत में चलती है। निजी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- मोदी की गारंटी की वजह से ही ऑपरेशन गंगा, 'ऑपरेशन कावेरी' और ऑपरेशन अजय सफल हो पाए। वैक्सीन मैत्री के जरिए हमने दुनिया भर के 100 देशों को वैक्सीन दी। मोदी की गारंटी में राजनीतिक दबाव के आगे न झुककर पेट्रोल की कीमतें उचित बनाए रखना भी शामिल है। लोगों को अब भरोसा है कि पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी जरूरतें मुहैया कराई जाएंगी। जयशंकर ने कहा- मोदी की गारंटी की वजह से पिछले 75 सालों से चल रही विदेश नीति में कई तरह के बदलाव आए हैं। हमारा लक्ष्य आतंकवाद को इस तरह से रोकना है कि यह दोबारा न हो।

हालांकि यूक्रेन के संदर्भ में पश्चिमी देशों के हमारे साथ मतभेद हो सकते हैं। लेकिन हमारी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य भारत के हितों की रक्षा करना है और यह जरूरी नहीं कि हम अन्य देशों के साथ सहमत हों और उनके हितों की रक्षा करें। जयशंकर ने भारत और पाकिस्तान के रिश्तों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा- आज पाकिस्तान के साथ हमारे रिश्ते बहुत ही औपचारिक स्तर पर हैं। बातचीत बहुत ही कम है। ऐसा 2 कारणों से हुआ।

बारिश से बढ़ी ठंडक...

शिमला : हिमाचल में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता का असर लगातार बना हुआ है। बुधवार को नारकंडा में ताजा हिमपात हुआ है। प्रदेश के मध्यम से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश से मौसम में ठंडक बनी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान बिलासपुर, हमीरपुर और शिमला के ऊपरी क्षेत्रों में कहीं कहीं पर ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने देश के पूर्वी हिस्सों में तेज रफ्तार हवाएं, ओलावृष्टि के साथ मध्यम बारिश होने संभावना जताई है। भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार से 23 मार्च तक पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज के साथ भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

अमेरिका में अवैध प्रवेश पर लगेगा अंकुश, आव्रजन कानून को मिली अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टेक्सास राज्य को तत्काल एक आव्रजन कानून लागू करने की अनुमति दे दी। इस फैसले से राज्य के अधिकारियों को देश में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोगों को गिरफ्तार और हिरासत में लेने का अधिकार मिल गया है। वहीं, कई लोगों का कहना है कि यह कानून सही नहीं है।

दरअसल, संघीय अपील अदालत में कानून के लिए कानूनी चुनौतियां चल रही हैं, लेकिन एससी के निर्णय से आव्रजन नीति पर बाइडन प्रशासन से जूझ रहे टेक्सास को एक महत्वपूर्ण जीत मिली है। इस आदेश ने अदालत द्वारा लगाए गए अनिश्चितकालीन रोक को भी हटा दिया, जो कानून को प्रभावी होने से रोक रहा था। बता दें कि दिसंबर में रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट द्वारा हस्ताक्षरित सीनेट बिल 4, टेक्सास में अवैध रूप से प्रवेश को अपराधिक बताता है और न्यायाधीशों को आप्रवासियों को निर्वासित करने का आदेश देने की अनुमति देता है।

महिला सशक्तिकरण से 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र: रूचिरा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोलीं रुचिरा कंबोज, भारत में महिलाओं के लिए अहम कदम उठाए जा रहे

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने बताया कि देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई अहम कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से समाज में लैंगिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। दरअसल भारतीय मिशन ने संयुक्त राष्ट्र में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। कंबोज ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण से ही 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

कार्यक्रम के दौरान भारत की यूएन में स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिलाओं के लिए एक बहुमुखी रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से लैंगिक न्याय, समानता और भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित है। बता दें, संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर 68वीं वार्षिक बैठक आयोजित हुई। यह बैठक 11 मार्च से शुरू हुई है, 22 मार्च तक चलेगी। इसी बैठक के दौरान भारतीय मिशन ने भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। रुचिरा कंबोज ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनेगा।

पाकिस्तान के आम चुनाव में मानवाधिकारों को कुचला

वाशिंगटन, एजेंसी

- धांधली के आरोपों को लेकर अमेरिका बोला- विस्तृत जांच हो

अमेरिका ने पाकिस्तान आम चुनाव में हुई कथित धांधली की बात को माना है और इसे लेकर चिंता जाहिर की है। अमेरिका ने पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने में मदद देने का भी आश्वासन दिया।

दरअसल अमेरिका के राजनयिक और पाकिस्तान मामलों के जानकार डोनाल्ड लू ने पाकिस्तान चुनाव में हुई कथित धांधली को लेकर अपनी लिखित गवाही संसद की समिति के पास भेजी थी, जिसे अब सार्वजनिक किया गया है। डोनाल्ड लू ने अपनी गवाही में कई मुद्दों पर चिंता जाहिर की और दोनों देशों के भविष्य को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अमेरिका का विदेश विभाग पाकिस्तान में हुई चुनावी हिंसा, मानवाधिकारों पर प्रतिबंध, आजादी, मीडिया पर हमले और कम्युनिकेशन सेवाओं पर प्रतिबंधों की निंदा करता है। चुनावी प्रक्रिया में कथित धांधली पर भी चिंता जाहिर की गई और कहा कि आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए। लू ने कहा कि पुलिस, नेताओं और जनसभाओं के दौरान हमले हुए। कई पत्रकारों, खासकर महिला पत्रकारों का उत्पीड़न किया गया। चुनाव के दिन अंतर्राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम को भी वोटों की गणना की समीक्षा नहीं करने दी गई। मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को बंद किया गया।

विज्ञान मिशिगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एसएन 1987ए दुर्लभ सुपरनोवा नाम दिया

मोतियों की माला में घिरा नजर आया सुपरनोवा

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार: ब्रह्मांड में एक रहस्यमयी सुपरनोवा मोती की माला में सुसज्जित नजर आ रहा है। इस दुर्लभ सुपरनोवा का नाम एसएन 1987ए है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह एक विशाल तारे के विस्फोट के अवशेषों को खुद मे समेट रहा है। यह घटना पृथ्वी से लगभग 160,000 प्रकाश वर्ष दूर है। जिसमें एक विशाल तारा (सुपरनोवा) टूटकर बिखर रहा है और टूटे हुए तारे की सामग्री से घिर रहा है। यह सुपरनोवा एक आकाशगंगा के उप आकाशगंगा में स्थित है। वैज्ञानिक इस घटना को लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड या एलएमसी नाम से पुकारते हैं। एसएन 1987ए के बारे में विशेष रूप से उल्लेखनीय तथ्य यह सामने आया है कि यह चमकते हाइड्रोजन प्लाज्मा के गुच्छों से घिरा हुआ है । यह एक ऐसी संरचना है, जो खगोल भौतिकी में एक लंबे समय तक चलने वाली रहस्यमय प्रक्रिया है। जिसका अभी कोई सटीक जानकारी नही मिल पाई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सुपरनोवा अवशेष के आभूषण के रहस्य को पूरी तरह से समझने के लिये समय लगेगा।

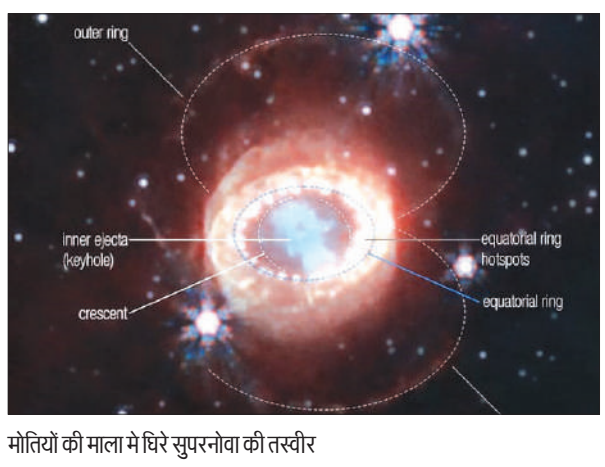

मोतियों की माला मे घिरे सुपरनोवा की तस्वीर

आंखों से भी देखा जा सकता है सुपरनोवा

इस सुपरनोवा को नग्न आंखों से देखा जा सकता है। यह सुपरनोवा अविश्वसनीय रूप से दुर्लभ खगोलीय घटना है। इस घटना से सितारों के विकास और अंतत: मृत्यु के बारे में हमारी समझ में कुछ अधिक वृद्धि हो सकती है। बहरहाल इस तरह की घटनाओं को लेकर नई समझ पैदा होगी । साथ ही खोज को नई दिशा मिलेगी।

मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता वैज्ञानिकों के अनुसार मोतियों की माला की संरचना अद्भुत है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए इस सुपरनोवा मलबे की खोज हुई है। जिसके समीप एक छिपा हुआ न्यूट्रॉन तारा है।

दुनिया के सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध भारत

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका के प्रतिष्ठित सिख नेता ने गृह मंत्री, रक्षा मंत्री और जयशंकर की मुलाकात

अमेरिका के एक प्रतिष्ठित सिख नेता ने बताया कि भारत सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत दुनियाभर में समुदाय की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका के सिख संगठन के जस्सी सिंह हाल ही में भारत का दौरा करके लौटे हैं। एक सिख प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की।

जस्सी सिंह ने बताया कि भारत के इन वरिष्ठ नेताओं के साथ उन्होंने बात की कि कैसे सिख समुदाय भारत की मदद कर सकता है और देश के विकास का हिस्सा बन सकता है। उन्होंने कहा, "हमें बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार दुनिया भर के सिख समुदाय की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

जस्सी सिंह ने आगे कहा, बैठक में हमने पंजाब में विकास को लेकर चर्चा की। पंजाब को अलगाववादी आंदोलन के दौरान बहुत नुकसान का सामना करना पड़ा है। उन्होंने अमेरिका और कनाडा के एक वर्ग का खंडन किया जिन्होंने आरोप लगाया कि भारत में उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। इस पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है। अन्य समुदाय की तरह सिखों का भी अपना मुद्दा है। भारत में अन्य नागरिकों की तरह सिखों को भी समान अधिकार प्राप्त है।